वर्ष 73 ▸▸ अंक 208 ▸▸ पृष्ठ 12
रीवा, सोमवार 27 अप्रैल, 2026
▸▸ वैशाख शुक्ल पक्ष 11, विक्रम संवत् 2083
▸▸ नगर ▸▸ मूल्य 5 रुपए

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

यदि रास्ता खूबसूरत है तो यह नहीं पूछना चाहिए कि यह कहां लेकर जाएगा
–एंटोल फ्रांस

अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा में सेंध

व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर में चली गोलियां बाल-बाल बचे ट्रंप, हमलावर गिरफ्तार, पेशी आज

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका की राजधानी वॉशिंगटन डीसी में 'व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स डिनर' में माहौल उस समय दहशत में बदल गया, जब कार्यक्रम के दौरान अचानक गोलीबारी हो गई। अमेरिकी समय के अनुसार शनिवार शाम आयोजित इस हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उनकी पत्नी मेलानिया, उपराष्ट्रपति जेडी वेंस सहित कई वरिष्ठ अधिकारी, पत्रकार और विशिष्ट अतिथि मौजूद थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, होटल के बॉलरूम के बाहर अचानक तेज धमाकों की आवाज सुनाई दी। शुरुआत में लोगों को लगा कि यह कोई तकनीकी गड़बड़ी या सामान गिरने की आवाज है, लेकिन कुछ ही सेकंड में स्थिति स्पष्ट हो गई कि गोलीबारी हो रही है। बताया गया कि हमलावर ने करीब 7 राउंड फायरिंग की। जैसे ही गोलियों की आवाज गूंजी, बॉलरूम के अंदर अफरातफरी मच गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए टेबल और कुर्सियों के नीचे छिप गए। कई पत्रकार और मेहमान जमीन पर लेट गए। हालांकि सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत सक्रिय होकर राष्ट्रपति और अन्य वीआईपी को सुरक्षित बाहर निकाला।

घटना के तुरंत बाद अमेरिकी सीक्रेट सर्विस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों ने हालात पर काबू पा लिया। राष्ट्रपति ट्रंप को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया। डेढ़ घंटे बाद राष्ट्र पति डोनाल्ड ट्रंप ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमला केवल उन पर नहीं, बल्कि अमेरिकी संविधान पर हमला है। उन्होंने सुरक्षा बलों की सराहना करते हुए कहा कि उनकी तत्परता और बहादुरी के कारण एक बड़ा हादसा टल गया। एक अधिकारी को गोली लगी, लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट से उसकी जान बच गई।

मैकेनिकल इंजीनियर, नासा फेलो व टीचर है व्हाइट हाउस डिनर... पेज-8

व्हाइट हाउस कॉरस्पॉन्डेंट्स डिनर में गोलीबारी के तुरंत बाद राष्ट्रपति ट्रंप (लाल घेरे में) को सुरक्षित बाहर निकाला गया। इस दौरान कई कैबिनेट सदस्य तब तक जमीन पर लेटे रहे।

हमलावर पर दो गंभीर आरोप

- हिंसक अपराध के दौरान हथियार का इस्तेमाल
- फेडरल अधिकारियों पर खतरनाक हथियार से हमला

फेडरल कोर्ट में आज किया जाएगा पेश

आरोपी हमलावर को सोमवार को फेडरल कोर्ट में पेश किया जाएगा। फिलहाल उसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस उसके होटल के कमरे और डिजिटल रिकॉर्ड की भी जांच कर रही है, ताकि हमले के पीछे की मंशा स्पष्ट हो सके।

चश्मदीदों ने साझा किए डर-दहशत के पल

एएनआई की रिपोर्टर रीना भारद्वाज ने बताया कि जैसे ही गोली की आवाज आई, वेटर और स्टाफ भागते हुए सुरक्षित जगह खोजने लगे। कुछ ही सेकंड में पूरा हॉल दहशत में बदल गया। लोग टेबल के नीचे छिप गए और कोई भी समझ नहीं पा रहा था कि क्या हो रहा है। वहीं सीएनएन की पत्रकार कैटलिन कोलिंस ने बताया कि एजेंटों ने मिनटों में पूरे हॉल को घेर लिया और राष्ट्रपति को सुरक्षित बाहर निकाला गया। कई कैबिनेट सदस्य तब तक जमीन पर लेटे रहे जब तक सुरक्षा पूरी तरह सुनिश्चित नहीं हो गई।

ट्रंप बोले- ईरान से कोई संबंध नहीं

घटना के बाद ट्रंप ने कहा कि सुरक्षा एजेंसियों ने 'तेजी और बहादुरी से काम किया।' सभी लोग सुरक्षित हैं और हालात पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया है। ट्रंप ने हमलावर को 'लोन वुल्फ' बताते हुए कहा कि 'फिलहाल ऐसा कोई संकेत नहीं है कि इस हमले का किसी अंतरराष्ट्रीय मुद्दे, जैसे ईरान के साथ तनाव, से संबंध है। यह हमला ईरान के खिलाफ अपने रुख से पीछे नहीं हटाएगा। मुझे नहीं लगता कि इस हमले का ईरान से कोई संबंध है। हालांकि यह मुझे युद्ध जीतने से नहीं रोकेगा। हम अपना काम जारी रखेंगे।'

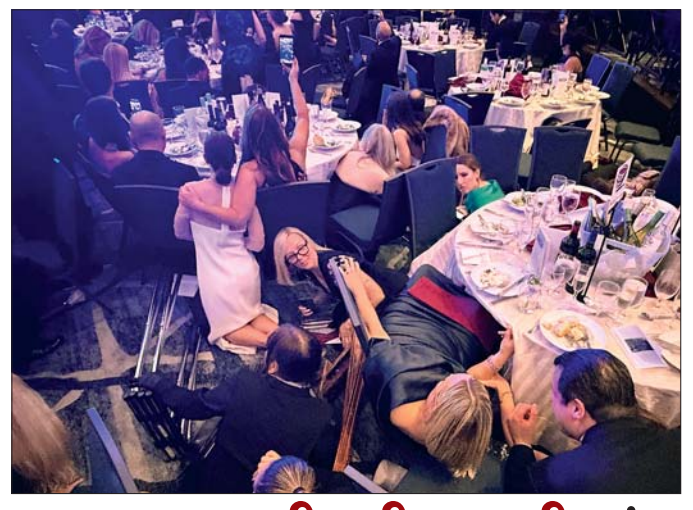

शूट आउट की पूरी कहानी: ट्रंप डिनर हॉल में, बाहर गोलीबारी

शनिवार रात आयोजित व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर में मीडिया, राजनीति और ग्लैमर जगत से जुड़े करीब 2300 मेहमान मौजूद थे। सभी एक-दूसरे से हल्के-फुल्के अंदाज में बातचीत कर रहे थे, लेकिन कुछ ही मिनटों में माहौल पूरी तरह अफरातफरी में बदल गया। वॉशिंगटन हिल्टन होटल में रात करीब 8.35 बजे अचानक तेज आवाजें सुनाई दीं। शुरुआत में लोगों को लगा कि शायद कोई तकनीकी गड़बड़ी है, लेकिन जल्द ही स्पष्ट हो गया कि गोलियां चलाई जा रही हैं। एक शख्स हथियारों से लैस होकर होटल की लॉबी में दाखिल हुआ और डिनर हॉल की ओर बढ़ने लगा। उसके पास शॉटगन, हैंडगन और कई चाकू थे। उसने सुरक्षा घेरा तोड़ने की कोशिश की और फायरिंग शुरू कर दी। जैसे ही गोलीबारी की आवाज आई, हॉल के अंदर बैठे मेहमानों में दहशत फैल गई। कई लोग टेबल के नीचे छिप गए, तो कुछ जमीन पर लेट गए। उस समय ट्रंप मंच पर मौजूद थे और भाषण देने वाले थे। अमेरिकी सीक्रेट सर्विस ने ट्रंप, उनकी पत्नी मेलानिया और उपराष्ट्रपति वेंस को सुरक्षित बाहर निकाला। एजेंट्स ने पहले उन्हें घेरा और फिर सुरक्षित स्थान तक पहुंचाया।

हमलावर कैसे घुसा डिनर में

डिनर से पहले दोपहर 2 बजे के बाद होटल आम लोगों के लिए बंद कर दिया गया था, लेकिन जिनके पास कमरा बुक था या विशेष पास था, उन्हें अंदर आने की अनुमति थी। इसी का फायदा उठाकर आरोपी होटल के अंदर पहुंच गया और शुरुआती सुरक्षा जांच से बच निकला। सीसीटीवी फुटेज में वह बैरिकेड पार करता हुआ और सुरक्षा कर्मियों की ओर बढ़ता हुआ दिखाई दिया।

आईपीएल में आज

दिल्ली बनाम बेंगलुरू
समय : शाम 7.30 बजे से
प्रसारण: स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर

परिणाम: गुजरात ने चेन्नई को 8 विकेट से हराया।
कोलकाता ने लखनऊ को सुपर ओवर में हराया

संक्षिप्त खबरें

भोपाल: स्कूलों की छुट्टी अब 16 जून को खुलेंगे

जागरण, भोपाल। राजधानी में पड़ रही रिकॉर्ड तोड़ गर्मी से बच्चों को बचाने जिले के स्कूलों में 30 अप्रैल तक अवकाश घोषित कर दिया गया है। यह अवकाश नर्सरी से कक्षा आठवीं तक के लिए घोषित किया गया है। भोपाल कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के आदेश से अब निजी एवं सरकारी सहित सभी स्कूलों में 16 जून को ही नर्सरी से आठवीं तक की कक्षाएं शुरू होंगी। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी किया गया यह आदेश जिले के सभी शासकीय, अशासकीय, अनुदान प्राप्त, सीबीएसई, आईसीएसई के स्कूलों पर भी लागू होगा। भोपाल में तापमान लगातार बढ़ रहा है। यह बढ़ता तापमान बच्चों का स्वास्थ्य बिगाड़ सकता है।

नर्सरी से आठवीं तक के लिए 30 अप्रैल तक अवकाश

तस्वीरों के जादूगर रघु राय का कैंसर से निधन

नई दिल्ली, जेएनएन। मशहूर फोटो जर्नलिस्ट रघु राय का 83 वर्ष की उम्र में कैंसर से निधन हो गया। उनके परिवार ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। उनका अंतिम संस्कार दिल्ली के लोधी श्मशान घाट में किया जाएगा। उनके पीछे पत्नी गुरमीत, बेटा नितिन और बेटियां लगन, अवनी और पूर्वाई हैं। उनके निधन से मीडिया और कला जगत में शोक की लहर है। रघु राय की सबसे मार्मिक तस्वीरों में से एक, भोपाल गैस त्रासदी के दौरान खींची गई 'एक अज्ञात बच्चे का अंतिम संस्कार' (ब्यूरियल ऑफ एन अननोन चाइल्ड) टाइटल की तस्वीर आज भी दुनिया को झकझोर देती है। एक पिता की गोद में मृत बच्चे की यह तस्वीर न सिर्फ उस त्रासदी का प्रतीक बनी, बल्कि फोटो जर्नलिज्म की ताकत को भी परिभाषित करती है।

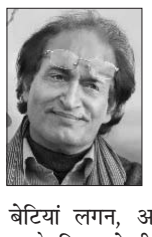

(संबंधित खबर पेज 9 पर)

दिल्ली में टेकऑफ के दौरान स्विस विमान का इंजन फेल

आग की लपटों के बीच 232 यात्रियों को सुरक्षित निकाला, 6 घायल

नई दिल्ली, जेएनएन। राजधानी के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार देर रात एक बड़ा विमान हादसा टल गया। स्विस एयरलाइंस की ज्यूरिख जा रही फ्लाइट एलएक्स 147 टेकऑफ से ठीक पहले तकनीकी खराबी का शिकार हो गई। विमान का एक इंजन फेल हो गया और उसमें आग लग गई। हालांकि सभी 232 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। इस दौरान 6 यात्री घायल हो गए, जिनमें कुछ को मामूली चोटें आई हैं।

अधिकारियों के अनुसार, स्विस इंटरनेशनल एयर लाइंस की फ्लाइट एलएक्स 147 टेकऑफ के लिए रनवे पर पहुंच चुकी थी। इसी दौरान विमान के एक इंजन में खराबी आ गई और उसमें आग लग गई। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए पायलट ने तुरंत विमान को रोक दिया। एयर ट्रैफिक कंट्रोल को सूचना दी गई और एयरपोर्ट पर 'फुल इमरजेंसी' घोषित कर दी गई।

घटना के बाद विमान में सवार यात्रियों को तेजी से बाहर निकालने के लिए इमरजेंसी स्लाइड का इस्तेमाल किया गया। यात्रियों को सुरक्षित निकालने के दौरान कुछ समय के लिए भगदड़ जैसी स्थिति भी बन गई। विमान में कुल 232 लोग सवार थे।

हाल के महीनों में बढ़ी तकनीकी खराबियों की घटनाएं

- **मार्च 2026:** विशाखापट्टनम से दिल्ली आ रही इंडिगो फ्लाइट का एक इंजन फेल हो गया था, जिसके बाद सुरक्षित इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई।
- **जनवरी 2026:** लखनऊ से सऊदी अरब जा रहे विमान में केबिन प्रेशर की समस्या के चलते इमरजेंसी लैंडिंग करनी पड़ी।
- **दिसंबर 2025:** एयर इंडिया की फ्लाइट का एक इंजन हवा में बंद हो गया था, जिसके बाद विमान को दिल्ली लौटना पड़ा।

लैंडिंग गियर से उठा धुआं आग पर काबू

एयरलाइन के बयान के मुताबिक, टेकऑफ के समय विमान के बाईं ओर लैंडिंग गियर से धुआं उठता दिखाई दिया। इसके बाद तुरंत फ्लाइट को रोक दिया गया। एयरपोर्ट पर मौजूद फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। राहत की बात यह रही कि आग तेजी से फैलने से पहले ही बुझा दी गई।

विस का विशेष सत्र आज संविधान बिल पर चर्चा

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा का एक दिवसीय विशेष सत्र सोमवार 27 अप्रैल को आहुत किया गया है। इसमें लोकसभा में गिर चुके नारी शक्ति वंदन से जुड़े संविधान के 131वें संशोधन बिल चर्चा की जाएगी। जानकारी के अनुसार सुबह 11 बजे सदन समवेत होगा और सीधे ही संविधान संशोधन बिल पर चर्चा की जाएगी। सत्र दो चरणों में होगा। पहला सत्र सुबह 11 बजे से दोपहर 1:30 तक चलेगा। जबकि भोजनावकाश के उपरांत दोपहर 3 बजे से शाम 5:30 तक सदन में चर्चा कराई जाएगी। ऐसा माना जा रहा है कि भाजपा की ओर से लोकसभा में संशोधन बिल गिरने को लेकर निंदा प्रस्ताव ला सकती है, तो कांग्रेस मौजूदा स्थिति में ही महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का संकल्प पत्र सदन में पेश कर सकती है। भाजपा और कांग्रेस ने इस पर चर्चा के लिए अपनी महिला विधायकों को जिम्मेदारी सौंपी है। विधानसभा से मिली जानकारी के अनुसार मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव महिला आरक्षण पर शासकीय संकल्प प्रस्तुत करेंगे। इसमें संसद व सभी विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण, परिसीमन की प्रक्रिया पूरी कर लागू करने की बात कही जाएगी।

कोटा में पार्वती, कालीसिंध, चंबल प्रोजेक्ट पर बोले मुख्यमंत्री

पीकेसी परियोजना से खुलेंगे आर्थिक समृद्धि के द्वार: सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा है कि पार्वती, कालीसिंध, चंबल परियोजना से मध्यप्रदेश और राजस्थान के लिए आर्थिक समृद्धि के द्वारा खुलेंगे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार किसानों के हितों के लिए लगातार काम कर रही है। सीएम रविवार को राजस्थान के कोटा जिले के प्रवास पर थे। जहां उन्होंने सामूहिक विवाह सम्मेलन में भाग लिया। इस सम्मेलन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला भी मौजूद रहे।

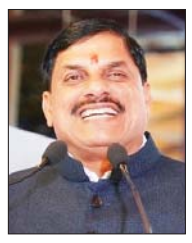

मुख्यमंत्री ने कहा कि चंबल मैया का आशीर्वाद मध्यप्रदेश और राजस्थान दोनों प्रांतों को मिल रहा है। हमारा प्रदेश अनेक नदियों के उद्गम के कारण नदियों का मायका है। मध्यप्रदेश और राजस्थान जोड़ीदार प्रदेश हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आशीर्वाद से स्वीकृत पार्वती-कालीसिंध-चंबल अंतरराज्यीय परियोजना से मध्यप्रदेश और राजस्थान लाभान्वित होंगे। उन्होंने कहा कि 16 संस्कारों में पाणिग्रहण संस्कार शामिल है। विवाह ही कुल और गोत्र को आगे बढ़ाते हुए अमरता देते हैं। विवाह से जीवन साथी के साथ बेटियों को नए माता- पिता मिलते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने भी अपने बेटे का विवाह सादगी पूर्वक किया था। परिवारों को खर्चीले विवाहों के कारण आर्थिक कष्ट उठाने होते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने समाज का मार्गदर्शन किया। धर्म मार्ग पर चलने की सभी को प्रेरणा दी। अनेक कष्ट सहते हुए उनका जीवन एक उदाहरण बना। भगवान श्री कृष्ण ने लोकतंत्र की स्थापना का उदाहरण दिया था, जब कंस के वध के पश्चात स्वयं सत्ता नहीं संभाली। वे लोकतंत्र के सच्चे नायक थे। उन्होंने धर्म के मार्ग पर चलने की शिक्षा दी। मध्यप्रदेश सरकार श्रीकृष्ण पाथेय का विकास कर रही है।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि आज यदुवंशी समाज के युवा उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने दायित्व निर्वहन के लिए गंभीर हैं। समाज के युवा सेना में शामिल होकर सीमा की रक्षा कर रहे हैं। बिरला ने कहा कि यह निश्चित ही प्रशंसनीय है कि यदुवंशी समाज वर्तमान सामाजिक आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य कर रहा है। निःशुल्क विवाह समारोह का लाभ युवाओं को मिल रहा है।

राजस्थान के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि सामूहिक विवाह सम्मेलन जैसे आयोजन समाज में व्याप्त गरीबी और अमीरी की खाई को पाटने का कार्य करते हैं। राजस्थान के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने कहा कि आज सर्व समाज को साथ लेकर चलने की आवश्यकता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव समाज के गौरव हैं। राजस्थान के विधायक महंत बाबा बालक नाथ ने कहा कि योगेश्वर श्री कृष्ण ने यदुवंशी कुल में जन्म लेकर पूरे समाज को धन्य किया। इस सामूहिक विवाह सम्मेलन में गरीब और पिछड़ा वर्ग के परिवारों को शामिल कर उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है।

तकनीक संयुक्त अरब अमीरात की ऐतिहासिक पहल, प्रशासन में आएगा बड़ा बदलाव

2028 तक यूएई में एआई करेगा आधा काम

दुबई, जेएनएन। तकनीक और प्रशासन के मेल से शासन को पूरी तरह बदल देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए संयुक्त अरब अमीरात ने ऐलान किया है कि वह 2028 तक अपने 50 फीसदी सरकारी कामकाज को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के हवाले कर देगा। अगर यह योजना सफल होती है, तो यूएई दुनिया का पहला ऐसा देश बन जाएगा जहां आधा सरकारी काम 'एजेंटिक एआई' द्वारा संचालित होगा।

यह पहल केवल एक तकनीकी अपग्रेड नहीं, बल्कि शासन प्रणाली में एक क्रांतिकारी बदलाव के रूप में देखी जा रही है, जहां एआई सिर्फ सहायक नहीं, बल्कि निर्णय और कार्यान्वयन में भागीदार बनेगा। हालांकि इससे चुनौतियां भी जुड़ी हैं, जिनमें डेटा सुरक्षा, नौकरी पर असर, तकनीकी निर्भरता और नैतिक सवाल शामिल हैं।

क्या है एजेंटिक एआई और कैसे करेगा काम?

आमतौर पर एआई सवालों के जवाब देने, डेटा विश्लेषण या सुझाव देने के लिए इस्तेमाल किये जाते हैं। 'एजेंटिक एआई' इससे एक कदम आगे है। यह ऐसा बुद्धिमान सिस्टम है, जो सलाह के साथ खुद काम को अंजाम देता है। यह लगातार सीखता है, कार्यक्षमता सुधारता है।

- किसी नागरिक को लाइसेंस बनवाना है, तो उसे अलग-अलग पोर्टल्स पर जाने की जरूरत नहीं होगी
- एआई खुद जरूरी दस्तावेज जुटाकर, प्रक्रिया पूरी कर देगा
- इस तरह एआई एक 'डिजिटल क्लर्क' नहीं बल्कि 'डिजिटल अधिकारी' की भूमिका निभाएगा।

आम नागरिकों का फायदा

इस बदलाव का सबसे बड़ा लाभ सीधे नागरिकों को मिलने वाला है। उन्हें सीधे परिणाम मिलेगा। वर्तमान में सरकारी सेवाओं के लिए लोगों को कई चरणों से गुजरना पड़ता है–फॉर्म भरना, दस्तावेज अपलोड करना, प्रक्रिया समझना और इंतजार करना।

संभावित फायदे

- **तेजी:** काम मिनटों में पूरा होगा, दिनों या हफ्तों में नहीं
- **सटीकता:** मानवीय गलतियों की संभावना कम होगी
- **सुविधा:** नागरिकों को सिस्टम समझने की जरूरत नहीं, सिस्टम खुद काम करेगा
- **कम लागत:** सरकारी खर्च में कमी आएगी
- **पारदर्शिता:** प्रक्रियाएं अधिक स्पष्ट और ट्रैक करने योग्य होंगी

इस तरह लागू होगी योजना

यूएई ने इस बड़े बदलाव के लिए चरणबद्ध रणनीति तैयार की है। इस पूरी योजना की निगरानी शेख मंसूर बिन जायद अल नाह्यान के नेतृत्व में की जा रही है।

योजना के प्रमुख चरण

- **डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करना:** डेटा सिस्टम, क्लाउड, साइबर सुरक्षा को अपग्रेड किया जाएगा
- **एआई सिस्टम का विकास और परीक्षण:** विभिन्न सरकारी सेवाओं में एआई मॉडल को लागू कर परीक्षण किया जाएगा
- **कर्मचारियों का प्रशिक्षण:** कर्मचारियों को एआई के साथ काम करने के लिए प्रशिक्षित किया जा रहा है
- **धीरे-धीरे ट्रांजिशन:** पहले कुछ सेवाओं में एआई लागू होगा, फिर धीरे-धीरे दायरा बढ़ाया जाएगा

मुंबई: रिया चक्रवर्ती के बैंक खाते अनफ्रीज किए गए

नई दिल्ली, जेएनएन। सुशांत सिंह राजपूत केस से जुड़े ड्रग्स मामले में रिया चक्रवर्ती और उनके परिवार को बड़ी राहत मिली है। मुंबई की एक विशेष अदालत ने उनके चार बैंक खातों को दोबारा शुरू करने का आदेश दिया है. अदालत ने कहा कि जांच एजेंसी एनसीबी जरूरी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करने में नाकाम रही, जिसकी वजह से अकाउंट्स अब और बंद नहीं रखे जा सकते। रिया के साथ फैमिली मेंबर्स के बैंक अकाउंट्स भी अनफ्रीज किए गए हैं। रिया के साथ उनके भाई शौविक और उनकी मां संध्या चक्रवर्ती के बैंक खातों को दोबारा शुरू करने की अनुमति दी। आवेदकों की दलील थी कि एनसीबी ने एनडीपीएस की धारा 68एफ के प्रावधानों का पालन नहीं किया, जिसकी वजह से उनके बैंक खातों को फ्रीज करना पूरी तरह से गैरकानूनी था।

जागरण रीवा

रीवा, 27 अप्रैल 2026

www.dainikjagranmpcg.com

घर में हारी सीएसके, गुजरात जीत के साथ 5वें नंबर पर (पेज : 11)

ज्येष्ठ अधिकमास 17 मई से 15 जून तक, मांगलिक कार्यों पर लगेगी रोक

मंदिरों में होंगे अनुष्ठान जप, व्रत और दान करना श्रेष्ठ

रक्षाबंधन 28 अगस्त को, दशहरा 20 अक्टूबर को, दीपावली 8 नवंबर को आएगी

जागरण,रीवा। पंचांग की गणना के अनुसार वर्ष 2026 में ज्योठ अधिकमास का संयोग बन रहा है। ज्येष्ठ मास का आरंभ 2 मई को होगा व समापन 20 जून को यह सावित्री पूर्णिमा के दिन होगा। दो माह की इस अवधि में 17 मई से 15 जून तक एक माह अधिकमास का पर्वकाल रहेगा। ज्योतिष शास्त्र में अधिक मास को विवाह, गृह प्रवेश, देव प्रतिष्ठाए मुंडन संस्कार आदि प्रकार के मांगलिक कार्यों के लिए मान्यता नाहीं दी गई है लेकिन अधिक मास में यज्ञ अनुष्ठान, जप, खत और दान करना श्रेष्ठ माना गया है। भगवान विष्णु ने इसे अपना नाम पुरुषोत्तम मास दिया है,

इसलिए या महीना केवल अध्यात्मिक कार्यों के लिए आरक्षित होता है। इस महीने में भागवत कथा सुनना बहुत फलदायी रहता है। यही कारण है कि सबसे ज्यादक कथाएं अधिक मास में कराई जाती है।

अधिक मास से हर त्योहार करीब 19 दिन देरी से

ज्येष्ठ अधिक मास के कारण हिंदू वर्ष 2083 अब 13 महीनों का रहेगा, जिससे रक्षाबंधन और दीपावली जैसे त्योहार भी करीब 19 दिन की देरी से आएंगे। बीते साल जिस तारीख दीपावली पड़ती है, उसमें 19 जोड़ने पर आगामी दीपावली की तारीख का पता चला है। अधिक अधिक मास में भी जगह-जगह कथाएं होंगी। अधिक मास के चलते इस साल त्योहारों का कैलेंडर भी बदल गया है। रक्षाबंधन पर्व अगस्त के अंतिम सप्ताह में 28 तारीख को आएगा, वहीं दीपावली 8 नवंबर को मनाई जाएगी, जो बीते साल अक्टूबर में मनाई गई थी। इसके अलावा गणेश चतुर्थी 14 सितंबर और दशहरा 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा।

नहीं होंगे मांगलिक कार्य

7 मई से 15 जून तक विवाह जैसे मांगलिक कार्य वर्जित रहेंगे। सूर्य और चंद्रमा के बीच समय चक्र का अंतर संतुलित करने हर 32-33 महीने में यह अतिरिक्त महीना जुड़ता है, जो अधिक मास कहलाता हैं। यह समय भौतिका सुखों (शादी-ब्याह) के बजाय परोपकार के लिए है। इस दौरान दान-पुण्य करना चाहिए। बताया गया कि सौर वर्ष लगभग 365.25 दिन का एवं बंद वर्ष लगभग 354.37 दिन का होता है। इस प्रकार चंद्र वर्ष सौर वर्ष से करीब 11 दिन छोटा हो जाता है। 3 वर्ष में 11-11 दिन घटते-घटते 33 दिन घट जाते हैं। इसलिए सूर्य संक्रांतियों के समानांतर आने के लिए प्रत्येक तीसरे वर्ष में एक अधिक चंद्र मास जोड़ना पड़ता है। इसी क्रम के चलते अधिक ज्येष्ठ मास की निष्पत्ति हो रही है, जिसका समय 17 मई से 15 जून तक का रहेगा।

समय से पूर्व कैमिकल से पके आम बिक रहे खुलेआम

दाम आसमान पर, जिसे खरीद पाना आम आदमी के बस में नहीं, सौ से डेढ़ सौ रुपए किलो बेच रहे

जागरण, रीवा। आमा पकने के सीजन से पूर्व ही शहर में पके आमों की बहार देखने को मिल रही है, जगह-जगह विभिन्न प्रजाति के पके आम की दुकानें सजने के साथ ही ठेले लगाए जा रहे हैं, फिलहाल बाजार में बिक रहे इन आमों को खरीद पाना आम आदमी के बस में नहीं, सौ से डेढ़ सौ रुपए किलो तक बेचे जा रहे इन आमों में न तो स्वाद है न ही स्वास्थ्य के लिए लाभदायक। जानकारों की मानें तो रासायनिक पदार्थ व केमिकल डालकर पकाए गए इन आमों को खाने से लोगों की सेहत बिगड़ रही है। फिर भी कई लोग आम खरीदकर ले जा रहे हैं। केमिकल डालकर पकाए गए खुलेआम बिक रहे इन आमों के खाद्य विभाग द्वारा सैंपल नहीं लिए जा रहे न ही इन पर किसी प्रकार की कार्यवाही की जा रही है। खाद्य विभाग की इस लापरवाही का भरपूर लाभ कैमिकल से पकाए आम सहित अन्य फल बेचने वाले व्यापारी उठा रहे हैं।

क्षतिग्रस्त बायपास पुल का सुधार कार्य 15 दिन में पूर्ण करें : उप मुख्यमंत्री

महानगर की तर्ज पर संवरेगी यातायात व्यवस्था, भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार होगा रोडमैप

नवीन सर्किट हाउस सभागार में उप मुख्यमंत्री ने की रीवा की यातायात व्यवस्था की समीक्षा

जागरण, रीवा। बायपास में बीहर नदी के क्षतिग्रस्त पुराने पुल के मरम्मत में हो रही देरी चिंता व्यक्त करते हुए उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने नवीन सर्किट हाउस सभागार में आयोजित बैठक में कहा कि क्षतिग्रस्त बायपास मार्ग में पुल के सुधार का कार्य 15 दिन में अनिवार्य रूप से पूरा कराएं। बैठक में उप मुख्यमंत्री ने निर्माण एजेंसी से बायपास मार्ग पर स्थित पुल के मरम्मत कार्य की विस्तृत जानकारी ली और जल्द से जल्द मरम्मत का कार्य पूरा कराने के निर्देश दिये। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि 15 दिनों के भीतर पुल के सुधार का कार्य अनिवार्य रूप से पूरा कराएं। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि पुल से आवागमन बाधित होने के कारण शहर के भीतरी मार्गों पर भारी वाहनों का दबाव बढ़ गया है, जिससे आमजन को भारी जाम का सामना करना पड़ रहा है। वर्तमान में वैवाहिक सीजन के कारण रात्रि में सड़कों पर बढ़ती चहल-पहल को देखते हुए उन्होंने बायपास रोड के चौड़ीकरण कार्य को भी निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि शहर को जाम मुक्त बनाने के लिए यातायात बाधित करने वाले तत्वों पर वैधानिक कार्यवाही करें। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध निरंतर चालानी कार्यवाही जारी रखें। शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्रों में पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए ठोस कार्ययोजना लागू करें। यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के लिए उप मुख्यमंत्री ने शहर में ऑटो रिक्शा के लिए सुनियोजित पार्किंग स्थलों का चिन्हांकन करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा एक तेजी से उभरता हुआ महानगर है, अतः यहाँ की व्यवस्थाएं आधुनिक और भविष्य की आवश्यकताओं के दृष्टिगत होनी चाहिए। श्री शुक्ल ने प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों को फील्ड पर सक्रिय होने तथा वास्तविक समस्याओं का निरीक्षण कर उनका त्वरित समाधान सुनिश्चित करने को कहा। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जनता को सुगम और निर्बाध यातायात उपलब्ध कराना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि रीवा संभाग मध्यप्रदेश का ऐसा पहला संभाग बनने जा रहा है, जहाँ रिंग रोड और बुनियादी ढांचे का कार्य रिकॉर्ड समय में पूरा होने जा रहा है। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों की गुणवत्ता और गति में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। समीक्षा बैठक में रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद, आईजी गौरव राजपूत, पुलिस अधीक्षक शैलेंद्र सिंह चौहान, नगर निगम आयुक्त अक्षत जैन, एडीएम सपना त्रिपाठी, उप मुख्यमंत्री के सहयोगी राजीव पांडेय, सहित लोक निर्माण विभाग और संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जिले के लोग जनगणना-2027 में नहीं दिखा रहे रुचि

प्रदेश में रीवा का 38वां स्थान संभाग में सिंगरौली प्रथम स्थान पर

मऊगंज और सीधी की हालत खराब प्रदेश में कई जिले बहुत आगे

जागरण,रीवा

जनगणना-2027 के प्रथम चरण के तहत स्व-गणना प्रक्रिया में रीवा जिले के लोगों में फिलहाल कम जागरुकता दिख रही है, शायद यही वजह भी है कि अब तक रीवा प्रदेश में निचले पायदान पर ही है। स्व-गणना की प्रक्रिया में भाग लेने और फॉर्म को शत-प्रतिशत भरने में रीवा जिला प्रदेश में 38वें स्थान पर पहुंच गया है, जबकि संभाग के 6 जिलों में शीर्ष 3 पर है। स्व-गणना के मामले में मऊगंज जिला प्रदेश में सबसे नीचे पायदान 55वें नंबर पर है। सिंगरौली संभाग में प्रथम स्थान पर है। स्व-गणना की प्रक्रिया 30 अप्रैल तक चलेगी। इसके बाद 1 मई से 30 मई तक प्रगणकों के माध्यम से मकान सूचीकरण व मकानों की गणना का कार्य शुरू किया जाएगा। रीवा जिले में 2867 लोग स्व गणना प्रक्रिया में भाग लिया है, जिसमें 2037 लोगों ने प्रक्रिया को पूरा किया है, 8,830 लोग नहीं भर पाए। जबकि प्रदेश में पहले स्थान मंदसौर का है, यहां 46639 लोगों ने स्वगणना फार्म भरा है, 3577 लोगों ने प्रक्रिया को पूरा नहीं किया।

ऐसे कर सकते हैं स्वगणना

- **पोर्टल लॉगिन:** सबसे पहले वेबसाइट पर जाएं।

यहां अपने राज्य मप्र का चयन करें और कैप्चर कोड भरकर लॉगइन करें।

- **परिवार पंजीकरण:** परिवार के मुखिया का नाम और 10 अंकों का मोबाइल नंबर दर्ज करें। यहां ई-मेल आईडी वैकल्पिक है।
- **भाषा चयन व ओटीपी:** भाषा चुनें और पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त ओटीपी दर्ज करें। चयनित भाषा को बाद में बदला नहीं जा सकता है।
- **स्थान का विवरण :** अपने जिले, तहसील, गांव, नगर और वार्ड व मोहल्ला जैसी भौगोलिक जानकारी दर्ज करें।
- **मानचित्र पर निवास स्थान :** पोर्टल पर दिए गए मानचित्र पर लाल मार्क पॉइंटर को ड्रग करके अपने घर के सटीक स्थान को चिह्नित कर पुष्टि करें।
- **प्रश्न पूर्ण करना:** मकान सूचीकरण और मकान गणना से संबंधित सभी प्रश्नों के उत्तर सावधानी पूर्वक भरें।
- **समीक्षा :** फॉर्म सबमिट करने से पहले दर्ज की गई सभी जानकारी की जांच लें। यदि कोई सुधार आवश्यक हो, तो उसे इसी चरण मैं कर लें।
- 8. अंतिम प्रस्तुतिकरण: सबमिट करें बटन पर क्लिक करके अपने डेटा को अंतिम प्रस्तुतिकरण करें। सबमिट करने के बाद डेटा में किसी भी प्रकार का संशोधन नहीं होगा।
- **पहचान संख्या :** सफल सबमिशन के बाद 11 अंकों की एक विशिष्ट स्व-गणना पहचान संख्या जनरेट होगी, यह आइडी मोबाइल पर एसएमएस से भेजी जाएगी।
- **प्रगणक को दिखाएं :** जब जनगणना प्रगणक आपके घर आएंगे, तो उन्हें अपनी 11 अंकों की स्व-गणना पहचान संख्या दिखाएं।

प्रदेश के टॉप 5 जिले

रैंक	जिला	कुल शामिल	पूर्ण प्रक्रिया	अधूरी
1	मंदसौर	50216	44639	3577
2	रायसेन	35876	33743	2133
3	राजगढ़	28594	26731	1863
4	सिवनी	20174	18610	1564
5	छिंदवाड़ा	16319	14646	1673

संभाग में यह हैं स्थिति

रैंक	जिला	कुल शामिल	पूर्ण प्रक्रिया	अधूरी
25	सिंगरौली	4482	3894	588
36	सतना	2740	2198	542
38	रीवा	2867	2037	830
39	मैहर	2232	1860	372
53	सीधी	861	638	223
55	मऊगंज	465	343	122

फटे गद्दे, चादर पर सोने को मजबूर एसजीएमएच आने वाले मरीज

जागरण, रीवा। संजय गांधी अस्पताल आने वाले मरीजों को वार्ड में फटे गद्दे व चादरों पर भर्ती किया जा रहा है, कई गद्दों की हालत तो ये है कि बीच से गद्दा ही नदारद है, उसके ऊपर चादर बिछाकर यहां आने वाले मरीजों को भर्ती कर दिया जाता है। कई बेड तो बिना चादर के ही लगे हैं, जिन पर मरीज भी भर्ती हैं, कुछ गद्दे तो काफी पुराने हैं, जो बीच में से तो ठीक चारों कोने से फटे पड़े हैं। यानी इतने बड़े अस्पताल में आने वाले मरीजों को लेटने के लिए भी पर्याप्त सुविधाओं का अभाव है। जबकि स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर प्रतिमाह करोड़ों, अरबों रुपया पानी की भांति बहाया जा रहा है, परन्तु इसका लाभ मरीजों को नहीं मिल रहा कुल मिलाकर स्वास्थ्य सेवाएं कागजों पर ही संचालित हो रही हैं। इतना ही नहीं, यहां लगे पलंगों की हालत भी खस्ता है, शासन के नियमानुसार प्रत्येक माह पलंगों की साफ-सफाई की जाना है, प्रति छः माह में पलंगों में रंगरोगन किया जाना है, चादरों की समय-समय पर धुलाई करने और गद्दों की भी देखरेख कर फट चुके गद्दों को बदलने का प्रावधान है, किन्तु लगता है संजय गांधी अस्पताल में उक्त नियमों का पालन लंबे समय से नहीं किया जा रहा। कई बार यहां जांच करने वरिष्ठ अधिकारी भी पहुंचते हैं, किन्तु उन्हें भी ये अनियमितता दिखाई नहीं दी।

सड़क तक जमा रखी हैं लोहे की पेटी-अलमारियां

जागरण, रीवा। काफी समय से अमहिया रोड के चौड़ीकरण को लेकर नगर निगम प्रशासन द्वारा यहा से अतिक्रमण हटाए जाने की कवायद की जा रही है, कुछ लोगो ने स्वैच्छा से अपने कब्जे हटा लिए हैं तो कोई दुकान की मांग कर धरना दे रहा है, अस्पताल चौराहे से अमहिया की ओर जाने वाली सड़क पर भी दुकानदारों ने सड़क पर अपना सामान जमा रखा है, जबकि उक्त सड़क से अतिक्रमण हटाए जाने सर्वे हो चुका है, दुकानदारों को हिदायत भी दी जा चुकी है, किन्तु दुकानदार कब्जा हटाने को तैयार नहीं। नवागत निगम आयुक्त ने भी अमहिया रोड का निरीक्षण कर दुकानदारों को सड़क से अवैध कब्जार हटाने की हिदायत दी है, किन्तु दुकानदार टस से मस नहीं हो रहे। अमहिया क्षेत्र से अतिक्रमण हटाए जाने में इतना लंबा लगने के साथ ही कब्जेधारियों के विरोध करने के चलते समय तेजी से गुजरता जा रहा है और निगम भी कब्जा हटाने कड़ाई नहीं दिखा रहा, इस लेटलतीफी से अन्य क्षेत्र के कब्जेधारियों को भी शह मिलेगी और जब उन क्षेत्रों का अतिक्रमण हटाने की बारी आएगी तो वे भी अमहिया रोड के कब्जेधारियों की भांति विरोध करने पर उतारू हो जाएंगे। जिन दुकानदारों ने स्वैच्छा से अपना कब्जा हटाया है उनका कहना है कि निगम प्रशासन को शहर के हित को देखते हुए कड़ाई बरतने की आवश्यकता है।

पेयजल एवं सीवरेज निर्माण कार्य समय सीमा में पूरा करने उप मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

सीवरेज पाइपलाइन बिछाने के कार्य की प्रगति पर डिप्टी सीएम राजेन्द्र शुक्ल ने जताया असंतोष

जागरण, रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने सर्किट हाउस में आयोजित बैठक में रीवा नगर निगम द्वारा किए जा रहे पेयजल एवं सीवरेज निर्माण कार्यों की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता एवं निर्धारित समयसीमा के पालन को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने कहा कि पेयजल एवं सीवरेज जैसी आधारभूत सुविधाएं आमजन के जीवन से सीधे जुड़ी होती हैं। इसलिए इन कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या विलंब बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने निर्माण एजेंसियों के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी निर्माण कार्यों को तय समयसीमा में पूरा करें तथा कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए नियमित मॉनिटरिंग करें। पेयजल की पाइपलाइन और सीवरेज लाइन निर्माण की कठिनाइयों को आपसी समन्वय से दूर करें। हर घर को पर्याप्त और साफ पानी देना आवश्यक है। उन्होंने यह कहा कि निर्माण कार्यों के कारण कोई पेयजल की पाइपललाइन क्षतिग्रस्त न हो। शहर में निर्माण कार्य करने वाले विभिन्न विभाग और निर्माण एजेंसियाँ, नगर निगम से समन्वय बनाकर निर्माण कार्य करें जिससे पूर्व से निर्मित संरचनाओं को किसी तरह का नुकसान न हो। जयंती कुंज, बाबा घाट, बिछिया और विवेकानंद वार्ड में निर्मित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांटों का शीघ्र पूरा कर लोकार्पण कराएं। सीवरेज लाइन के निर्माण के लिए खुदाई का कार्य जहाँ तक संभव हो मैन्युअल कराने का प्रयास करें। मशीनों से खुदाई करने पर ही पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होती है। उप मुख्यमंत्री ने सीवरेज पाइपलाइन बिछाने के कार्य की वर्तमान प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए निर्माण एजेंसियों को मैनपावर बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण के कारण खुदी हुई सड़कों का तत्काल डामरीकरण और मरम्मत सुनिश्चित की जाए ताकि आवागमन बाधित न हो। अमृत योजना के अंतर्गत शहर के प्रत्येक वार्ड में शुद्ध पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु पाइपलाइन विस्तार और जल शोधन संयंत्रों की कार्यक्षमता की समीक्षा की गई। उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम को देखते हुए जलापूर्ति में कोई व्यवधान नहीं आना चाहिए। बैठक में शुक्ल ने यह भी कहा कि निर्माण कार्यों के दौरान आमजन को कम से कम असुविधा हो, इसका विशेष ध्यान रखें। जहां-जहां सड़कों की खुदाई की गई है, वहां शीघ्रता से मरम्मत कार्य पूर्ण कर यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाएं। उन्होंने जलापूर्ति व्यवस्था को निर्बाध बनाए रखने तथा सीवरेज लाइन बिछाने के कार्य में तकनीकी मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि कार्यों की प्रगति की नियमित समीक्षा की जाए और किसी भी प्रकार की समस्या आने पर तत्काल समाधान किया जाए। किसी भी तरह की कठिनाई होने पर संबंधित अधिकारी और निर्माण एजेंसी तत्काल वस्तुस्थिति से अवगत कराएं।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को तत्काल लागू करने की मांग

रीवा। नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण बिल), जो वर्ष 2023 में कानून का रूप ले चुका है, उसे तत्काल प्रभाव से लागू किए जाने की मांग को लेकर देशभर की महिलाएं अब सक्रिय रूप से सामने आ रही हैं। इसी क्रम में महिलाओं द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम पोस्टकार्ड भेजकर अपनी मांग को प्रकट करने का अभियान प्रारंभ किया गया है। इसी अभियान के अंतर्गत मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी महिला कांग्रेस की प्रदेश महासचिव कविता पांडे, शहर अध्यक्ष तारा त्रिपाठी, प्रदेश सचिव प्राची शुक्ला, किरण जी खुतेजा एवं शबनम बानो सहित अन्य महिलाओं ने प्रमुख डाकघर, सिरमोर चौराहा पहुंचकर प्रधानमंत्री आवास, नई दिल्ली के पते पर महिला आरक्षण बिल को तत्काल लागू किए जाने की मांग को लेकर पोस्टकार्ड प्रेषित किए। महिला नेताओं ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम को पारित हुए काफी समय हो चुका है, लेकिन अब तक इसे लागू नहीं किया गया है, जिससे देश की महिलाओं में निराशा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को उनके अधिकार और राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए इस कानून को शीघ्र लागू किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

सफलतापूर्वक किया गया विंध्य का पहला पीडियाट्रिक कार्डियक प्रोसीजर

सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के चिकित्सको को मिली एक और उपलब्धि

जागरण,रीवा। विंध्य क्षेत्र में चिकित्सा के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि मिली है। रीवा के सुपरस्पेशलिटी अस्पताल के कार्डियोलॉजी विभाग के प्रोफेसर डॉ. एस.के. त्रिपाठी ने एक 6 वर्षीय बालिका के हृदय के जन्मजात दोष को सफलतापूर्वक बंद कर क्षेत्र का पहला बाल चिकित्सा (पीडियाट्रिक) कार्डियक प्रोसीजर संपन्न किया है । पन्ना की निवासी छः वर्षीय नायरा बानो जन्म से ही हृदय में छेद की समस्या से जूझ रही थी, जिसके कारण उसका वजन नहीं बढ़ रहा था और वह बार-बार बीमार पड़ने के साथ जल्दी थक जाती थी। कई स्थानों पर भटकने के बाद जब परिजन सुपरस्पेशलिटी अस्पताल रीवा पहुँचे, तब डॉ. त्रिपाठी ने परीक्षण और इकोकार्डियोग्राफी के माध्यम से दो बड़ी नसों के बीच असामान्य कनेक्शन की पहचान की अस्पताल के लिए यह एक चुनौतीपूर्ण कार्य था क्योंकि यहाँ पहले बच्चों के हृदय से जुड़ी ऐसी जटिल प्रक्रियाएं नहीं की गई थीं। डॉ. त्रिपाठी ने अपनी कुशल टीम, जिसमें एनेस्थेटिस्ट डॉ. लाल प्रवीण, कैथ टेक्नीशियन और नर्सिंग स्टाफ शामिल थे, की सहायता से बिना किसी जटिलता के इस छेद को बंद कर दिया । इस सफलता पर डॉ. त्रिपाठी ने इसे पूरी टीम की सामूहिक मेहनत का परिणाम बताया और कहा कि अब विंध्य के बच्चों को उच्च स्तरीय हृदय उपचार स्थानीय स्तर पर ही मिल सकेगा। अधीक्षक डॉ. अक्षय श्रीवास्तव और अधिष्ठाता डॉ. सुनील अग्रवाल ने जानकारी दी कि बच्ची का यह पूरा इलाज आयुष्मान भारत योजना के तहत पूरी तरह निःशुल्क किया गया है। इस अभूतपूर्व सफलता को प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल की रीवा को मेडिकल हब बनाने की दूरगामी सोच का परिणाम माना जा रहा है। इस उपलब्धि के बाद अब विंध्य क्षेत्र के मरीजों को महंगे इलाज के लिए बाहर जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। प्रोसीजर के बाद अब बालिका नायरा पूरी तरह स्वस्थ है और सामान्य जीवन जी रही है।

दैनिक जागरण
रीवा, 27 अप्रैल, 2026
www.dainikjagranmpcg.com

रीवा जागरण

शहर का तापमान/मौसम
अधिकतम 43.0°c न्यूनतम 29.0°c
जिले भर में तेज धूप के साथ लू चलने की संभावना

•11• राज्य •31• संस्करण
मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखंड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखंड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

16 माह से पेंशन के लिए भटक रहीं शिवराज कुमारी

रीवा। बेवा शिवराज कुमारी सिंह निवासी ग्राम पोस्ट इटमा तहसील जवा ने मुख्यमंत्री एवं कलेक्टर से गुहार लगाते हुए कहा कि उनके पति बलिराज सिंह की मृत्यु 14 जनवरी 2025 को हो गई थी जो जवा जनपद कार्यालय में बाबू के पद पर पदस्थ थे। उनकी मृत्यु के 16 माह हो चुके हैं लेकिन अभी तक बेवा शिवराज कुमारी सिंह को पेंशन की एक भी किस्त नसीब नहीं हुई है। बेवा शिवराज कुमारी का कहना है कि वह लगातार साल भर से संभागीय पेंशन अधिकारी एवं जिला कोषालय अधिकारी रीवा तथा यूनियन बैंक ऑफ़ इंडिया शाखा अतरैला के चक्कर काट रही है तथा सभी को परिवार पेंशन भुगतान किए जाने लिखित में आवेदन भी दे चुकी हैं लेकिन आज तक पेंशन का भुगतान नहीं किया गया। 72 वर्षीय शिवराज कुमारी सिंह का कहना है कि पेंशन न मिलने से वह आर्थिक शारीरिक मानसिक रूप से परेशान हो चुकी हैं।

शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
कामता सोनोग्राफी सेन्टर
(अल्ट्रासाउण्ड)
डॉ. रश्मी शुक्ला
M.D. (Radio Diagnosis) G.S.V.M. Medical College Kanpur
Ex. J.R. AIIMS New Delhi
Ex. Consultant Radiologist Alpha Imaging & MRI Kanpur
Ex. Consultant Radiologist Noble Hospital Kanpur
ए-ब्लॉक, समदड़िया सेन्टर प्वाइन्ट, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.) 07662-451599,9399312433

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपक पटेल का हुआ सम्मान

रीवा। रीवा युनाइटेड शोतोकान कराते एसोशियेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाये जाने पर मार्शल आर्ट एकाडमी रीवा के तत्वावधान में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया जिसमें रीवा के कराते खिलाड़ी एवं मार्शल आर्ट एकादमी के सदस्यो द्वारा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपक पटेल का सम्मान किया गया। इस अवसर पर रमेश चौरसिया सचिव फुनाकोशी सोतोकान कराते कौशलेन्द्र पाण्डेय कोषाध्यक्ष मार्शल आर्ट एकाडमी रीवा, डॉ कौशलेन्द्र मणि त्रिपाठी कराते अध्यक्ष, राहुल कुशवाहा, सहसचिव सोतोकान रीवा कराते कोच हाशिम अन्सारी, आलिम अंसारी, अंकित पटेल, संगम पटेल, अनिकेत करौसिया, राकेश विश्वकर्मा, विमला कुशवाहा, रजना कुशवाहा, निधि सिंह गौतम, कविता यादव, कराते कोच राखी बंसल, सपना तिवारी, निधी सोधिया, शिवानी भण्डारी की उपस्थित उल्लेखनीय रही।

मैहर से अचानक रीवा पहुंच गए अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य

गोविंदगढ़ सीएचसी में किया औचक निरीक्षण, देखी व्यवस्थाएं

आज समीक्षा बैठक भी होगी, शामिल हो सकते हैं स्वास्थ्य आयुक्त

जागरण, रीवा

जिले की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लेने अचानक रविवार को स्वास्थ्य विभाग मप्र शासन के अपर मुख्य सचिव अशोक बर्नवाल रीवा पहुंच गए। वह मैहर दौरे पर थे कि अचानक वह रीवा पहुंच गए और जब इस बात की जानकारी अधिकारियों को हुई तो उनके होश ही उड़ गए। अपर मुख्य सचिव रीवा पहुंचने के बाद सीधे ग्रामीण स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेने समुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गोविंदगढ़ पहुंच गए। अपर मुख्य सचिव ने स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त की गई। इस दौरान मुख्य खण्ड चिकित्सा अधिकारी द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोविंदगढ़ में चिकित्सकों की कमी की समस्या से भी अवगत कराया गया। अपर मुख्य सचिव ने संबंधित विषय पर आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए तथा व्यवस्थाओं में सुधार हेतु सुझाव दिए। निरीक्षण के दौरान उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए। इस अवसर पर क्षेत्रीय संचालक डॉ.सत्यभामा अवधिया,

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.यत्नेश त्रिपाठी, बीएमओ डॉ.सुधाकर पांडेय सहित डीएचओ, डीटीओ सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

आज करेंगे समीक्षा बैठक

बता दें कि आज अपर मुख्य सचिव स्वास्थ्य सेवाएं अशोक बर्नवाल समीक्षा बैठक भी लेंगे, जिसमें उनके द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही उनके द्वारा एसजीएमएच व सुपर स्पेशलिटी अस्पताल सहित ग्रामीण अंचल के स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण किया जाएगा। वहीं चर्चा है कि आयुक्त स्वास्थ्य सेवाएं भी बैठक में शामिल होने रीवा पहुंच सकते हैं। वह भी बैठक में शामिल हो सकते है।

तरह-तरह की हो रहीं चर्चाएं

बता दें कि अपर मुख्य सचिव के आने की जानकारी जैसे ही स्वास्थ्य विशेषज्ञों को हुई उनके बीच-बीच तरह-तरह की चर्चाएं शुरू हो गई। कहा जा रहा है कि अचानक इस प्रकार से औचक निरीक्षण बिना वजह नहीं हो सकता, किसी बड़े बदलाव को लेकर भी यह निरीक्षण किया जा रहा है। हालांकि विभागीय अधिकारी इसे विभागीय प्रक्रिया बता रहे हैं, कहा जा रहा है कि प्रदेश भर में स्वास्थ्य सुविधाओं का अधिकारी जायजा ले रहे हैं। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर लगातार समीक्षा कर रहे हैं। बीते कुछ माह में स्वास्थ्य सुविधाओं में लापरवाही के कई मामले सामने आए हैं।

आदेश तक सिमटकर रह गई फर्जी क्लीनिकों की जांच

रीवा। जिले में फर्जी झोला छाप कथित डॉक्टरों की जांच सिर्फआदेश तक सिमटकर रह गई है। जांच को लेकर शासन सहित कलेक्टर द्वारा आदेश जारी करने के बाद दो माह का वक्त हो रहा है लेकिन अब तक विभागीय तौर पर कितनी क्लीनिकों की जांच की गई है, इसका खुलासा नहीं किया जा सका है। बीच में कुछ नर्सिंग होमो तक टीम जरूर पहुंची लेकिन इसकी भी जानकारी संबंधित अधिकारी नहीं दे पाए। हलांकि लोगों की जान के साथ खिलवाड़ करने वाले कथित डॉक्टरों पर कार्रवाई करने के लिए भले ही प्रशासन के उच्च अधिकारियों ने एक्शन लिया हो और विभागीय अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई हो लेकिन जिले में कहीं पर भी जांच होने की खबर नहीं मिल रही है। कथित डॉक्टरों की क्लीनिकों की जांच को लेकर स्वास्थ्य विभाग गंभीर नजर नहीं हो रहा है। बतादें कि शहर के वार्डों के गली-कूचों समेत तहसील क्षेत्रों के ग्रामीण अंचलों में धड़ल्ले के साथ कथित झोला छाप डॉक्टरों द्वारा नियम विरुद्ध एलोपैथिक उपचार किया जाता आ रहा है, लेकिन कार्रवाई नहीं होने के कारण उनके हौसलें बुलंद है। इस मामले में विभागीय तौर पर पारदर्शिता के साथ जांच की जाती है तो जिले में बड़ी संख्या में बगैर डिग्री के कथित डॉक्टरों के नामों का खुलासा हो जाएगा जो अब तक लोगों की जान के साथ खिलवाड़ कर अपनी दुकानदारी चलाते आ रहे है। हलांकि विभाग के अफसरों को चाहिए कि वे इस संवेदनशील मामले में पारदर्शिता के साथ जांच पड़ताल करे।

कमाई का जरिया बनी मच्छर मारने की दवा

नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग में लाखों की दवा और केमिकल की हो रही खरीदी

जागरण, रीवा। शहर के नाले-नालियों की साफ-सफाई नहीं होने के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ता जा रहा है। नगर निगम के स्वास्थ्य विभाग द्वारा नाले-नालियों की साफ-सफाई और उन नाले-नालियों में पनप रहे मच्छरों को मारने के नाम पर लाखों रुपये खर्च किए जा रहे हैं। मच्छर मारने वाली दवा और केमिकल की खरीदी बड़े पैमाने पर की जा रही हैए लेकिन इस दवा का छिड़काव कहां हो रहा है, कोई बताने को तैयार ही नहीं है और यदि दवाई का छिड़काव हो भी रहा है तो उस दवा का असर कॉलोनियों में देखने को क्यों नहीं मिल रहा है। जब नगर निगम मुख्यालय में ही मच्छरों का आतंक बढ़ता जा रहा है तो शहर में क्या हालात होंगे, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। नगर निगम स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मच्छर मारने की दवा छिड़काव पर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहे हैं, जिसके कारण शहर में मच्छरजनित रोगों की भयावह स्थिति देखने को मिल सकती है।

दवा की खरीदी में घालमेल !

स्वास्थ्य विभाग नगर निगम के द्वारा मच्छर मारने की जितनी भी दवा की खरीदी होती है, उसमें ही घालमेल है। ठेका कंपनी मच्छर मारने की दवाई सप्लाई कर रही है या फिर मच्छर पैदा करने की दवाई दी जा रही है। क्योंकि शहर में मच्छर मारने की दवा का छिड़काव होने के बाद भी मच्छर भिनभिनाते रहते हैं। कानों में मच्छरों की आवाज कहीं भी खड़े होकर सुनी जा सकती है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों को इससे कोई सरोकार नहीं है।

नाले-नालियों की साफ-सफाई नहीं होने से बनी विकराल स्थिति

शहर का नाला गैंग गायब है, शहर के बड़े नाले की साफ-सफाई सहित छोटी नालियों की भी साफ-सफाई नहीं हो रही है। हाल ही में महापौर अजय मिश्रा बाबा का एक वीडियो भी वायरल हुआ जिसमें उन्होंने मौके पर निरीक्षण के दौरान सफाई न होने से नाराजगी व्यक्त की, इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि स्वास्थ्य विभाग किस प्रकार से जमीनी स्तर पर काम कर रहा है। हालांकि इसमें अधिकारियों को भी पूरी तरह से गलत नहीं कहा जा सकता, किसी प्रकार की कोई कार्यवाही की बात करने पर सभी सफाई कर्मचारी एक जुट होकर आंदोलन की बात करने लगते हैं और निगम पहुंचकर नारेबाजी करना शुरू कर देते हैं।

कई बीमारियों को जन्म देते हैं मच्छर

मच्छर के काटने से डेंगू, मलेरिया, चिकनगुनिया और फाइलेरिया जैसी खतरनाक बीमारियां होती हैं। इतना ही नहीं मच्छरों के काटने से तेज बुखार, जोड़ों में दर्द, थकान और त्वचा पर चकत्ते पड़ जाते हैं। ये बीमारियां मादा मच्छरों द्वारा संक्रमित व्यक्ति को काटने से फैलती हैं। इनसे बचने के लिए मच्छर मार दवा ही कारगर साबित हो सकती है लेकिन नगर निगम के द्वारा इस पर भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है।

तीखे हुए सूर्य के तेवर, चुभने लगी धूप, सूनी हुईं सड़कें

43 डिग्री तक पहुंचा अधिकतम तापमान, बीमारियों का बढ़ा खतरा

जागरण, रीवा। हफ्ते भर से गर्मी के तेवर तीखे हो गए है। सुबह 10 बजे के बाद धूप चुभने लगती है, सड़क पर चलना दूभर हो गया है। लगातार बढ़ती गर्मी से लोगो की सेहत पर भी असर पड़ रहा है। पारा 43 डिग्री के पार पहुंच गया है। अब मौसम में गर्मी ने असर दिखाना शुरू कर दिया है। बतादें कि मई महीने में पारे में और भी बढ़ोत्तरी होने के आसार है। इधर गर्मी के असर दिखाते ही शहर में अब तक मंदी के दौर से गुजर रहे एसी, कूलर की डिमांड बढ़ने लगी है। कारोबारियों का कहना है कि हफ्ते भर से कूलर और एसी के बाजार में रौनक आ गई है। हर दिन करीब दो दर्जन से ज्यादा एसी एवं आधा सैकड़ा कूलर की बिक्री हो रही है।

शाम को बाजारों में खरीददारी करने निकल रहे लोग : दोपहर से लेकर अपरान्ह तक शहर की सड़कें सूनी नजर आ रही है। गुरुवार को शहर के हाटबाजार दोपहर 12 बजे से 2 बजे तक सूने नजर आए। शादी समारोह की खरीदारी करने के लिए ही जरुरतमंद लोग पहुंचे। अपरान्ह 4 बजे से लेकर रात्रि करीब 10 बजे तक शहर के बाजार में रौनक देखी जा रही है। धूप से बचाव करने के लिए लोग तरह-तरह के जतन कर रहे है।

सेहत को लेकर रहे सजग

डिहाईड्रेशन का खतरा भीषण गर्मी के मौजूदा इस दौर में सेहत को लेकर सजग रहने की जरूरत है। तरह-तरह के शीतल पेय जहां लोगों की सेहत पर प्रतिकूल प्रभाव छोड़ रहे है वहीं तैलीय पदार्थों के खानपान से डि-हाइड्रेशन का खतरा बढ़ने लगता है। इस मौसम में तरल पदार्थ के साथ ही शरीर में पानी की ज्यादा जरूरत होती है।

कमिश्नर ने स्वगणना पोर्टल में स्वयं दर्ज की अपनी जानकारी

स्वयं पोर्टल पर अपनी जानकारी दर्ज करने की अपील

रीवा। रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने आगामी जनगणना के लिए स्वगणना पोर्टल के माध्यम से अपनी और अपने परिवार की जानकारी स्वयं दर्ज की। कमिश्नर कार्यालय में कंप्यूटर के माध्यम से इस प्रक्रिया को पूरा करते हुए उन्होंने न केवल अपनी नागरिक जिम्मेदारी निभाई, बल्कि संभाग के समस्त नागरिकों के लिए एक मिसाल भी पेश की। इस पहल का मुख्य उद्देश्य आम जनता को यह संदेश देना है कि तकनीक के माध्यम से जनगणना का कार्य अब बेहद सरल, सुरक्षित और त्वरित हो गया है।

कमिश्नर ने कहा कि पोर्टल पर जानकारी भरने के बाद स्वगणना आईडी प्राप्त होती है जिसे नागरिक संभाल कर रखें ताकि भविष्य में जब प्रगणक उनके घर आएं, तो वे केवल इस आईडी को दिखाकर अपनी जानकारी सत्यापित करा सकें। इस डिजिटल प्रक्रिया के दौरान भरी जाने वाली जानकारियों का विवरण भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, जो मुख्य रूप से मकान और घर की सुविधाओं पर केंद्रित हैं। इसमें सबसे पहले घर के मुखिया का नाम और मोबाइल नंबर दर्ज कर ओटीपी के माध्यम से सत्यापन किया जाता है। इसके बाद पोर्टल पर मौजूद डिजिटल मैप के जरिए घर की सटीक लोकेशन को चिन्हित किया जाता है। मुख्य प्रश्नावली में लगभग 33 प्रश्न शामिल होते हैं, जिनमें मकान की स्थिति (कच्चा या पक्का), छत, दीवार और फर्श में इस्तेमाल की गई सामग्री, घर में कमरों की संख्या और वहां रहने वाले विवाहित जोड़ों का विवरण देना होता है। इसके अलावा बुनियादी सुविधाओं जैसे कि पीने के पानी का मुख्य स्रोत, शौचालय की उपलब्धता, बिजली का कनेक्शन, खाना पकाने के लिए इस्तेमाल होने वाला ईंधन और घर में मौजूद संपत्तियों जैसे टेलीविजन, इंटरनेट, कंप्यूटर, दुपहिया या चार पहिया वाहनों की जानकारी भी स्वयं भरी जाती है।

कमिश्नर ने रीवा संभाग के निवासियों से अपील की है कि वे भी इस आधुनिक सुविधा का लाभ उठाएं और प्रगणकों के घर आने का इंतजार करने के बजाय स्वयं पोर्टल पर जाकर अपनी जानकारी दर्ज करें। पोर्टल पर आगामी 30 अप्रैल तक जानकारी दर्ज की जा सकती है। उन्होंने बताया कि यह प्रक्रिया न केवल समय बचाती है, बल्कि डेटा की सटीकता भी सुनिश्चित करती है क्योंकि व्यक्ति अपनी जानकारी अपनी आंखों के सामने स्वयं भरता है। इस बार की जनगणना पूरी तरह से डिजिटल होगी, जिसमें कागजी कार्रवाई को न्यूनतम कर दिया गया है, ताकि देश के विकास के लिए सटीक और पारदर्शी आंकड़े जल्द से जल्द तैयार किए जा सकें।

उप मुख्यमंत्री ने सुनी पीएम के 'मन की बात'

रीवा। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने रीवा शहर के वार्ड क्रमांक पाँच में संयोजक राजीव शुक्ला के निवास में प्रधानमंत्री के मन की बात कार्यक्रम का 133वां एपिसोड सुना। इस दौरान गौरव पांडेय, वार्ड पार्षद राजीव शर्मा, डॉ. प्रभाकर चतुर्वेदी, प्रदीप सोहगौरा, कुंवर बहादुर सिंह, विजय शुक्ल सहित बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहे। उल्लेखनीय है कि मन की बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रेडियो पर प्रसारित होने वाला एक मासिक कार्यक्रम है। यह कार्यक्रम प्रत्येक माह के अंतिम रविवार को सुबह 11 बजे से प्रसारित होता है। इस कार्यक्रम को रेडियो के साथ-साथ दूरदर्शन, यूट्यूब सहित विभिन्न न्यूज पोर्टल्स पर भी लाइव सुना और देखा जा सकता है। यह कार्यक्रम हिंदी के अलावा कई क्षेत्रीय भाषाओं और बोलियों में अनुवादित कर प्रसारित किया जाता है। इस कार्यक्रम की शुरुआत 3 अक्टूबर 2014 से हुई थी। तब से यह अनवरत रूप से जारी है। इस रविवार के कार्यक्रम को मिलाकर इसके 133वें एपिसोड पूरे हो चुके हैं। इस कार्यक्रम ने अप्रैल 2023 में अपने 100 एपिसोड पूरे किए थे। प्रधानमंत्री मोदी इस कार्यक्रम में सामाजिक और जमीनी मुद्दों पर चर्चा करते हैं। यह दुनिया के सबसे लोकप्रिय कार्यक्रमों में से एक है, जिसने रेडियो (आकाशवाणी) की लोकप्रियता को पुनर्जीवित करने में बड़ी भूमिका निभाई है।

जांच, जागरुकता और जेनेटिक काउंसलिंग अनिवार्य

सिकल सेल जनजागरुकता कार्यक्रम संपन्न

रीवा। समाज में स्वास्थ्य जागरुकता को बढ़ावा देने एवं सिकल सेल जैसी गंभीर आनुवंशिक बीमारी के प्रति वैज्ञानिक समझ विकसित करने के उद्देश्य से 'सिकल सेल जनजागरुकता कार्यक्रम' आयोजित किया गया। कार्यक्रम में चिकित्सा, समाजसेवा एवं जनस्वास्थ्य से जुड़े अनेक विशिष्ट अतिथियों, विशेषज्ञों एवं नागरिकों की महत्वपूर्ण सहभागिता रही। आयोजन में मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. द्विवेदी (वरिष्ठ चिकित्सक, इंदौर), विशिष्ट अतिथि डॉ. बीनू कुशवाहा (डायरेक्टर, नर्सिंग एवं पैरामेडिकल कॉलेज, भोपाल), वरिष्ठ समाजसेवी अतुल जैन, किरण सेवा संस्थान के अध्यक्ष अजय मिश्रा एवं अन्य गणमान्य अतिथियों ने सहभागिता की। किरण सेवा संस्थान के अध्यक्ष अजय मिश्रा ने संस्थान की सेवा यात्रा, सामाजिक अभियानों एवं स्वास्थ्य मिशन पर विस्तार से प्रकाश डाला। गांधी मेमोरियल हॉस्पिटल की टीम द्वारा उपस्थित सिकल सेल मरीजों एवं संभावित लाभार्थियों की स्वास्थ्य जांच की गई। विशेषज्ञ टीम ने स्क्रीनिंग, प्राथमिक परामर्श एवं आवश्यक स्वास्थ्य मार्गदर्शन प्रदान किया। मुख्य अतिथि डॉ. ए.के. द्विवेदी ने अपने विस्तृत वैज्ञानिक व्याख्यान में सिकल सेल रोग के कारण, प्रभाव, पहचान, जांच, रोकथाम एवं उपचार पर गंभीर प्रकाश डाला। डॉ. बीनू कुशवाहा ने विवाह पूर्व जांच एवं जेनेटिक काउंसलिंग को सिकल सेल नियंत्रण की सबसे प्रभावी रणनीति बताते हुए युवाओं एवं परिवारों से वैज्ञानिक सोच अपनाने की अपील की। अभिषेक दुबे एवं एम. अयान के. मिश्रा ने युवाओं की भूमिका, वैज्ञानिक जागरुकता एवं सामाजिक सहभागिता पर अपने विचार रखते हुए कहा कि स्वास्थ्य शिक्षा को जनआंदोलन बनाना समय की आवश्यकता है। वरिष्ठ समाजसेवी अतुल जैन ने संस्था की योजनाओं एवं समाजहितकारी प्रयासों की सराहना की। सरिता मिश्रा ने कहा कि सिकल सेल जैसी बीमारी से लड़ाई केवल चिकित्सा नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना का विषय है। कार्यक्रम में निलेश विश्वकर्मा द्वारा प्रेरणादायी उद्बोधन प्रस्तुत किया गया। उनके साथ पूनम पटेल, अंकित सिंह, ऋषभदेव एवं सहयोगी टीम की सक्रिय उपस्थिति रही, जिन्होंने आयोजन की प्रारंभिक व्यवस्थाओं एवं जनसंपर्क में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में डॉ. आदर्श अवस्थी, डॉ. सुनील अवस्थी, डॉ. विजय यादव (जबलपुर), सत्य विजय मिश्रा सहित अनेक चिकित्सकों एवं प्रबुद्ध नागरिकों ने अपने विचार साझा किए। संचालन डॉ. व्योमकेश शुक्ला द्वारा किया गया। आयोजन को सफल बनाने में प्रियंका सिंह, शिवानी मिश्रा, विभा पटेल, प्रतिक्षा सिंह सहित टीम का उल्लेखनीय योगदान रहा।

रेलवे कर्मचारियों के लिए चिल्ड्रन एजुकेशन अलाउंस किया लागू

जागरण, रीवा। रेलवे ने वर्ष 2026 के लिए अपने कर्मचारियों को मिलने वाले चिल्ड्रन एजुकेशन अलाउंस (सीइए) की दरें स्पष्ट कर दी हैं। इस योजना के तहत कर्मचारियों को बच्चों की शिक्षा के लिए निर्धारित आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। नर्सरी से लेकर 12 वीं कक्षा तक अध्ययन करने वाले बच्चों के लिए यह सुविधा उपलब्ध रहेगी। यदि बच्चा छात्रावास (हॉस्टल) में रहकर पढ़ाई करता है, तो अतिरिक्त छात्रावास सहायता भी दी जाएगी। जानकारी के अनुसार एक बच्चे के लिए चिल्ड्रन एजुकेशन अलाउंस के तहत 2812.50 प्रतिमाह दिए जाएंगे, जो सालाना लगभग 33 हजार 750 होते हैं। यह राशि निर्धारित (फिक्स) है, अर्थात वास्तविक फीस कम या अधिक होने पर भी तय रकम ही देय होगी। यदि बच्चा छात्रावास में अध्ययनरत है, तो कर्मचारी को 8437.50 प्रतिमाह छात्रावास सब्सिडी के रूप में मिलेंगे। यदि दोनों बच्चे छात्रावास में हैं, तो यह राशि 16 हजार 875 प्रतिमाह तक हो सकती है। यह सुविधा अधिकतम दो बच्चों तक सीमित रहेगी। एक बच्चे के लिए 2812 प्रतिमाह व दो बच्चों के लिए 5625 प्रतिमाह तक सीइए मिलेगा। रेलवे ने स्पष्ट किया है कि दो से अधिक बच्चों के लिए यह भत्ता देय नहीं होगा। इस योजना का लाभ सभी नियमित रेलवे कर्मचारियों को मिलेगा, जिनमें समूह सी और समूह डी कर्मचारी भी शामिल हैं। कर्मचारी का नियमित रूप से सेवा में कार्यरत होना आवश्यक है।

खंभों के साथ ही लटक रहा बिजली के तारों का जाल

कई जगह तो नीचे तक झूल रहे हैं तार, कभी भी हो सकते हैं खतरनाक

जागरण, रीवा। शहर के पड़रा क्षेत्र में सड़क किनारेलगए बिजली के खंभों के साथ ही खंभों से जोड़े गए तार नीचे तक झूल रहे हैं, एक ही स्थान पर आधा दर्जन से अधिक खंभे लगे हैं, उनमें से मुख्य लाइन सहित सर्विस लाइन के लिए डाले गए तारों का जाल सड़क तक झूल रहा है। कुछ तार तो इतने नीचे हैं कि आसानी से सड़क पर खड़े रहने व निकलने वाला इन तारों की चपेट में आ सकता है, बिजली वितरण कंपनी द्वारा प्रतिवर्ष वर्षाकाल के पूर्व झूल रहे तारों को दुरुस्त करने के साथ ही सड़क किनारे लगे पेड़ों की उन टहनियों की जो तारों के समीप होती है की छंटाई के नाम पर मेंटनेंस कार्य किया जाता है और घंटों बिजली कटौती भी की जाती है। इस वर्ष भी बिजली वितरण कंपनी द्वारा करीब एक पखवाड़े पूर्व ही मेंटनेंस कार्य की शुरुआत कर दी गई है। वार्ड के रहवासियों ने बताया कि यहां कटौती तो होती है, किन्तु मेंटनेंस कार्य कहां होता है, नहीं पता। प्रतिवर्ष बिजली वितरण कंपनी मेंटनेंस कार्य ईमानदारी से करें तो इस प्रकार तारों के सड़क तक झूलने की नारैबत ही नहीं आए। यहां एक बार लाइन डालने के बाद कंपनी के कर्मचारी सिर्फ उस समय दिखाई देते हैं, जब कोई फाल्ट वगैरह होता है। यहां एक ही जगह पर आधा दर्जन से बिजली के खंभे लगाए गए हैं, ये भी समझ से परे है। लोगों ने बताया कि खंभे के समीप ही वार्ड के रहवासी कचरा फेंक जाते हैं। जिनमें विचरने के लिए यहां आवारा मवेशियों का जमघट लगा रहता है, झूलते तारों से खंभे में उतरे कनेक्शन से अब तक यहां कई मवेशी भी करंट की चपेट में आ चुके हैं, किसी को बचा लिया गया तो कोई मवेशी जान से हाथ धो बैठा।

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

बंपर वोटिंग: लोकतांत्रिक चेतना के साथ प्रतिस्पर्धा

पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में विधानसभा चुनावों के तहत गुरुवार को हुआ मतदान पार्टियों के बीच जीत के लिए जोर-आजमाइश या राजनीतिक खींचतान से ज्यादा डाले गए वोट के फीसद के लिए दर्ज किया जाएगा। निश्चित तौर पर यह उम्मीद की जाती है कि लोकतंत्र के एक पर्व के तौर पर देखे जाने वाले चुनाव और मतदान में ज्यादा से ज्यादा मतदाता हिस्सा लें। मगर पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में अब तक जितने अधिकतम लोगों ने वोट डाले थे, इस बार के चुनाव में वह आंकड़ा पार कर गया। स्वाभाविक ही इसे लोकतंत्र के जीवन और आम जनता के बीच व्यापक जागरूकता फैलने के रूप में देखा जा रहा है। मगर इसके समांतर कुछ अन्य सहायक कारक भी स्पष्ट हैं, जिनकी वजह से पात्र मतदाताओं ने दोनों राज्यों में जम कर वोट डाले।

गौरतलब है कि पश्चिम बंगाल में इस बार चुनाव के पहले चरण में करीब तिरानबे फीसद लोगों ने मतदान किया, जबकि तमिलनाडु में पचासी फीसद से ज्यादा लोग घर से निकले और उन्होंने वोट डाले। जाहिर है, इतनी बड़ी संख्या में नागरिकों ने अगर मतदान किया है, तो इसके पीछे मुख्य कारण संवैधानिक अधिकारों के प्रति जनता के बीच फैली व्यापक जागरूकता है और यह देश के लोकतंत्र के लिए एक सुखद संकेत है। हालांकि पश्चिम बंगाल में होने वाले किसी भी चुनाव में मतदान का फीसद सामान्य तौर पर अन्य राज्यों के मुकाबले ज्यादा रहता है, लेकिन इस बार का आंकड़ा अगर इतना ऊंचा गया है, तो इसकी वजह वहां के राजनीतिक माहौल में प्रतिद्वंद्वी दलों के बीच आक्रामक खींचतान से पैदा हुआ उद्वेलन भी है, जिसने बहुत सारे लोगों को अपना वोट हर हाल में डालने को लेकर जागरूक किया। तमिलनाडु में भी कमोबेश स्थिति यही रही। दिलचस्प यह है कि इन दोनों राज्यों के चुनावी गणित में अब तक भाजपा का कोई खास प्रभाव नहीं रहा है, लेकिन इस बार के चुनाव प्रचार में योजनाबद्ध तरीके से इसने जिस स्तर का दखल दिया, उसमें यह विपक्षी पार्टियों के विरोध का केंद्र बन गई। इस क्रम में आक्रामक चुनाव प्रचार अभियानों का सीधा असर आम लोगों पर पड़ा, जिन्होंने अपने-अपने पक्ष के लिए मतदान में हिस्सेदारी को अपनी जिम्मेदारी माना।

इसके अलावा, एक बड़ा कारण यह भी माना जा रहा है कि निर्वाचन आयोग ने चुनाव के पहले जिस तरह मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआइआर का अभियान चलाया और अपात्र मतदाताओं के नाम काटने की प्रक्रिया चली, उसमें बड़ी संख्या में लोगों के बीच किसी भी स्थिति में सूची में कायम रहने को लेकर फिक्र पैदा हुई।

यही वजह है कि एसआइआर की प्रक्रिया में मृत या विस्थापित हो चुके और अन्य कारणों से अपात्र माने गए लाखों लोगों के मतदाता सूची से हटाए जाने के बाद जो बचे रहे, उन्होंने इस बार पहले के मुकाबले वोट डालने को लेकर ज्यादा सजगता दिखाई।

दरअसल, इस सूची में मौजूदगी सुनिश्चित होना और मताधिकार का उपयोग करना भविष्य में नागरिक अधिकारों के सुरक्षित होने को लेकर एक आशंका से भी जुड़ा हो सकता है। इसके बावजूद यह कहा जा सकता है कि मतदान के लिए पात्र माने गए लोगों ने अगर भारी संख्या में घरों से निकल कर अपने मतदान के हक का इस्तेमाल किया, तो यह न केवल जनता के बीच व्यापक जागरूकता का संकेत है, बल्कि देश के लोकतंत्र के मजबूत होते जाने का सूचक भी है। जाहिर है कि अतीत के तमाम कीर्तिमान बौने हो गए हैं और लोकतंत्र की निर्णायक भागीदारी ने नए मील-पत्थर गाड़ दिए हैं। बहरहाल बंपर मतदान की व्याख्याएं शुरू हो गई हैं। भाजपा ने 125 सीटों पर प्रचंड जीत का दावा किया है। कुछ पेशेवर चुनावी पंडित 'शर्तिया विश्लेषण' करने में जुटे हैं कि भाजपा कुल मिला कर 150-160 सीटें जीत रही है, नतीजतन ममता की 15 साल पुरानी सत्ता ढह रही है और भाजपा की सरकार बन रही है। इधर बंपर मतदान को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी अपनी जीत मान रही हैं। फिलहाल इसे 4 मई तक छोड़ देना चाहिए, जिस दिन जनादेश सार्वजनिक होंगे।

प्रसंगवश

आप का दलबदल: विपक्षी दलों के लिए खतरे की घंटी

पंजाब में विधानसभा चुनाव से सिर्फ दस महीने पहले, राज्यसभा के सात सांसदों द्वारा आम आदमी पार्टी का साथ छोड़ने से पार्टी का संकट गहराता नजर आ रहा है। बगावती तेवरों वाले तीन राज्यसभा सदस्यों राघव चड्ढा, संदीप पाठक और अशोक मित्तल ने पार्टी में विभाजन की घोषणा करते हुए कहा है कि उच्च सदन में आप के दो-तिहाई सांसद यानी दस में सात सदस्यों ने एक गुट के रूप में भारतीय जनता पार्टी में विलय करने का निर्णय कर लिया है। हाल के महीनों में खासे मुखर रहने वाले राघव चड्ढा को राज्यसभा में आप के उपनेता पद से हटाये जाने के बाद उनके द्वारा शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ मोर्चा खोलने के बाद तो विभाजन के संकेत मिलने शुरू हो गए थे। विडंबना यह है कि राज्यसभा में राघव चड्ढा के स्थान पर आप के उप नेता की जगह लेने वाले अशोक मित्तल ने भी उनका ही साथ दिया है। इसमें दो राय नहीं कि बीते साल दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा के हाथों मिली करारी हार के बाद आम आदमी पार्टी के लिये यह सबसे बड़ा झटका माना जा रहा है। एक समय था कि राघव चड्ढा को आम आदमी पार्टी में नई पीढ़ी का ऊर्जावान प्रतीक चेहरा माना जाता रहा है। अब वे ही आप नेतृत्व पर पार्टी के मूलभूत आदर्शों से पीछे हटने का आरोप लगा रहे हैं। राघव व पार्टी के अन्य बागी सांसदों ने आरोप लगाया है कि आम आदमी पार्टी जनसरोकारों को प्राथमिकता देने के बजाय निजी लाभ को तरजीह दे रही है। उनके निशाने पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ही हैं। जिन्हें पंजाब में मान सरकार की बागडोर दिल्ली से संचालित करने वाला माना जाता रहा है। जैसा कि आपेक्षित था, आबकारी नीति मामले में मुश्किल में फंसे और अदालती लड़ाई लड़ रहे केजरीवाल ने इन सांसदों पर विश्वास तोड़ने और पंजाब की जनता से छल करने का आरोप लगाया है।

केजरीवाल ने आप से अलग होने वाले सांसदों पर पंजाब के लोगों के साथ विश्वासघात करने वाला बताया है। वहीं दूसरी ओर भाजपा भी केजरीवाल के निशाने पर है, जिस पर उन्होंने सुनियोजित साजिश करके आम आदमी पार्टी को कमजोर करने का आरोप लगाया है। वास्तव में भाजपा सीमावर्ती राज्य पंजाब में विधानसभा चुनाव को लेकर अपनी जड़ें मजबूत करने की कवायद में जुटी है। इसी कड़ी में भगवा पार्टी ने हाल के वर्षों में पंजाब के कई कांग्रेसी नेताओं को अपने पाले में करने में कामयाबी पायी है। निश्चित रूप से राज्य सभा में आप के दो तिहाई सांसदों का टूटकर भाजपा में मिलना आम आदमी पार्टी के लिये बड़ी चुनौती है। जिसके चलते पंजाब में अपनी खोई जमीन पाने के लिये पार्टी को एकजुट करके आगे बढ़ने की बड़ी चुनौती सामने खड़ी है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता है कि आप के कुछ और नेता आगामी दिनों में भाजपा का दामन थाम लें। लेकिन यहां सवाल आप सुप्रीमो पर उठ रहे हैं कि क्या उन्होंने इन नेताओं को राज्यसभा का टिकट देते वक्त पार्टी की रीति-नीतियों की कसौटी पर परखा था या फिर पार्टी की आर्थिक प्राथमिकताओं को ही उनकी योग्यता मान लिया गया था। जाहिर है ये लोग सार्वजनिक जीवन में बहुत चर्चित चेहरे होने के बजाय आर्थिक रूप से समृद्ध लोग रहे हैं। जब चयन में आर्थिक प्राथमिकताएं होती हैं तो चयनित सदस्यों के निर्णय में भी लाभ-हानि का गणित ही प्रभावी रहता है। यहां सवाल कुछ सासंदों के कारोबारी छिद्रों पर सरकारी एजेंसियों का दबाव का भी है, जिन पर पिछले दिनों कार्रवाई भी हुई थी। अनुमान लगाये जा रहे हैं कि शायद इस कार्रवाई के बाद विभिन्न कारोबार से जुड़े अन्य सांसद भी दबाव में आ गए। उन्होंने केंद्र में सत्तारूढ़ राजग की धुलाई मशीन से गुजरना ज्यादा सुरक्षित महसूस किया। बहरहाल, इस घटनाक्रम ने अन्य राज्यों में विपक्षी दलों के लिये भी खतरे की घंटी बजा दी है। निश्चय ही इंडी गठबंधन के लिये अपने दलों को एकजुट रखना आने वाले दिनों चुनौती साबित हो सकता है।

संघर्ष-विराम

युद्ध के बीच कूटनीति तभी कारगर, जब सभी करें समझौते का पालन

ईरान में कब तक अटकेगी अमन की बात

विवेक काटजू

अमेरिका और ईरान के बीच दूसरे दौर की राजनयिक बातचीत पर अनिश्चितता बरकरार है। ईरान अदन की खाड़ी से नौसैन्य नाकेबंदी हटाने की मांग अमेरिका से कर रहा है, लेकिन वाशिंगटन इसके लिए राजी नहीं है। हालांकि, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने तेहरान से माकूल प्रस्ताव मिलने तक युद्ध-विराम जारी रखने का एलान किया है, जिसका अर्थ है कि इस बार संघर्ष-विराम की कोई समय-सीमा तय नहीं की गई है।

उधर, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने अमेरिकी नाकेबंदी को युद्ध जैसी कार्रवाई कहा है। वहां की संसद के अध्यक्ष मोहम्मद बागेर गालिबाफ के सलाहकार इसे बमबारी से कम नहीं मानते। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड भी इस घेरेबंदी से नाराज हैं। इन सबके बावजूद ईरान का एक तबका अमेरिका से युद्ध को फिर से शुरू नहीं करना चाहता। जाहिर है, खाड़ी की स्थिति अब भी बेहद नाजुक है और इतिहास गवाह है कि न चाहते हुए भी कभी-कभी देश जंग में उलझ ही जाते हैं। ऐसे में, अंतरराष्ट्रीय समुदाय सहित इस क्षेत्र के तमाम महत्वपूर्ण देश, जिनमें भारत भी शामिल है, यही कामना कर सकते हैं कि अमेरिका और ईरान के नेतृत्व किसी मान्य समझौते पर सहमत हो जाएं। ये देश लगातार अपील कर रहे हैं। ऐसा होने पर ही होर्मुज जलमार्ग से जहाजों की सुचारू आवाजाही हो पाएगी।

इसके लिए निस्संदेह ट्रंप को इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को काबू में रखना होगा और यह सुनिश्चित करना होगा कि संधि-प्रक्रिया में इजरायल कोई रुकावट न बने। गौरतलब है कि व्हाइट हाउस के दबाव में ही उसने लेबनान से शांति-वार्ता शुरू की है, जिसकी मांग ईरान ने की थी।

ट्रंप ने यह भी कहा है कि ईरान का नेतृत्व विभाजित है और विभाजित नेतृत्व युद्ध व शांति के फैसले लेने में कभी-कभी पंगुता का शिकार हो जाता है। याद होगा, युद्ध के पहले ही दिन इजरायल और अमेरिका के हमले में ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की जान चली गई थी। उनके बेटे मुजतबा को जरूर उनके पद पर आसीन किया गया है, लेकिन माना जाता है कि उस बमबारी में वह भी घायल हो गए हैं। चूंकि युद्ध की शुरुआत से ही मुजतबा को न देखा, न सुना गया है, इसलिए उनके जीवित होने को लेकर भी अटकलें तेज हैं। पूछा जा रहा है कि अगर वह जीवित हैं, तो क्या फैसले लेने की स्थिति में हैं?

इन आशंकाओं को इस बात से भी शह मिल रही है कि प्रस्तावित शांति-वार्ता को लेकर ईरान के विभिन्न वर्गों के सुर अलग-अलग हैं। जाहिर है, अगर मुजतबा निर्णय लेने की स्थिति में नहीं हैं, तो शांति-वार्ता पर शक के बादल गहरा जाते हैं। एक मुश्किल यह भी है कि ट्रंप उस समझौते को तोड़ चुके हैं, जिसके लिए पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने कई दौर की बातचीत के बाद तेहरान को राजी किया था। फरवरी 2026 में युद्ध की शुरुआत तब हुई थी, जब ईरान के साथ राजनयिक बातचीत पटरी पर थी। इसलिए, इस वक्त ट्रंप की किसी बात पर ईरान को आसानी से भरोसा नहीं होगा। युद्ध के बीच कूटनीति भी तभी आगे बढ़ती है, जब यह यकीन हो कि सभी पक्ष समझौते का पालन करेंगे। इसका अर्थ है कि पहल अमेरिका को ही करनी होगी। उसे ईरान को भरोसे में लेना होगा और यकीन दिलाना होगा कि जो भी सहमति बनेगी, अमेरिका उस पर खरा उतरेगा।

एक बात और साफ है। अमेरिका और इजरायल अपनी हरसंभव कोशिशों के बावजूद ईरान की विलायत-ए-फकीह (ईरानी शासन प्रणाली) को तोड़ नहीं पाए हैं। इसलिए, ईरान कोई पराजित देश नहीं है। अमेरिका अब नाकेबंदी करके उस पर आर्थिक दबाव डाल रहा है। इससे आने वाले समय में तेहरान की आर्थिक स्थिति जर्जर हो सकती है, जो पहले से ही चरमराई हुई है। ईरान को निश्चय ही शांति चाहिए, लेकिन इसके लिए वह अमेरिका की हर शर्त के आगे झुकने को तैयार नहीं दिखता। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड यही मानते हैं कि अभी समय उनके पक्ष में है। अमेरिका में चंद महीने बाद ही कांग्रेस और सीनेट के मध्यवर्ती चुनाव होने वाले हैं। अगर यह युद्ध चलता रहा, तो वहां महंगाई और अधिक बढ़ जाएगी। इससे ट्रंप और उनकी रिपब्लिकन पार्टी को सियासी नुकसान उठाना पड़ सकता है। विपक्षी डेमोक्रेट तो राष्ट्रपति पर हमलावर हैं ही, खुद रिपब्लिकन में भी मतभेद साफ-साफ दिखने लगा है। लिहाजा, ट्रंप का पूरा जोर जंग खत्म करने पर है। अमेरिका के मित्र यूरोपीय देश, जापान और दक्षिण कोरिया भी यही चाहते हैं, क्योंकि पेट्रो उत्पादों की बढ़ती कीमतों से अब उनका धैर्य जवाब देने लगा है। कठिनाई यह है कि अमेरिकी राष्ट्रपति अपने लिए बेहतर समझौता चाहते हैं, और ईरान के 'हार्डलाइनर' इसके लिए तैयार नहीं। इस बीच सबसे ज्यादा खतरा भारत जैसे देशों के लिए है, जो कृषि प्रधान हैं और युद्ध के कारण खाद संकट से जूझने लगे हैं।

बदलती कूटनीतिक परिस्थिति में पाकिस्तान की बढ़ती भूमिका भी शोचनीय है। यह मुल्क बीते 35 वर्षों से भारत में आतंकी गतिविधियों का पोषण करता आ रहा है। इसलिए, इस समय पाकिस्तान को एक मध्यस्थ के रूप में देखना हमें अजीब-सा लग रहा है। हालांकि, सच तो यही है कि उसके जरिये ही अमेरिका और ईरान बातचीत कर रहे हैं। इस्लामाबाद में पहले दौर की वार्ता हुई थी, जिसमें बेशक सार्थक नतीजा नहीं निकल सका था, लेकिन लगता यही है कि दूसरी बार जब अमेरिकी और ईरानी प्रतिनिधि बातचीत के लिए बैठेंगे, तो उनका ठिकाना इस्लामाबाद ही होगा।

दुनिया पाकिस्तान की इस भूमिका को सराह रही है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक व कूटनीतिक जीवन का मूल सिद्धांत यही है कि हर मुल्क अपने हितों को तवज्जो देता है। विश्व समुदाय इस वक्त यही चाहता है कि किसी न किसी प्रकार से अमेरिका और ईरान के बीच शांति समझौता हो जाए, फिर चाहे इसका रास्ता इस्लामाबाद होकर ही क्यों न गुजर रहा हो। पाकिस्तान की आतंकी गतिविधियों से वाकिफ होने के बावजूद उसे नजरअंदाज करने का मूल कारण यही है।

साफ है, आने वाले दिन बहुत तनावपूर्ण होने वाले हैं। भारत को अपनी तैयारी मजबूत करनी होगी। विशेष तौर पर यह सोचना अब ज्यादा उचित होगा कि अगर होर्मुज जलमार्ग पर लंबे समय तक रुकावट बनी रही, तो अपने हितों को कैसे सुरक्षित रखा जाएगा?

खुला मंच

बेचारा रसगुल्ला तो पिछड़ गया जी

सहीराम

यूं तो रसगुल्ला चाहत की चीज है, प्रेम करने की चीज है, लेकिन इन दिनों आप चाहें तो उसके साथ सहानुभूति भी प्रकट कर सकते हैं, क्योंकि जो रसगुल्ला हमेशा ही दूसरी मिठाइयों पर भारी पड़ता रहा, उनसे आगे निकलता रहा, उन्हें पछाड़ता रहा, वही रसगुल्ला इधर दस रुपये की झालमुड़ी से पिछड़ गया है। वह अगर बंगाल के संदेश से पिछड़ता, वह रसमलाई से पिछड़ता, गुलाब जामुन से भी पिछड़ता, यहां तक कि अगर वह बर्फी से, कलाकंद से भी पिछड़ता तो भी बात समझ में आती। लेकिन यहां तो झालमुड़ी ने रसगुल्ले को पछाड़ दिया। कुछ ही दिनों में उसे करोड़ों लोगों ने सर्च किया और उसके लिए करोड़ों व्यूज आ गए। जो रसगुल्ला बंगालियों के दिल के इतने करीब था, वह दस रुपये की झालमुड़ी से पिछड़ गया।

हालांकि, झालमुड़ी भी बंगालियों के दिल के बहुत करीब है। लेकिन बंगालियों ने उन्हें आमने-सामने कभी नहीं खड़ा किया। लेकिन मोदीजी ने कर दिया। वे तो परिवार के लोगों को आमने-सामने खड़ा कर देते हैं। जलकुकड़े तो उन पर आरोप लगाया ही करते हैं कि वे तो भाई-भाई को आमने-सामने खड़ा कर दें। बस उनके सामने कोई खड़ा नहीं होना चाहिए।

लेकिन यह सच है कि इधर रसगुल्ला झालमुड़ी से पिछड़ गया है। उसका रस, उसकी चाशनी , उसकी नर्म-स्पंजी बनावट, मुड़ी यानी मुरमुरों, सरसों के तेल और हरी मिर्च के तीखेपन से हार गयी।

बंगालियों को समझ में नहीं आ रहा कि यह क्या हो गया। एक बार जब ओडिशा वालों ने रसगुल्ले पर अपना दावा ठोक दिया था तो, बंगाली जी जान से उनसे लड़े थे और रसगुल्ले को उसी तरह से बंगाल ले गए थे, जैसे कोई ट्रॉफी जीतकर ले जाता है। लेकिन झालमुड़ी पर किसी ने दावा किया ही नहीं। वह तो बंगालियों की ही है। अलबत्ता थोड़ा बहुत बिहार वाले उस पर दावा कर सकते हैं। हम तो वैसे भी लड्डू जलेबी वाले लोग हैं। झालमुड़ी बजाय यहां तो भुने हुए चने ही चलते हैं और वह भी बस आठ बजे वाली डोज के लिए चाहिए।

रसगुल्ला और झालमुड़ी अमीर और गरीब किस्म के दो वर्ग हैं। रसगुल्ला अभिजात्यवर्गीय है। झालमुड़ी सर्वहारा है। रसगुल्ला सेलिब्रिटी मिठाई है। लेकिन मोदीजी ने झालमुड़ी को सेलिब्रिटी बना दिया। कुछ लोगों का मानना है कि ऐसा नहीं है कि मोदीजी ने झालमुड़ी खाई और वह हिट हो गयी। मोदीजी तो वहवाली मशरूम भी खाते हैं, जिसे लेकर जलकुकड़े न जाने क्या-क्या कहते रहते हैं। पर वह तो हिट नहीं हुई। उसके तो करोड़ों व्यूज नहीं आए। मोदीजी तो खिचड़ी, ढोकला, फाफड़ा वगैरह भी खाते हैं। पर वे ऐसे कहां हिट हुए। ऐसे में यह झालमुड़ी की अपनी खासियत होगी जो वह इतनी हिट हुई। नहीं क्या?

ई-फार्मेसी

यह डगर जितनी चिकनी दिखती है, उतनी ही पथरीली है चिकित्सकीय सुरक्षा के लिहाज से

'सुविधा' को 'स्वच्छंदता' बनने से रोकने की पहल

डॉ सुधीर कुमार

बदलते दौर ने दवाओं की उपलब्धता को 'जरूरत' से 'सुविधा' में बदल दिया है। सामाजिक भरोसा अब स्मार्टफोन की एक 'क्लिक' में सिमट गया है। डिजिटल इंडिया की इस सुनहरी तस्वीर में दवाएं महज आधे घंटे में आपके दरवाजे पर पहुंच रही हैं। लेकिन कानून की कसौटी पर सवाल यह है कि क्या दवाओं की होम-डिलीवरी को पिज्जा ऑर्डर करने जितना ही सरल मान लेना चाहिए? 'ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940' की जटिल कड़ियां और 'शेड्यूल-एच' दवाओं के जोखिम संकेत देते हैं कि ई-फार्मेसी की यह डगर जितनी चिकनी दिखती है, कानूनी और चिकित्सकीय सुरक्षा के लिहाज से उतनी ही पथरीली है।

इस डिजिटल खेल का सबसे भयावह पहलू नशीली दवाओं और एंटीबायोटिक्स का अंधाधुंध दुरुपयोग है। अनिद्रा या तनाव से राहत पाने के लिए बिना डॉक्टरी परामर्श के मंगवाई गई नींद की गोलियां न केवल घातक 'लत' पैदा करती हैं, बल्कि विशेषज्ञ की निगरानी के अभाव में मानसिक संतुलन को भी पूरी तरह बिगाड़ सकती हैं।

ई-फार्मेसी कंपनियों का तर्क है कि वे तकनीक के जरिए दवाओं की उपलब्धता आसान बना रही हैं। वहीं, केमिस्ट का कहना है कि यह केवल व्यापार नहीं, बल्कि लोगों की जान के साथ खिलवाड़ है। असली संकट तब शुरू होता है जब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर बिना किसी वैध पर्चे के या पुराने, धुंधले पर्चों के आधार पर दवाएं बेची जाने लगती हैं। एक आम आदमी के लिए यह केवल 'सुविधा' है, लेकिन कानून की किताब में यह 'अपराध' की श्रेणी में आता है। जब आप बिना डॉक्टर की सलाह के खुद अपना डॉक्टर बनकर दवाएं मंगवाते हैं, तो आप अनजाने में एक ऐसे चक्रव्यूह में फंस रहे होते हैं, जहां से निकलना मुश्किल है। भारत में औषधियों का व्यापार 'ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट, 1940' के अधीन है। चूंकि यह कानून इंटरनेट युग से पूर्व का है, इसलिए ई-फार्मेसी फिलहाल एक 'ग्रे एरिया' में सक्रिय हैं। कानून की स्पष्ट मर्यादा है कि 'शेड्यूल एच' और 'एच-1' श्रेणी की दवाएं बिना पंजीकृत डॉक्टर के वैध पर्चे के नहीं बेची जा सकतीं; ऐसा करना सीधे तौर पर विधिक उल्लंघन है। इस विसंगति को दूर करने के लिए सरकार ने नए नियमों का मसौदा तैयार किया है। इसके तहत सभी ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स के लिए केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के पास पंजीकरण अनिवार्य होगा। इन प्रावधानों का उद्देश्य जन-स्वास्थ्य की सुरक्षा को तकनीक के माध्यम से सुदृढ़ करना है।

ई-फार्मेसी ने हाल के वर्षों में जबरदस्त वृद्धि दर्ज की है। डिजिटल हेल्थ प्लेटफॉर्म्स ने दवाओं तक पहुँच और डिलीवरी की प्रक्रिया में क्रांतिकारी बदलाव किए हैं। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ, किफायती, सुविधाजनक और आरामदायक बनाया है। उपभोक्ता मोबाइल ऐप या वेबसाइट पर प्रिस्क्रिप्शन अपलोड करके आसानी से दवा मंगवा सकते हैं। यह सुविधा विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों, बुजुर्गों और नियमित दवा रीफिल की आवश्यकता वाले मरीजों के लिए सहायक है। इन प्लेटफॉर्म्स के जरिए विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित होती है। साथ ही लैब टेस्ट और टेली-कंसल्टेशन जैसी सेवाएँ भी शामिल की जा रही हैं। दवा वितरण पूरी तरह से डिजिटल रूप से ट्रैक और ट्रेस किया जाता है, जिससे सुरक्षा और पारदर्शिता बढ़ती है। मरीजों को दवाओं की कीमत, उपलब्धता और विकल्पों की जानकारी भी आसानी से मिलती है।

हालांकि इस डिजिटल खेल मे नशीली दवाओं और एंटीबायोटिक्स का अंधाधुंध दुरुपयोग होने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। बिना डॉक्टरी परामर्श के मंगवाई गई नींद की गोलियां न केवल घातक 'लत' पैदा करती हैं, बल्कि मानसिक संतुलन को भी पूरी तरह बिगाड़ सकती हैं। इसके अतिरिक्त, ऐसी प्रतिबंधित दवाओं का अवैध व्यापार आपको गंभीर कानूनी पचड़ों और जेल की सलाखों के पीछे पहुंचा सकता है। वहीं, बिना पर्चे के एंटीबायोटिक्स का सेवन 'एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस' को जन्म दे रहा है, जिससे भविष्य में सामान्य संक्रमणों पर भी दवाएं बेअसर हो जाएंगी। पारंपरिक स्टोर एक 'मानवीय स्पर्श' और तत्काल जिम्मेदारी का अहसास कराते हैं, जहां फार्मासिस्ट पर्चे की भौतिक जांच कर उसके दुरुपयोग को रोकता है और मरीज को दवाओं के 'साइड इफेक्ट्स' के प्रति सचेत कर एक व्यक्तिगत विश्वास की कड़ी बनाता है।

इसके विपरीत, ई-फार्मेसी की दुनिया एल्गोरिदम पर टिकी है, जहां 'सुविधा' के साथ 'जोखिम' भी गहरे हैं। यहां सबसे बड़ी चिंता 'कोल्ड चेन मेंटेनेंस' (दवाओं के रखरखाव का तापमान) को लेकर है। यदि इंसुलिन जैसी जीवन-रक्षक दवाएं गोदाम से ग्राहक तक पहुंचने के दौरान निर्धारित तापमान पर न रखी जाएं, तो वे बेअसर होकर जानलेवा साबित हो सकती हैं।

सुरक्षा की पहली शर्त यह है कि उपभोक्ता केवल उन्हीं डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का उपयोग करें जो सरकार द्वारा पंजीकृत हों। विधिक दृष्टिकोण से, 6 महीने से अधिक पुराने पर्चे पर दवा मंगवाना न केवल स्वास्थ्य के लिए जोखिम भरा है, बल्कि इसे 'अवैध खरीद' की श्रेणी में भी रखा जा सकता है। 'भारी डिस्काउंट' के प्रलोभन में गुणवत्ता से समझौता करना अपने जीवन को दांव पर लगाने जैसा है।

अक्सर ई-फार्मेसी कंपनियां खुद को महज 'बिचौलिया' बताकर पल्ला झाड़ लेती हैं। लेकिन उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 ने अब आम जन को एक सशक्त विधिक हथियार दिया है। यदि कोई कंपनी गलत या घटिया दवा की आपूर्ति करती है, तो उसे 'डेफिशिएंसी इन सर्विस' (सेवा में कमी) के आधार पर उपभोक्ता अदालत में चुनौती दी जा सकती है। क्षति की स्थिति में हर्जाना भरने व कानूनी कार्रवाई का सामना करने के लिए बाध्य हैं। डिजिटल बिल और पैकेजिंग को साक्ष्य के रूप में संभाल कर रखना इस कानूनी लड़ाई में आपका सबसे बड़ा आधार है। आवश्यकता ई-फार्मेसी को प्रतिबंधित करने की नहीं, बल्कि 'सुविधा' को 'स्वच्छंदता' बनने से रोकने की है।

जीवन दर्शन

विचारों की ताकत से अवधारणाओं को साकार करें

जब भी कोई नया विचार आए, तो उसे अपनी कल्पना में आकार दें। उसमें सुधार करें और मन में ही उसे जीवंत रूप में चलाकर देखें। यह प्रक्रिया बिना भौतिक संसाधनों के केवल अपने विचारों की शक्ति से किसी अवधारणा को विकसित करने की क्षमता देती है। समय के साथ निरंतर प्रयास के बाद मैंने स्वयं को इस प्रकार विकसित किया कि मेरे लिए चीजों की कल्पना करना अत्यंत सहज हो गया। इस तरह, अनजाने में ही मैं आविष्कार के विचारों और अवधारणाओं को साकार करने की इस अनोखी विधि को समझ पाया। कई लोग किसी प्रारंभिक विचार को अमल में लाने के लिए उपकरण बनाते हैं, लेकिन अक्सर उसी में उलझकर रह जाते हैं, क्योंकि वे उसके मूल सिद्धांत को नजरअंदाज कर देते हैं। ऐसे में, उन्हें परिणाम तो मिलते हैं, पर अक्सर गुणवत्ता की कीमत पर। मेरा तरीका थोड़ा अलग है। मैं जल्दबाजी में विश्वास नहीं करता। जब भी कोई नया विचार मेरे मन में आता है, तो मैं उसे अपनी कल्पना में आकार देना शुरू कर देता हूं। उसकी संरचना को संवारता हूं, उसमें सुधार करता हूं और उसे अपने मन के भीतर ही जीवंत रूप में चलाकर देखता हूं। मेरे लिए यह मायने नहीं रखता कि मैं किसी यंत्र को प्रयोगशाला में वास्तविक रूप से चलाऊं या उसे अपने विचारों में ही परखूं, क्योंकि दोनों ही स्थितियों में परिणाम एक जैसे होते हैं। मैं अपने मन में ही उसकी कमियों को पहचानकर उसके संतुलन को जांच सकता हूं और उसे बेहतर बना सकता हूं। यही प्रक्रिया मुझे बिना भौतिक संसाधनों के केवल अपने विचारों की शक्ति से किसी भी अवधारणा को विकसित करने और उसे पूर्णता तक पहुंचाने की क्षमता देती है।

जब मैं इस स्तर तक पहुंच जाता हूं कि अपने आविष्कार में हर संभव सुधार शामिल कर चुका हूं और मुझे उसमें कोई कमी दिखाई नहीं देती, तब मैं उसे अंतिम और वास्तविक रूप देता हूं। मेरा उपकरण वैसा ही कार्य करता है, जैसी मैंने कल्पना की होती है, और प्रयोग का परिणाम भी बिल्कुल ठीक निकलता है।

शायद ही कोई ऐसा विषय हो, जिसे गणितीय रूप से समझा न जा सके और जिसके प्रभावों की गणना या परिणामों का पूर्वानुमान उपलब्ध सैद्धांतिक और व्यावहारिक आंकड़ों के आधार पर न किया जा सके। इसलिए, मेरे विचार में किसी अपरिपक्व विचार को सीधे व्यवहार में लाना, जैसा कि सामान्यतः किया जाता है, ऊर्जा, धन और समय की बर्बादी है।

निकोला टेस्ला

गीता ज्ञान

श्लोक

पुस्तकस्था तु या विद्या, परहस्तगतं च धनम् !
कार्यकाले समुत्तपन्ने न सा विद्या न तद् धनम् !!

भावार्थ

किताब में रखी विद्या व दूसरे के हाथो में गया हुआ धन कभी भी जरुरत के समय काम नहीं आते।

दो मुख्य और तीन सीएलसी चरण रहेंगे 5 मई से शुरू हो सकती है प्रवेश प्रक्रिया

कॉलेजों को 30 अप्रैल तक ऑनलाइन पोर्टल पर अपडेट करनी होगी जानकारी

जागरण,रीवा

सत्र 2026-27 के लिए कॉलेजों में प्रवेश की तैयारियां शुरू हो गई हैं। उच्च शिक्षा विभाग ने सभी कॉलेजों को 30 अप्रैल तक अपनी पूरी जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर अपडेट करने के निर्देश जारी किए हैं ताकि पांच मई तक प्रवेश प्रक्रिया शुरू हो सके। इस वर्ष मप्र बोर्ड की 12वीं की परीक्षा का परिणाम 15 अप्रैल को घोषित कर दिया गया था, जिसमें जिले से करीब 31000 और प्रदेशभर से 4.89 लाख विद्यार्थी उत्तीर्ण हुए हैं। अब यह विद्यार्थी कॉलेजों में प्रवेश के लिए आवेदन करेंगे। विभाग ने पूरी प्रक्रिया पंजीयन से लेकर दस्तावेज सत्यापन तक ऑनलाइन रखने का निर्णय लिया है।

जुलाई तक पूरे होंगे सभी चरण : विभाग ने प्रवेश प्रक्रिया को व्यवस्थित और समयबद्ध बनाने के लिए दो मुख्य काउंसलिंग चरण और तीन कॉलेज लेवल काउंसलिंग (सीएलसी) चरण निर्धारित किए हैं। संभावित प्रवेश प्रक्रिया 5 मई से शुरू हो सकती है। अधिकारियों के अनुसार सभी चरणों को जुलाई तक पूरा कर लिया जाएगा, जिससे एक जुलाई से नियमित कक्षाएं शुरू की जा सकें। वहीं काउंसलिंग की विस्तृत समय सारिणी जल्द ही आधिकारिक पोर्टल पर जारी की जाएगी। विद्यार्थी समय पर अपने दस्तावेज तैयार रखें, ताकि ऑनलाइन सत्यापन में कोई बाधा न आए।

सीटों की संख्या, पाठ्यक्रम करें अपडेट : उच्च शिक्षा विभाग ने प्रदेश के सभी 1300 से अधिक कॉलेजों को निर्देश दिए हैं कि 30 अप्रैल तक अपनी पूरी जानकारी ऑनलाइन पोर्टल पर अपडेट कर दें। इसमें कॉलेजों को सीटों की संख्या, उपलब्ध पाठ्यक्रम, फैकल्टी की जानकारी, मेरिट सूची से जुड़ी जानकारी और अपनी विशेष उपलब्धियों को पोर्टल पर अपडेट करना होगा। इससे विद्यार्थियों को चॉइस फिलिंग के दौरान घर बैठे सही कॉलेज चुनने में मदद मिलेगी। जिले के 18 कॉलेजों को भी यह प्रक्रिया पूरी करनी है।

पढ़ाई का नुकसान रोकने के लिए सख्त समय सीमा : पिछले वर्षों में प्रवेश प्रक्रिया अगस्त-सितंबर तक तक चलने के कारण पढ़ाई प्रभावित हुई थी। जिससे शैक्षणिक सत्र पिछड़ गया था, इसलिए इस बार विभाग ने लक्ष्य रखा है कि जुलाई तक सभी चरणों की काउंसलिंग पूरी कर ली जाए। 1 जुलाई से नियमित कक्षाएं शुरू करने की तैयारी है, ताकि विद्यार्थियों को पूरे 180 दिन की पढ़ाई मिल सके।

> कॉलेज में प्रवेश प्रक्रिया मई से शुरू हो जाएगी। काउंसलिंग की विस्तृत समय सारिणी जल्द ही पोर्टल पर जारी की जाएगी। विद्यार्थी दस्तावेज तैयार रखें ताकि ऑनलाइन सत्यापन में बाधा न आए।
> **डॉ.महेन्द्रमणि द्विवेदी, अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा रीवा एवं शहडोल संभाग।**

संकाय व विषय बदलने के लिए साक्षात्कार अनिवार्य

रीवा। शैक्षणिक सत्र 2026-2027 में उच्च शिक्षा विभाग ने कॉलेज प्रवेश प्रक्रिया को लचीला बनाते हुए महत्वपूर्ण बदलाव किया है। अब स्नातक, स्नातकोत्तर स्तर पर संकाय या मुख्य विषय बदलने वाले विद्यार्थियों को कॉलेज में प्रवेश से पहले वॉक-इन इंटरव्यू में शामिल होना अनिवार्य होगा। यह साक्षात्कार जिले के अग्रणी महाविद्यालय में 27 अप्रैल से 14 मई तक सुबह 11 से दोपहर 2 बजे के बीच आयोजित किए जाएंगे। ई-प्रवेश नोडल अधिकारी डॉण् जियालाल अकोले ने बताया 12वीं परीक्षा उत्तीर्ण कर स्नातक में मूल संकाय से अलग संकाय चुनने वाले विद्यार्थियों को साक्षात्कार देना होगा। इसी प्रकार स्नातकोत्तर स्तर पर अपने मेजर या माइनर विषय के अलावा किसी अन्य विषय में प्रवेश लेने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए भी यह प्रक्रिया अनिवार्य है। उदाहरण के तौर पर 12वीं कला संकाय का विद्यार्थी वॉक इन इंटरव्यू से विज्ञान या वाणिज्य संकाय में स्नातक प्रवेश ले सकता है।

साक्षात्कार बोर्ड का होगा गठन : महाविद्यालय में विषय विशेषज्ञों का एक साक्षात्कार बोर्ड गठित होगा। यह बोर्ड विद्यार्थियों की संबंधित विषय में बुनियादी समझ और योग्यता का आकलन करेगा। सफल होने वाले विद्यार्थियों को एक पात्रता प्रमाण पत्र दिया जाएगा, जिसे ऑनलाइन प्रवेश फॉर्म भरते समय अपलोड करना अनिवार्य होगा। यह पत्र प्रदेश के सभी महाविद्यालयों में इस शैक्षणिक सत्र के लिए मान्य होगा। उच्च शिक्षा विभाग का उद्देश्य कॉलेज चलो अभियान और इन प्रयासों से अधिक से अधिक विद्यार्थियों को जोड़ना है, जिससे उन्हें अपनी रुचि अनुसार विषय चयन का अवसर मिल सके।

शिक्षकों से छलः 1 मई से समर वैकेशन के आदेश और 3 कार्यों की ड्यूटी भी लगाई

एक से जनगणना ड्यूटी, समर कैम्प और एक्स्ट्रा क्लासें भी, 7 मई से 10वीं और 12वीं की दूसरी परीक्षा आयोजित होगी

जागरण,रीवा। पहले शिक्षकों को 54 दिनों का समर वैकेशन यानी गर्मियों की छुट्टी मिलती थी। फिर बाद में इसे 45 दिनों का किया गया। कुछ सालों में इसे 40 और अब 31 दिनों का कर दिया गया है। शिक्षकों ने इससे भी संतोष कर लिया। वहीं इस बार लोक शिक्षण संचालनालय भोपाल से आदेश आए कि 1 मई से 31 मई तक शिक्षकों को ग्रीष्मकालीन अवकाश दिया जाएगा। इसी विभाग से अलग-अलग आदेश जारी किए गए, जिसमें कहा गया कि 1 मई से समर कैम्प लगाए जाएंगे। 7 मई से 10वीं और 12वीं के बच्चों की दूसरी परीक्षा होगी। अप्रैल माह से ही इन बच्चों की एक्स्ट्रा क्लासें लगाई जाएं, 1 मई से ही संकुलों के 70 फीसदी शिक्षकों की ड्यूटी जनगणना में होगी। इससे भी चौंकाने वाला एक आदेश तो यह भी जारी हुआ कि 30 अप्रैल को ही अतिथि शिक्षकों को कार्यमुक्त किया जाए। अब इतने सारे कार्यों के बाद शिक्षक सोच रहे हैं कि कागजों में उन्हें अवकाश देने की मेहरबानी शिक्षा विभाग आखिर क्यों कर रहा है। शिक्षकों की कमी से जूझ रहे शिक्षा विभाग में एक साथ इतने सारे कार्य क्यों कराए जा रहे हैं।

टीईटी की तलवार भी लटक रही

बहुत से शिक्षकों का कहना है कि वे सोच रहे थे कि अवकाशों के दिनों में वे पढ़ाई करेंगे, क्योंकि जुलाई माह में शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन संभावित है। ऐसे में अब उनके ऊपर इतने सारे कार्यों का जिम्मा दे दिया गया है तो वे अपनी पढ़ाई कैसे करेंगे। कुछ का कहना है कि शासन जिन्हें खुद ही आजमाना चाहता है उनके भरोसे इतने बड़े.बड़े कार्य कैसे किए जा रहे हैं।

शिक्षकों को समझ रहे जादूगर

इस पर शिक्षकों का कहना है कि भोपाल में बैठे अधिकारी शिक्षकों को जादूगर समझते हैं। वे ये सोचते हैं कि शिक्षक जादू की छड़ी घुमाएंगे और सब काम हो जाएंगे। जब 1 मई से शिक्षकों को गर्मियों की छुट्टी दी ही जा रही है तो फिर समर कैम्प, परीक्षा, एक्स्ट्रा क्लासें आखिर कौन संचालित करेगा। जनगणना तो राष्ट्रीय स्तर का कार्य है और शिक्षक इसमें खुशी से शामिल हो रहे हैं लेकिन बताया जा रहा है कि अधिकांश संकुलों से 90 फीसदी शिक्षकों की इस कार्य में ड्यूटी लगाई गई है। अब सवाल उठता है कि जब शिक्षक स्कूलों में रहेंगे ही नहीं तो ये सारे कार्य करेगा कौन।

सैनिक स्कूल में थल सेना प्रमुख का आगमन आज

रीवा। विंध्य की शान व देश के सर्वोपरि विद्यालयों में एक सैनिक स्कूल रीवा में विद्यालय के पुरा छात्र व वर्तमान थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी पीवीएसएम, एवीएसएम का आज 27 अप्रैल को आगमन होगा। थल सेना प्रमुख का यह दौरा विशेष रूप से कैडेट्स को भारतीय सशस्त्र बलों में करियर बनाने हेतु प्रेरित करने तथा उन्हें सही मार्गदर्शन प्रदान करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। अपने ही विद्यालय के पूर्व छात्र के रूप में उनकी उपलब्धियाँ कैडेट्स के लिए प्रेरणास्रोत हैं, जिससे वे भी भविष्य में उच्चतम सफलता प्राप्त कर राष्ट्र सेवा के प्रति समर्पित हो सकें। इस गौरवपूर्ण अवसर को लेकर विद्यालय परिवार एवं समस्त कैडेट्स में अत्यंत उत्साह एवं गर्व का वातावरण व्याप्त है।

अवकाश के दिन भी खुले छोड़ जाते हैं विद्यालय के गेट

असामाजिक तत्वों ने बना रखा है नशे व अनैनिक कृत्य का अड्डा

जागरण, रीवा। आए दिन शासकीय विद्यालय अथवा कार्यालयों में असामाजिक तत्वों को नशा करने के साथ ही अनैनिक कार्य करते देखा जाता है, जिसमें उनका तो दोष रहता है साथ ही विद्यालय और शासकीय कार्यालय के जिम्मेदार भी बराबर के दोषी हैं। कई बार ये लोग शासकीय भवनों में तालाा लगाकर नहीं जाते जिससे असामाजिक तत्वों को मौका मिल जाता है। और वे अवकाश के दिन के अलावा प्रतिदिन रात को इन भवनों में घुसकर नशाखोरी करने के साथ ही अनैनिक कार्य को भी अंजाम देते हैं, इसका एक उदाहरण शहर से सटे ग्राम दुआरी के शासकीय हाईस्कूल में देखा जा सकता है, शहर से लगे इस स्कूल के गेट का ताला कभी नहीं लगाया जाता। स्कूल के आसपास निवास करने वालों ने बताया कि स्कूल के गेट का ताला प्रतिदिन स्कूल छूटने के बाद शाम को लगाकर नहीं जाते, गेट खुला रहता है, शनिवार की शाम भी इस गेट को बंद नहीं किया जाता, रविवार पूरे दिन गेट खुला रहता है, जिससे परिसर के अंदर आवारा मवेशियों का जमघट तो लगा रहता है साथ ही नशाखोर जहां नशा करने बैठ जाते हैं। नशा करने वालों में आए दिन नशा करने के बाद विवाद भी होता है, आसपास के लोगों ने बताया कि कई बार उनको जाकर झगड़ रहे नशाखोरों को भगाना पड़ता है अथवा समझा-बुझाकर यहां से हटाना पड़ता है। वही अनैतिक कृत्य को अंजाम देने वाले भी खुले परिसर का भरपूर लाभ उठाते हैं। स्कूल के जिम्मेदारों ने बताया कि स्कूल में पिछले वर्ष पानी के पाइप, मोटर, सहित अन्य सामान चोरी हो चुका है, यदि इसी प्रकार गेट खुला रहेगा तो असामाजिक तत्वों को खुला निमंत्रण है, जिसका वे भरपूर लाभ उठाएंगे।

स्कूलों में शुगर बोर्ड को लेकर बरत रहे अनदेखी बच्चे कैसे जान पाएंगे जंक फूड का काला सच

बच्चे तेजी से हो रहे फास्ट फूड का शिकार, शुगर की जानकारी के लिए लगाए जाने हैं बोर्ड

जागरण,रीवा। स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों के हितों को देखते हुए समय-समय में शिक्षा विभाग द्वारा आदेश जारी किए जाते हैं लेकिन उनका पालन हो रहा है या नहीं यह देखने की जिम्मेदारी जिम्मेदार नहीं उठा रहे हैं। जिससे छात्र-छात्राओं को शासन की मंशा अनुसार लाभ नहीं मिल पाता है। ऐसे ही निर्देशों के तहत पिछले सत्र में लोक शिक्षण संचानालय द्वारा सभी सरकारी स्कूलों में शुगर बोर्ड लगाने के निर्देश दिए गए थे। ताकि बच्चों को शुगर की जानकारी, ऐसी खाद्य सामग्रियां जिनके उपयोग से शुगर हो सकती है। इससे जागरूक किया जा सके लेकिन स्थिति यह है कि स्कूलों में यह बोर्ड लगना तो दूर इसके संबंध में कई जिम्मेदारों को जानकारी ही नहीं है। जो यह बताता है कि विभागीय निर्देशों के पालन में जिम्मेदारी पूरी जिम्मेदारी नहीं निभा रहे हैं।

शिक्षकों की जानकारी वाले बोर्ड भी नदारद : जानकारी के अनुसार स्कूल शिक्षा विभाग ने पिछले शिक्षा सत्र में ही सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को पत्र भेजकर कहा था कि स्कूलों में एक बोर्ड की स्थापना की जाए, जिसमें चीनी के जरूरत से ज्यादा उपयोग की वजह से कौन सी बीमारियां हो सकती हैं। किन-किन सामानों में चीनी ज्यादा होती है। जंक फूड क्या होता है, यह जानकारी हर बच्चे को दी जानी थी। इसके साथ ही हर स्कूल में शक्कर की ज्यादा इस्तेमाल की वजह से होने वाली बीमारियों के बारे में कार्यशालाओं का आयोजन के लिए भी कहा गया था। शिक्षकों को इस बारे में जानकारी दी जाए ताकि बच्चों तक यह जानकारी पहुंच सके और बच्चों में होने वाली डायबिटीज की बीमारी से बचाव किया जा सके लेकिन अधिकांश स्कूलों में शुगर बोर्ड लगाना तो दूर कई स्कूलों के शिक्षकों को इसकी जानकारी ही नहीं है जो यह बताता है कि शासन स्तर पर आने वाले आदेश-निर्देशों को किस तरह नजर अंदाज किया जा रहा है। जानकारों का कहना है कि यह समस्या सरकारी स्कूलों की अपेक्षा निजी स्कूलों में जहां संपल वर्ग के बच्चे पढ़ने आते हैं, वहां बच्चों में मोटापा स्पष्ट दिखता है यहां स्कूलों में शुगर बोर्ड की जरूरत सबसे ज्यादा है, ताकि बच्चे यह समझ सकें कि जिस चॉकलेट, पिज्जा, बर्गर, चिप्स, कोल्ड ड्रिंक को वह बड़े चाव से खा और पी रहे हैं वह दरअसल जानलेवा है।

इसलिए जरूरी है यह बोर्ड : जानकारी के अनुसार भारतीय चिकित्सा विज्ञान परिषद की एक इकाई भारत में मधुमेह के बढ़ते हुए रोगियों की संख्या पर अध्ययन करती है, इसके अनुसार 1990 में भारत में 5.5 प्रतिशत मधुमेह के रोगी थे। 2016 तक आते-आते यह संख्या 7 प्रतिशत तक पहुंच गई। 2018 की सर्वे में यह संख्या 9.3 प्रतिशत थी जो 2021 में बढ़कर 9.7 प्रतिशत हो गई। लगातार बढ़ती शुगर पेशेंट संख्या को देखते हुए शिक्षा विभाग से सभी स्कूलों को निर्देश दिए गए ताकि बच्चे शुरूआत से ही शुगर को समझ सकें, इससे बचने के उपायों को जीवन में उतार सकें। चिकित्सकों का कहना है कि हमारे खानपान की बदलती आदतें और हमारा बदलता हुआ रहन-सहन डायबिटीज की मुख्य वजह है। लोग व्यायाम करने की जगह खाली समय में आराम पसंद करते हैं। मेहनत कम करते हैं जो भोजन हम करते हैं, शरीरिक व्यायाम नहीं होने से मोटापा बढ़ रहा है, सबसे बड़ा संकट बच्चों के सामने है क्योंकि आज कई बच्चे ऐसे जंक फूड का उपयोग कर रहे हैं जो अंजाने में शरीर में शुगर की मात्रा को बढ़ा देता है। तरह-तरह की चॉकलेट, कैंडी, केक, बेकरी आइटम, चिप्स, बर्गर, पिज्जा यह सभी आइटम जंक फूड की श्रेणी में आते हैं। इन सभी खाद्य सामग्रियों में जरूरत से ज्यादा कैलोरी है। इसके साथ ही कोल्ड ड्रिंक आइसक्रीम जैसे खाद्य पदार्थ भी शरीर में शक्कर की मात्रा बढ़ा रहे हैं और इन्हीं को खाने की वजह से बच्चों में मोटापा बढ़ रहा है, जिसकी वजह से कम उम्र में ही बच्चों को डायबिटीज की समस्या हो जाती है।

जानकारी वाले बोर्ड भी नदारद : स्कूलों में शिक्षकों की जानकारी संबंधी बोर्ड भी पूर्व में लगाए गए थे जिसमें स्कूल में पदस्थ शिक्षक-शिक्षिकाओं की फोटो-नाम का उल्लेख होता था, इन बोर्ड को लगाने के पीछे यह वजह बताई जाती थी ताकि आमजनों को स्कूल में पदस्थ स्टाफ की जानकारी हो सके, कई बार इस तरह के मामले सामने आ चुके हैं कि कुछ शिक्षक अपनी जगह किसी दूसरे व्यक्ति को स्कूल में पढ़ाने के लिए रख देते हैं। कई जिले में कुछ इस तरह के मामले सामने आ चुके हैं लेकिन स्कूल स्टाफ की जानकारी देने वाले ये बोर्ड भी अब अधिकांश स्कूलों के कबाड़ में पड़े दिखाई दे रहे हैं।

अमवा में चल रही श्रीमद् भागवत कथा की पूर्णाहुति, भण्डारा आज

जागरण रीवा। जिला मुख्यालय से लगे अमवा गांव में त्रिदंडी मठ गोविंदगढ़ के श्री स्वामी शेषमणिदासाचार्य जी महाराज के सानिध्य में चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा की हवन पूजन के साथ रविवार को पूर्णाहुति हो गई। संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के आखिरी दिन कृष्ण सुदामा की मित्रता पर रोचक कथा सुनाई गई। 27 अप्रैल को संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के समापन के पश्चात भण्डारे का आयोजन किया गया है। श्रीमद् भागवत कथा के मुख्य यजमान कृष्ण बिहारी शुक्ला एवं उनके कनिष्ठ पुत्र रवींद्र शुक्ला निर्मित मंदिर में भगवान शिवजी की प्राण प्रतिष्ठा कराई गई है। इसी के उपलक्ष में श्रीमद् भागवत कथा का अनुष्ठान कराया गया है। इस अवसर पर मंगल प्रसाद शुक्ला, राम मनोहर शुक्ला, गणेश प्रसाद शुक्ला, भुवनेश्वर प्रसाद शुक्ला, अतुल शुक्ला, रामानुज तिवारी, विनय शुक्ला, सुनील शुक्ला, दिनेश शुक्ला आदि भर संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

अपर कलेक्टर ने पीएससी परीक्षा संचालन का लिया जायजा

रीवा। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा पूरे प्रदेश में राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन किया गया। रीवा जिले में परीक्षा के सुचारु और पारदर्शी संचालन को सुनिश्चित करने के लिए पूरी व्यवस्थाएं की गई थीं। अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी ने विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर परीक्षा संचालन का जायजा लिया। उन्होंने परीक्षा केंद्रों में परीक्षार्थियों के प्रवेश और बैठक व्यवस्था सहित अन्य व्यवस्थाओं का अवलोकन किया और केन्द्र प्रभारियों को परीक्षा की गोपनीयता बनाए रखने तथा परीक्षार्थियों द्वारा प्रतिबंधित सामग्री का उपयोग न किए जाने के संबंध में निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

डीसीए सीधी की पहली पारी 71 रनों पर ढेर, शिल्पी चैंपियन को मिली लीड

आरडीसीए की अंतर एकेडमी क्रिकेट प्रतियोगिता

जागरण,रीवा। डिवीजनल क्रिकेट एसोसिएशन के आयोजकत्व में खेली जा रही अंतर एकेडमी क्रिकेट प्रतियोगिता(अंडर-18) के अंतर्गत एमपीसीए क्रिकेट मैदान रीवा में शिल्पी चैंपियन क्रिकेट एकेडमी रींवा एवं डीसीए सीधी के बीच खेले जा रहे 2 दिवसीय तीसरे क्वार्टर फाइनल मैच के पहले दिन के खेल में शिल्पी चैंपियन की टीम ने लगाातर बढ़िया खेल का प्रदर्शन करते हुये सीधी की पहली पारी को मात्र 73 रनों पर समेट कर पहली पारी में लीड लेने में सफलता प्राप्त की है। उक्त जानकारी देते हुये आरडीसीए के सह सचिव देवेश शुक्ला के द्वारा बताया गया कि इस मैच में टॉस जीतकर सीधी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया परंतु शिल्पी चैंपियन एकेडमी के मध्यम तेज गेंदबाजों संजय साकेत एवं आदर्श विश्वकर्मा की जबदस्त गेंदबाजी के सामने सीधी के बल्लेबाजों की एक न चली व उनकी पहली पारी 28वें ओवर में ही 73 रनों के योग पर सिमट गई। सीधी की ओर से शुभ पांडेय ने सर्वाधिक 22 रन बनाये। संजय साकेत एवं आदर्श विश्वकर्मा ने सधी हुयी गेदबाजी करते हुये 4-4 विकेट हासिल किये। सीधी की पहली पारी के समाप्त होने के पश्चात शिल्पी चैंपियन एकेडमी द्वारा अपनी पहली पारी का आगाज किया गया व पहले दिन के खेल की समाप्ति के समय तक शिल्पी चैंपियन एकेडमी ने पहली पारी में 8 विकेट खोकर 125 रन बना लिये हैं। शिल्पी की ओर से दिव्यांश रजक ने 28 रन, आर्यन तिवारी ने 20 रन बनाये। डीसीए सीधी की ओर से कृष्णा वर्मा ने 4 विकेट एवं हार्दिक नारायण तिवारी तथा पुण्यांशु दुबे ने 2-2 विकेट लिये। पहले मैच में डब्ल्यूसीए एकेडमी को पराजित करने वाली शिल्पी चैंपियन की टीम अपने कोच नवीन तिवारी के कुशल मार्गदर्शन में दूसरे मैच में भी सीधी के खिलाफ पहली पारी में अत्यंत महत्वपूर्ण 52 रनों की लीड लेने में सफल रही है जो अंत में निर्णायक साबित हो सकती है तथा शिल्पी चैंपियन के सेमीफाइनल में प्रवेश की भी पूरी संभावना है। इस मैच के अंपायर अमित शर्मा एवं निशी मिश्रा हैं जबकि स्कोरर रोशन मिश्रा हैं।

एसडीसी एकेडमी मैहर की हालत खस्ता

वही अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय स्टेडियम में एसडीसी एकेडमी मैहर एवं आरडीसीए एकेडमी रीवा के बीच खेले जा रहे चौथे क्वार्टर फाइनल मैच में आरडीसीए की टीम ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुये पहले दिन ही एसडीसी मैहर के खिलाफ निर्णायक लीड प्राप्त कर ली है। इस मुकाबले में एसडीसी मैहर की टीम की पहली पारी 31 ओवरों मात्र 62 रनों पर सिमट गयी जिसमें अकेले लकी वंशकार ने 34 रन बनाये। स्पष्ट है कि मैहर के शेष 10 बल्लेबाजों ने मिलकर मात्र 21 रन जोड़े, क्योंकि 7 रन अतिरिक्त के थे। आरडीसीए के मध्यम तेज गेंदबाज पियूष सिंह ने घातक गेंदबाजी की तथा 8 ओवरों में 26 रन देकर 5 विकेट हासिल किये। उनके अतिरिक्त मेहुल अग्रवाल एव अंश गौतम को 2-2 विकेट मिले। एसडीसी एकेडमी मैहर की पहली पारी को सस्ते में समेटने के बाद आरडीसीए ने अपनी पहली पारी आरंभ की तथा पहले दिन के खेल के खत्म होने के समय तक 5 विकेट खोकर 140 रन बनाते हुये मैच को लगभग अपनी गिरफ्त में जकड़ लिया है। इस मैच में धीरेन्द्र शुक्ला एवं उमेश द्विवेदी के द्वारा अंपायर का दायित्व निभाया जा रहा है जबकि शांतनु तिवारी मैच में स्कोरर हैं।

प्राइमरी तक स्कूल में अवकाश आंगनबाड़ियों को भूले कलेक्टर

रीवा। एक ओर भीषण गर्मी के चलते कलेक्टर द्वारा जिले में संचालित निजी व शासकीय स्कूलों का समय बच्चों के स्वास्थ्य को देखते हुए बदल दिया गया। कक्षा एक से पांचवीं तक के बच्चों का 30 अप्रैल तक अवकाश घोषित कर दिया गया है लेकिन कलेक्टर आंगनबाड़ी केंद्र को भूल गए हैं जहां मासूम बच्चे भीषण गर्मी में भी पहुंच रहे हैं, जबकि सबसे ज्यादा गर्मी से बचाने की आवश्यकता इन्हीं मासूम 1 से 3 साल तक के बच्चों की रहती है। इसके ठीक विपरीत जिले भर में चल रहे आंगनबाड़ी केंद्र इन दिनों भगवान भरोसे चल रहे हैं। भीषण गर्मी के बावजूद आंगनबाड़ी केंद्रों के संचालन समय में अब तक कोई बदलाव नहीं किया गया है। जहां एक ओर तापमान लगातार बढ़ रहा है, वहीं छोटे-छोटे बच्चों और गर्भवती महिलाओं को तय समय पर केंद्र पहुंचना पड़ रहा है, जिससे उनकी सेहत पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका बनी हुई है। क्योंकि भीषण गर्मी में भी आंगनबाड़ी केंद्रों का समय आज दिनांक तक नहीं बदला गया है। जिससे बच्चे सुबह 9 बजे आंगनबाड़ी केंद्रों में जाते हैं और तपती दोपहर में 2 बजे के बाद तक बैठते हैं। सबसे बड़ी बात यह है कि बच्चे आंगनबाड़ी केन्द्रों में गर्मी से झुलस रहे हैं लेकिन एसी में बैठे अधिकारी और कर्मचारी बच्चों के स्वास्थ्य के प्रति बिल्कुल चिंतित नहीं हैं। इसलिए अभी तक आंगनबाड़ी केंद्रों का समय बदला नहीं गया है। जबकि आंगनबाड़ी केंद्रों में तीन वर्ष से पांच वर्ष की उम्र के बच्चे अध्ययन करते हैं। इसके बावजूद भी महिला बाल विकास के जिम्मेदार अधिकारियों ने आंगनबाड़ियों का समय बदलने के लिए कलेक्टर के पास अधिकृत कोई प्रस्ताव नहीं भेजा है। जबकि डॉक्टरों की सलाह है कि तापमान में वृद्धि के चलते दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक की धूप का बचाव करना स्वास्थ्य के लिए बहुत ही जरूरी है। बच्चों के अभिभावकों द्वारा मांग की जा रही है कि आंगनबाड़ी केंद्र के अवकाश घोषित किया जाए या फिर सुबह के समय केंद्रों का संचालन किया जाए। क्योंकि बच्चों और उनके अभिभावकों को परेशान होना पड़ रहा है।

कैसे होगा नैक मूल्यांकन

बगैर 2एफ, 12वीं की मान्यता के चले रहे सरकारी कॉलेज

जिले में 6 व सम्भाग में 35 कॉलेजों की स्थिति खराब, शासन नहीं दे रहा ध्यान

जागरण,रीवा। जिले के 6 सरकारी महाविद्यालयों के पास 2एफ और 12 बी की मान्यता नहीं है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा तय मान्यता न होने पर संबंधित महाविद्यालयों का नैक मूल्यांकन नहीं हो सकता। फिर भी उच्च शिक्षा विभाग ऐसे सभी महाविद्यालयों को नैक मूल्यांकन कराने हर माह निर्देशित कर रहा है। संबंधित महाविद्यालयों के पास स्वयं का भूमि-भवन, नियमित स्टॉफ व अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर न होने पर उक्त मान्यता नहीं है। लिहाजा सरकार ऐसे महाविद्यालयों को मूलभूत सुविधा देने के बजाये हर साल नये महाविद्यालय खोलने की घोषणा करती जा रही है। गौरतलब है कि अतिरिक्त संचालक उच्च शिक्षा क्षेत्रीय कार्यालय रीवा अंतर्गत 88 सरकारी महाविद्यालय हैं। रीवा जिले में 18 सरकारी महाविद्यालय हैं, जिनमें से 6 महाविद्यालयों के पास भूमि-भवन नहीं है। ऐसे ही एडी रीवा अंतर्गत भूमि-भवन विहीन सरकारी महाविद्यालयों की संख्या 35 है। इन सभी महाविद्यालयों में मूलभूत सुविधा न होने से शैक्षणिक गुणवत्ता खासी प्रभावित हो रही है। लिहाजा ऐसा भी प्रतीत होता है कि सरकार ने इन महाविद्यालयों को सिर्फ कागज में दिखाने के लिए खोला है।

यूजीसी से नहीं मिल रही आर्थिक मदद

बताते हैं कि इन महाविद्यालयों को आज तक यूजीसी से किसी तरह का अनुदान भी नहीं मिला। चूंकि संबंधित महाविद्यालयों के पास 2एफ और 12बी की मान्यता नहीं है, इसलिए यूजीसी से संबंधित महाविद्यालयों को किसी तरह की आर्थिक मदद नहीं मिल पा रही। इधर वर्षों से इन महाविद्यालयों को राज्य शासन की ओर से भी ठेंगा ही मिला है। **बैठकें सिर्फ कागजों तक सीमित :** गत दिनों उच्च शिक्षा विभाग की एक बैठक भोपाल में हुई। विभाग के मुखिया की अध्यक्षता में हुई बैठक में भी नैक मूल्यांकन संबंधी चर्चा हुई। बैठक में सभी महाविद्यालयों की एसएसआर रिपोर्ट नैक बोर्ड भेजने के लिए कहा गया। अब चूंकि भूमि-भवन विहीन महाविद्यालयों के पास 2एफ और 12बी की मान्यता ही नहीं है। ऐसे में वह नैक बोर्ड को एसएसआर रिपोर्ट भेजने की पात्रता ही नहीं रखते। फिर भी वरिष्ठ अधिकारी इन कमियों की अनदेखी सालों से करते आ रहे हैं। हाल ही में विभाग ने सभी कॉलेजों को 2एफ और 12बी की मान्यता के लिए यूजीसी के समक्ष आवेदन भी करने के लिए कहा है। विभाग के इस निर्देश का पालन करने में भी कॉलेज प्रबंधन हिचक रहे हैं।

जिले के इन महाविद्यालयों का बुरा हाल : रीवा जिले में शासकीय महाविद्यालय मनगवां को 2एफ, 12बी की मान्यता नहीं है। इसी तरह शासकीय महाविद्यालय सेमरिया, नष्टिगवां, गोविंदगढ़ व बैकुंठपुर भी 2एफ, 12बी की मान्यता से विहीन है। नईगढ़ी महाविद्यालय का अपना भवन बन गया है लेकिन आवेदन कार्यवाही पूरी न होने से इस महाविद्यालय को भी 2एफ और 12बी की मान्यता नहीं मिली है।

इन 35 कॉलेजों को नहीं है 2एफ की मान्यता

रीवा- गोविंदगढ़, मनगवां, बैकुण्ठपुर, हनुमना, नष्टिगवां, व सेमरिया स्थित सरकारी कॉलेज
सतना- रामनगर, रामपुर बाघेलान, उचेहरा, अमदरा, बदेरा, बिरसिंहपुर, नादन, ताला
सीधी- कुसुमी, सिंहावल, मड़वास, खड्डी, मझौली
सिंगरौली- कन्या सिंगरौली, कन्या बैढ़न, सर्रई, माड़ा, चितरंगी, रजमिलान, बरगवां स्थित सरकारी कॉलेज
शहडोल- गोहपारू, कशवाही
उमरिया- मानपुर, चंदिया, नौरोजाबाद स्थित सरकारी कॉलेज
अनूपपुर- बिजूरी, राजनगर, व्यकंट नगर, जैतहरी स्थित सरकारी कॉलेज

डॉ. सुधाकर द्विवेदी की पुण्यतिथि पर लगा रक्तदान शिविर

रीवा। मेडिकल टीचर्स एसोसिएशन, मेडिकल कॉलेज रीवा द्वारा डॉ. सुधाकर द्विवेदी की प्रथम पुण्यतिथि पर सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक में रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। डॉ. सुधाकर द्विवेदी एनेस्थीसिया विभाग के पूर्व प्रमुख एवं सुपर स्पेशलिटी ब्लॉक के प्रथम अधीक्षक थे। उनके 20 वर्षीय कार्यकाल में विभाग ने उल्लेखनीय प्रगति की। शिविर में मेडिकल टीचर्स , सर्जरी एवं एनेस्थीसिया विभाग के छात्रों ने रक्तदान किया। मुख्य रक्तदाता डॉक्टर्स में डॉ. मनोज तेंदुलकर, डॉ. प्रियंक शर्मा, डॉ. अवतार सिंह यादव, डॉ. विष्णु पटेल, डॉ. सुभाष अग्रवाल, डॉ. आलोक सिंह, डॉ. राजीव द्विवेदी, डॉ. पुष्पेंद्र शुक्ला, डॉ. पद्मा शुक्ला, डॉ. लालमणि सिंह, डार्बिन डॉ. रवि ,विनोद दादलवार, डॉ. आशुतोष असाटी, डॉ. संतोष सिंह, डॉ अर्जुन परमार, डॉ. अक्षरा श्रीवास्तव, डॉ. रवि प्रकाश सिंह एवं डॉ. निधि द्विवेदी शामिल रहे। इस शिविर का उद्देश्य समाज में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैलाना था। डॉ. सुधाकर द्विवेदी जी की स्मृति में आयोजित यह शिविर उनकी सेवा भावना को आगे बढ़ाने का सार्थक प्रयास रहा।

33 यूनिट रक्तदान कर समाज को नई दिशा दे रहा निरंकारी मिशन

18 वर्ष के 13 बच्चों ने, प्रथम बार रक्तदान किया

जागरण, रीवा। सतगुरू माता सुदीक्षा जी महाराज के आदेशानुसार हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी ईदगाह रोड, घोघर स्थित संत निरंकारी भवन में संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन द्वारा रविवार को सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक विशाल रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें 74 पुरुष एवं 59 महिलाओं ने इसमें अपना योगदान दिया। शिविर का उद्घाटन डॉ. आशुतोष एवं बतौर मुख्य अतिथि रीवा सिंधी समाज के अध्यक्ष दादा प्रहलाद सिंह ने रिबन काटकर किया। प्रहलाद सिंह ने मिशन के सेवा कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि रक्तदान न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती प्रदान करता है, बल्कि यह समाज में एकजुटता और भाईचारे का सशक्त संदेश भी प्रसारित करता हैं। निरंकारी मिशन आध्यात्मिक ज्ञान के साथ-साथ जनसेवा के क्षेत्र में भी रीवा में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। इस रक्तदान शिविर में संजय गांधी श्यामशाह चिकित्सालय ब्लड बैंक से डॉ. लोकेश त्रिपाठी जी, डॉ. राकेश कुमार धनकर जी, डॉ. सुशील कुमार वर्मा जी एवं बिछिया हॉस्पिटल के ब्लड बैंक इंचार्ज डॉ. सबा हुसैन जी अपनी-अपनी टेक्निकल और पैरामेडिकल स्टाफ़ टीम के साथ मिलकर इस कार्य को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई।उ निरंकारी मिशन रीवा ब्रांच के संयोजक बहन राजकुमारी ककवानी ने निरंकारी बाबा हरदेव सिंह के कथन को दोहराते हुए कहा कि रक्त नालियों में नहीं, नाड़ियों में बहना चाहिए और सभी रक्तदाताओं का हृदय से धन्यवाद किया एवं कहा कि आपके रक्त से कई लोगों की जान भी बचाई जाएगी। इस रक्तदान शिविर को सम्पन्न कराने में निरंकारी मिशन रीवा के रक्तदाता इंचार्ज महात्मा रवि जोतवानी जी का विशेष योगदान रहा।

हरदुआ चोरी कांड का खुलासा, आरोपी गिरफ्तार

रात 2 बजे घर में घुसकर घटना को दिया था अंजाम

जागरण, सतना

घर में घुसकर चोरी की घटना को अंजाम देने वाले आरोपी को सभापुर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है उसके कब्जे से चोरी की गई सामग्री भी जप्त की गई है। यह घटना 21-22 अप्रैल की दरमियानी रात हुई थी जब आरोपी ने रात 2 बजे चोरी की घटना को घर में घुसकर अंजाम दिया था। यह कार्यवाही एसपी हंसराज सिंह के निर्देश , एएसपी प्रेमलाल कुर्वे एवं एसडीओपी राजेश सिंह बंजारे के मार्गदर्शन में सभापुर पुलिस द्वारा की गई है। घटना की रिपोर्ट रविशंकर द्वारा दर्ज कराई गई थी। जिसमें पुलिस ने आरोपी कृष्णकुमार कुशवाहा को गिरफ्तार किया है। जांच में पाया गया कि बाड़े के गेट का ताला टूटा हुआ था और बोलेरो से म्यूजिक सिस्टम जैक.पाना व करीब 2000 रुपये नगदी गायब थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक हंसराज सिंह के निर्देशन एवं चित्रकूट क्रच् राजेश बंजारे के मार्गदर्शन में सब इंस्पेक्टर अशोक गर्ग ने सहयोगी पुलिस कर्मी आरक्षक शुभम सिंह अमोद शर्मा और सैनिक अंकित शुक्ला के साथ जांच शुरू की और मुखबिर सूचना के आधार पर आरोपी कृष्ण कुमार कुशवाहा उर्फलाली 24 वर्ष निवासी हरदुआ को गिरफ्तार कर लिया।

ये सामग्री जप्त : पूछताछ में आरोपी ने चोरी करना स्वीकार किया जिसके बाद उसके कब्जे से लोहे का जैक रिंच पाना म्यूजिक सिस्टम परफ्यूम की डिब्बी प्लास्टिक की शंकर की मूर्ति एवं 1500 रुपये नगद बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध कर न्यायालय में पेश किया जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया। इस कार्रवाई से क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता एक बार फिर सामने आई है।

कामता बस्ती के रास्ते में भरे गंदे पानी से गुजर रहे लोग

जागरण, सतना। नगर परिषद चित्रकूट क्षेत्र अंतर्गत वार्ड क्रमांक 01 कामता बस्ती में पिछले तीन माह से घरों के सामने और बीच रास्ते में गंदा पानी भरा हुआ है जिससे लोगों का निकलना और रहना दूभर हो गया है। नाली का गंदा पानी जमा होने के कारण मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है और संक्रामक बीमारियों का खतरा भी मंडरा रहा है। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह सड़क नगर परिषद 2 लाख का टेबल टेंडर राजा तिवारी नामक ठेकदार को देकर बनाई गई थी लेकिन सड़क का निर्माण अधूरा छोड़ दिया गया। नाली निर्माण तो दूर जल निकासी की कोई उचित व्यवस्था नहीं की गई जिससे गंदा पानी लगातार जमा हो रहा है। इस गंभीर समस्या को लेकर नगर परिषद अधिकारी अंकित सोनीए अध्यक्ष सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारियों को कई बार अवगत कराया जा चुका है लेकिन अब तक समस्या के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

बधू चाहिए

पाण्डेय इटिया ब्राम्हण श्रावण्य गोत्र, मांगलिक नहीं, उम्र 30 वर्ष, 5 फिट 3 इंच शिक्षक, पीएचडी रनिंग, माता-पिता दोनों शासकीय शिक्षक हेतु सर्व ब्राम्हण मान्य वधू चाहिए।
संपर्क- 7415111804, 9993493384
मैरिज ब्यूरो संपर्क ना करें।
R.N. 82243

लोन

लोन फाईनेंस सर्विस रीवा संभाग में विशेष लोन व्यवस्था मुद्रा लोन, आधार कार्ड, मार्कशीट, पर्सनल, कृषि लोन और सभी प्रकार के लोन 2% ब्याज 50% छूट (एजेंट आमंत्रित) संपर्क - 8962086944

धधक रही छुहिया घाटी, दो जिलों की टीमें तैनात

बघवार जंगल में चौथे दिन भी आग की उठ रही तेज लपटें

एक किलोमीटर से ज्यादा क्षेत्र में फैल चुकी है आग

जागरण, सीधी

जिले के पश्चिमांचल बघवार क्षेत्र से लगे छुहिया घाटी के जंगल में चौथे दिन भी आग धधकती रही। आग को बुझाने के लिए सीधी और रीवा जिलों की वन टीमें कड़ी मशक्कत कर रही हैं। सीधी जिले से 13 वन कर्मचारी एवं रीवा से 20 वन कर्मचारी आग बुझाने की कवायत में लगे हुए हैं। संसाधनों की कमी के चलते आग बुझाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। आग अब अल्ट्राटेक सीमेंट प्लांट के समीपी जंगल में लगी हुई है। बताया गया है कि एक किलोमीटर से ज्यादा क्षेत्र में फैली आग को बुझाने के सभी प्रयास कामयाब नहीं हो पा रहे हैं। सूखे पत्तों और झाड़ियों के चलते आग का फैलाव लगातार बढ़ रहा है। दोपहर में भीषण गर्मी और तेज हवाओं के कारण आग की लपटें काफी तेजी के साथ बढ़ रही हैं। आग की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि इसकी चपेट में आने से जंगल का एक बड़ा हिस्सा राख हो चुका है। आग बुझाने में लगी वन्य टीमों को दोपहर में जहां तेज हवाओं के चलते आग बुझाने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है वहीं रात के अंधेरे में संसाधनों की कमी के चलते समस्याएं बनी हुई हैं। उधर लोगों का कहना है कि जंगल में आग लगने के दौरान वन विभाग के अमले द्वारा तत्परता नहीं दिखाई गई जिसके चलते आग का फैलाव लगातार होता रहा। जंगल में सूखे पत्तों एवं काफी झाड़ियों के मौजूद होने के कारण आग का फैलाव लगातार हो रहा है। आग बुझाने के लिए आधुनिक साधनों की बजाय वन विभाग की टीमों द्वारा काफी पुराने पैटर्न पर आग बुझाने की कोशिसें की जा रही हैं। समूचे क्षेत्र में जंगल में लगी भीषण आग के चलते काफी दहशत भी व्याप्त है। फिर भी यह माना जा रहा है कि जंगल में लगी आग को काबू में करने के लिए वन विभाग की ओर से पूरी ताकत झोंकी जा रही है। आग को नियंत्रित करने में कब तक सफलता मिलेगी इसको लेकर गोलमाल जवाब सामने आ रहा है। यदि जल्द आग पर काबू नहीं पाया गया तो जंगल में वृक्षों की भारी तबाही होगी। आग के चलते पर्यावरण को भी भारी नुकसान हो रहा है। जिसकी भरपाई लंबे समय तक नहीं हो पाएगी।

भीषण गर्मी में जंगलों में बढ़ी आग लगने की घटनाएं

भीषण गर्मी की विभीषिका बढने के साथ ही तापमान लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में जंगलों में आग लगने की घटनाएं सर्वाधिक सामने आ रही हैं। जिला मुख्यालय के समीपी पटेरा-गोरियरा के जंगल में भी आग लगने की घटना के कारण समीपी ग्रामीणों के कई झोपड़ियां चपेट में आ चुकी हैं। इसके अलावा जंगलों में आग लगने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। गर्मी के दस्तक देने के साथ सीधी जिले में आगजनी की घटनाएं हर साल में बढने लगती हैं। आरंभ में जहां खलिहानों में आग लगने की घटनाएं सामने आती हैं। वहीं घर एवं दुकानों में भी आग लगने की घटनाओं में इजाफा होने लगता है। जिले में गर्मी के मौसम में आगजनी की कई बड़ी घटनाएं सामने आई हैं, जिनमें मुख्य रूप से शार्ट सर्किट और सूखी फसलों को कारण माना जा रहा है। सिहावल तहसील के कपुरी बेदौलिहान गांव में अभी शार्ट सर्किट के कारण 4 एकड़ में फैली तैयार फसल और 30-35 पेड़ जलकर खाक गये। ग्रामीणों ने स्वयं आग बुझाई, क्योंकि दमकल समय पर नहीं पहुंच पाई थी। इसी तरह मझौली ब्लाक के कचहरिया गांव में एक नर्सरी में देर रात आग लगने ने हजारों फलदार और औषधिय पौधे जलकर खाक हो गये, जिससे लाखों का नुकसान हुआ।

कार्यालय, अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं सक्षम प्राधिकारी भू-अर्जन, एवं पुनर्वास अनुभाग-सिरमौर जिला-रीवा (म.प्र.)

क्रमांक 104 भू-अर्जन/कार्य/2026 सिरमौर, दिनांक 21/4/2026

प्रारूप-ख

(नियम 5 का उपनियम (2) देखिए)

अतएव राज्य सरकार को भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के प्रयोजन के लिए यह आवश्यक प्रतीत होता है कि उस भूमि में, जिसमें भूमिगत पाइप लाइन बिछाये जाने का प्रस्ताव है, जो इस अधिसूचना से संलग्न अनुसूची में वर्णित है, उपयोग के अधिकार का अर्जन किया जाए। अतएव, मध्यप्रदेश भूमिगत पाइप लाइन (भूमि के उपयोक्ता के अधिकारों का अर्जन) अधिनियम, 2013 (क्रमांक 5 सन् 2013) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए राज्य सरकार, उसमें उपयोग के अधिकार का अर्जन करने के अपने आशय की घोषणा करती है। कोई व्यक्ति जो उक्त अनुसूची में वर्णित भूमि में हितबद्ध है, उस तारीख से जिसको उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के अधीन अधिसूचना राजपत्र में प्रकाशित होती है, इक्कीस दिवस के भीतर भूमि के नीचे पाइप लाइन बिछाये जाने के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं सक्षम प्राधिकारी भू-अर्जन एवं पुनर्वास अनुभाग-सिरमौर, जिला-रीवा को लिखित में भेज सकेगा।

अनुसूची

अनुक्रमांक	ग्राम का नाम/पटवारी हल्का क्रमांक	खसरा क्रमांक	कुल क्षेत्र (हेक्टेयर में)	भूमिगत पाइप लाइन बिछाने के अधिकार के लिये अपेक्षित भूमि (हेक्टेयर में)
1	2	3	4	5
1	ग्राम-बड़ी हर्रई पटवारी हल्का- बड़ी हर्रई तहसील-सेमरिया जिला-रीवा	267/1	2.112	
2		267/2/1	0.546	
3		267/2/18	0.020	
4		267/3/5	0.121	0.005
5		267/3/18	0.020	
6		0.299	267/3/1	
7		267/3/19	0.020	
8		265	1.348	0.010
9		263/1/1	0.026	
10		263/1/2	0.026	0.003
11		263/2	0.053	
12		262/1	0.190	0.022
13		262/2	0.190	
14		262/3	0.190	
15		262/4/1	0.069	
16		262/4/2	0.069	
17		262/5	0.137	
18		262/6	0.190	
19		262/7	0.191	
20		261/1/1	0.014	
21		261/1/2	0.014	
22		261/1/3	0.015	
23		261/1/4	0.015	0.003
24		261/1/5	0.015	
25		261/2	0.073	
26		261/3	0.173	
27		260/1/1	0.419	
28		260/1/2	0.419	
29		260/1/3	0.394	
30		260/1/4	0.419	0.030
31		260/3	1.575	
32		260/2/1	0.540	
33		260/2/2	0.540	
34		260/3	1.575	
35		258/1/1	0.033	
36		258/1/2	0.033	
37		258/1/3	0.032	
38		258/1/4	0.032	0.013
39		258/1/5	0.032	
40		258/2/1	0.538	
41		258/2/2	0.538	
42		258/3	0.203	
43		259/1/1	0.026	
44		259/1/2	0.419	0.015
45		259/2/1	0.051	
46		259/2/2	0.050	
47		259/3	0.481	
48		232/1	2.201	0.038
49		232/2	2.201	
50		233/1	0.235	
51		233/2	0.238	0.015
52		233/3	0.474	
53		234/1	0.437	
54		234/2/1	0.220	0.014
55		234/2/2	0.221	
56		53/1/1	0.385	
57		53/1/2/1	0.063	
58		53/1/2/2	0.063	0.035
59		53/1/2/3	0.064	
60		53/2/1	0.280	
61		53/2/2	0.295	
62		51/1/1/1	0.065	
63		51/1/1/2	0.069	
64		51/1/1/3	0.065	
65		51/1/2/1/1	0.080	
66		51/1/2/1/2	0.135	
67		51/1/2/1/3	0.085	0.016
68		51/1/2/2	0.101	
69		51/1/3	0.202	
70		51/2/1	0.400	
71		51/2/2/1	0.133	
72		51/2/2/2	0.134	
73		51/2/2/3	0.134	
74		20/1/1/1	0.429	
75		20/1/1/2	0.429	
76		20/1/2	0.862	0.015
77		20/2/1	0.433	
78		20/2/2	0.425	
79		20/3/1/1/1	0.108	
80		20/3/1/1/2	0.108	
81		20/3/1/2/1	0.109	
82		20/3/1/2/2	0.108	
83		20/3/2	0.429	
84		18/1	0.366	
85		18/2/1	0.171	0.021
86		18/2/2	0.172	
87		16/1/1	0.105	
88		16/1/2	0.319	
89		16/1/3	0.105	
90		16/1/4	0.110	
91		16/2/1/1	0.024	0.012
92		16/2/1/2	0.025	
93		16/2/1/3	0.024	
94		16/2/2	0.287	
95		16/2/3	0.284	
96		611/1/14/1	0.028	
97		611/2/1/14/2	0.142	
98		611/2/2/14/2	0.141	
99		611/3/1/14	0.283	0.058
100		611/3/2/14	0.324	
101		611/3/3/14	0.324	
102		611/3/4/14	0.283	
103		12/1	0.036	
104		12/2/1	0.018	0.003
105		12/2/2	0.018	
106		12/2/3	0.017	
107		13/1/1	0.036	
108		13/1/2/1	0.020	
109		13/1/2/2	0.016	0.002
110		13/1/3	0.036	
111		13/1/4	0.028	
112		13/1/5/1	0.004	
113		13/1/5/2	0.004	
114		13/1/6	0.037	
115		13/1/7	0.024	
116		13/2	0.211	
117		606/65/1	0.169	0.016
118		606/65/2	0.729	
	(अ) निजी भूमि का योग-	118 किता	31.825	0.346
1		305	0.991	0.006
2		264	7.790	0.064
3		50	0.926	0.004
4		21	7.349	0.022
	(ब) म. प्र. शासन की भूमि का योग-	4 किता	17.056	0.096
	अ+ब का योग-	122 किता	39.174	0.368

अनुविभागीय अधिकारी
अपर सी.डब्ल्यू.सी. उप संभाग क्र.-3
गोविंदगढ रीवा (म.प्र.)

कार्यपालन यंत्री,
क्योटी नहर संभाग रीवा (म.प्र.)

अनुविभागीय अधिकारी (रा.) एवं सक्षम प्राधिकारी, भू-अर्जन एवं पुनर्वास अनुभाग सिरमौर जिला-रीवा (म.प्र.)

G-12040/26

संक्षिप्त खबरें

कूनो नेशनल पार्क बना चीता प्रजनन केंद्र

भोपाल । मध्यप्रदेश का कूनो नेशनल पार्क अब चीतों का केवल आश्रय स्थल नहीं रहा, बल्कि एक सफल चीता प्रजनन केन्द्र के रूप में दुनिया भर में अलग पहचान बना चुका है। नामीबिया और दक्षिण अफ्रीका से लाए गए चीते यहां की जलवायु और पारिस्थितिकी तंत्र में पूरी तरह से रच बस गये हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, यहां की भौगोलिक परिस्थितियां और पर्याप्त शिकार चीतों के प्रजनन के लिए बेहद अनुकूल सिद्ध हुए हैं। मादा चीतों द्वारा लगातार शावकों को जन्म देना इस बात का प्रमाण है कि वे तनावमुक्त हैं और कूनो को अपना प्राकृतिक आवास मान चुकी हैं।कूनो का ब्रीडिंग सेंटर बनना केवल पर्यावरणीय उपलब्धि नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। चीतों की बढ़ती संख्या के साथ यहां वाइल्डलाइफ टूरिज्म की संभावनाएं कई गुना बढ़ गई हैं। इससे श्योपुर और आसपास के जिलों में रोजगार के नए अवसर सृजित हो रहे हैं और स्थानीय युवाओं के लिए नई संभावनाएं खुल रही हैं।

जमानत खारिज होते ही कोर्ट से भागा आरोपी

जागरण, इंदौर। जमानत आवेदन खारिज होते ही एक आरोपी जिला न्यायालय परिसर में पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया। जमानत आवेदन खारिज होने के बाद आरोपी को जेल भेजने की तैयारी चल रही थी, इसी दौरान वह पुलिस को चकमा देकर भाग निकला। मामला शहर के एमजी रोड थाना क्षेत्र का है। आरोपी राजकुमार मालवीय, को शनिवार को कोर्ट नंबर 14 में पेश किया था। सुनवाई के दौरान न्यायालय ने उसका जमानत आवेदन निरस्त कर दिया और उसे न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजने के आदेश दिए। जैसे ही आरोपी को जेल वारंट की जानकारी दी, उसने मौके का फायदा उठाया और पुलिस अभिरक्षा से फरार हो गया। घटना के बाद कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया। पुलिसकर्मियों ने उसे काफी तलाश किया, लेकिन वह नहीं मिला।

नक्सल अभियान में तैनात सीआरपीएफ जवान की मौत

जागरण, बालाघाट। जिले में नक्सल विरोधी अभियान में तैनात सीआरपीएफ की 7वीं बटालियन के एक जवान की अचानक मौत हो गई। जवान श्रीराम (38 वर्ष) को तबीयत बिगड़ने के बाद अस्पताल लाया गया था, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। जवान श्रीराम को अचानक चक्कर आया और वे बेहोश होकर गिर पड़े। बटालियन कैंप में शुरुआती इलाज देने के बाद उन्हें तुरंत जिला अस्पताल ले जाया गया लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पीएम कराकर जांच शुरू कर दी है। जवान की मौत की असली वजह पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही साफ होगी। शुरुआती तौर पर माना जा रहा है कि किसी अचानक आई बीमारी की वजह से यह घटना हुई है। सीआरपीएफ के अधिकारी भी अपने स्तर पर मामले की पड़ताल कर रहे हैं। मृतक जवान श्रीराम बिहार के बक्सर जिले के पांडेपट्टी गांव के निवासी थे, उनके पार्थिव शरीर को सम्मान के साथ उनके गृह ग्राम भेज दिया है।

चार दिन में 16 नेताओं को मिलेगा मंत्री स्तर का दर्जा

पूर्व मंत्री रावत को वन विकास निगम, तो महेन्द्र अपेक्स बैंक के प्रशासक बने, कई सदस्य भी हुए नियुक्त

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने लगातार चौथे दिन भी राजनीतिक नियुक्तियों के आदेश जारी किए। अब तक 16 भाजपा नेताओं को अध्यक्ष, उपाध्यक्ष नियुक्त कर उन्हें मंत्री दर्जा दिया गया। रविवार को पूर्व मंत्री रामनिवास रावत को मध्यप्रदेश वन विकास निगम का अध्यक्ष बनाया गया, तो ग्वालियर के महेन्द्र सिंह यादव को अपेक्स बैंक का प्रशासक नियुक्त किया गया है। इनके अलावा उज्जैन, अमरकंटक, ग्वालियर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष उपाध्यक्षों की भी नियुक्ति कर दी गई। शासन के विभिन्न विभागों द्वारा रविवार को अलग-अलग चार आदेश जारी किए गए। वन विभाग द्वारा जारी आदेश में पूर्व मंत्री रामनिवास रावत को राज्य वन विकास निगम लिमिटेड के संचालक मंडल का अध्यक्ष मनोनीत कर दिया। रावत पहले सरकार के वन मंत्री रहे हैं, लेकिन उपचुनाव हारने की वजह से उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा। इसी तरह सहकारिता विभाग ने ग्वालियर के महेंद्र सिंह यादव को मप्र राज्य सहकारी बैंक मर्यादित भोपाल के प्रशासक पद पर नियुक्त कर दिया। अभी तक यह पद

विभाग के प्रमुख सचिव संभाल रहे थे। यादव का निर्वाचन प्रक्रिया के उपरांत अध्यक्ष बनना लगभग तय माना जा रहा है। इसके अलावा नगरीय प्रशासन विभाग ने अपने तीन आदेश के जरिए रवीन्द्र सोलंकी को उज्जैन विकास प्राधिकरण का अध्यक्ष नियुक्त कर दिया, तो मुकेश यादव और रवि वर्मा उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। इनके अलावा विजय अग्रवाल, अमित श्रीवास्तव, रामचंदख शर्मा, सुशीला जाट, दुर्गा बिलोटिया को उज्जैन विकास प्राधिकरण का सदस्य बनाया गया है। अशोक शर्मा विशेष क्षेत्र विकास प्राधिकरण (साडा) ग्वालियर के अध्यक्ष होंगे। उनके साथ ही हरीश मेवाफरोश उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। जबकि ग्वालियर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष के तौर पर मधुसूदन भदौरिया को नियुक्त किया गया है। उनके साथ सुधीर गुप्ता,वेदप्रकाश शिवहरे उपाध्यक्ष बनाए गए है। नगरीय प्रशासन के एक अन्य आदेश में राजेन्द्र भारती को अमरकंटक विकास प्राधिकरण का अध्यक्ष बनाया गया है।

अब तक इनकी हो चुकी है नियुक्ति

सरकार ने सबसे पहले एससी और एसटी आयोग के अध्यक्ष के पद पर क्रमशः रामलाल रौतेल और कैलाश जाटव की नियुक्ति की थी। इन दोनों आयोगों में सदस्यों को भी नियुक्त किया गया है। इसी तरह केशव सिंह बघ्रेल पशुधन एवं कुक्कुट विकास निगम,अशोक जादौन ग्वालियर मेला प्राधिकरण,पूर्व सांसद के.पी.यादव नागरिक आपूर्ति निगम संजय नगाएच वेयर हाउसिंग कॉपोरेशन और केशव सिंह भदौरिया महाराणा प्रताप बोर्ड के अध्यक्ष नियुक्ति किये गए है। इनके अलावा उदयवीर सिंह गुर्जर ग्वालियर मेला प्राधिकरण के उपाध्यक्ष,संजीव कांकर नागरिक आपूर्ति निगम के उपाध्यक्ष की भी नियुक्ति की गई है। जानकारों के अनुसार इन नियुक्त अध्यक्ष और उपाध्यक्षों को नियमानुसार कैबिनेट और राज्य मंत्री स्तर का दर्जा प्रदान किया जाएगा।

भोपाल जबलपुर इंदौर प्राधिकरण होल्ड पर

इधर भोपाल विकास प्राधिकरण में भी अध्यक्ष और उपाध्यक्ष पद पर नियुक्ति किए जाने की चर्चा दिन भर रही,लेकिन ऐन वक्त पर यहां की नियुक्तियां रोक दी गई। इसी तरह इंदौर और जबलपुर विकास प्राधिकरण में होने वाली नियुक्तियों पर भी अंतिम निर्णय नहीं हो सका है। जानकारों की माने तो देवास सहित कुछ और प्राधिकरणों में एक दो दिन में नियुक्यिां की जा सकती है। इधर मध्यप्रदेश महिला आयोग के अध्यक्ष पद की नियुक्ति का मामला भी लंबित है। बताया गया है कि सोमवार को कुछ और निगम मंडलों में नियुक्तियों के साथ महिला आयोग और बाल संरक्षण आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की नियुक्ति के आदेश जारी हो सकते है।

विधानसभा के विशेष सत्र से पहले महिला आरक्षण को लेकर सड़क पर उतरी कांग्रेस

सरकार की नीतियों की जमकर आलोचना, तत्काल आरक्षण लागू करने की मांग

विशेष संवाददाता, भोपाल। महिला आरक्षण को लेकर मध्यप्रदेश विधानसभा का एक दिनी विशेष सत्र सोमवार 27 अप्रैल को आहुत किया गया है, लेकिन इससे एक दिन पहले ही कांग्रेस सड़क पर उतरी और मौजूदा स्थिति में महिलाओं को आरक्षण देने का मुद्दा उठाया। कांग्रेस ने पैदल मार्च कर सरकार की नीतियों की जमकर आलोचना की। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, महिला नेत्रियों व कार्यकर्ताओं ने प्लेटिनम प्लाजा से रोशनपुरा चौराहे तक पैदल मार्च निकाला। इसमें महिलाओं ने अपने हाथों में नारे लिखी तख्तियों के साथ सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की। उन्होंने आधी आबादी को पूरा हक देने और तत्काल आरक्षण लागू किए जाने जैसे नारे भी लगाए। इस मौके पर पीसीसी चीफ पटवारी ने कहा कि महिलाओं को आरक्षण देना कोई उपकार नहीं, बल्कि ये उनका अधिकार है, जो उन्हें हर हाल में मिलना चाहिए। भाजपा और उनकी सरकार केवल बहाना बना रही है, लेकिन अब बहानों का समय खत्म हो गया है । उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधानसभा के विशेष सत्र में 33 प्रतिशत आरक्षण देने का संकल्प पेश करेगी और मांग करेगी कि मौजूदा स्थिति में भी महिलाओं को आरक्षण दिया जाना चाहिए। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि महिलाओं को उनका संवैधानिक हक दिलाने की दिशा में कांग्रेस लगातार प्रयास कर रही है और इसके लिए पार्टी और विधायक दल पूरी ताकत के साथ लड़ाई लड़ेगी। सिंघार ने कहा कि हम विधानसभा में इस विषय को उठाएंगे और उनके दल की ओर से लोकसभा की 543 सीटों के आधार पर 33 प्रतिशत आरक्षण लागू कराने का प्रस्ताव भी लाया जाएगा, लेकिन सरकार इस विषय को लेकर गंभीर नहीं है और उसकी ओर से सिर्फ दिखवाटी कदम उठाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा और राष्ट्र स्वयं सेवक संघ महिलाओं के नाम पर राजनीति कर रही हैं, लेकिन उन्हें वास्तविक आरक्षण देने से बच रहे हैं।

श्वेत पत्र जारी करे सरकार

जीतू पटवारी ने सोशल मीडिया एक्स में अपनी पोस्ट में कहा है कि सरकार को श्वेत पत्र जारी कर ईमानदारी से किसानों को बताना होगा कि उनसे किसानों के हित में क्या-क्या कदम उठाए है। कितने किसानों का गेहूं एमएसपी पर खरीदा जा रहा है। कितने किसानों का भुगतान ओवरड्यू हैं।

सोलर लाइट केवल सरकारी पैसों की बर्बादी, गांव-मोहल्ले में कहीं न लगाएं

सोलर लाइट से ऊबा ऊर्जा विभाग, कलेक्टरों को दिए न लगाने के निर्देश

विशेष प्रतिनिधि, भोपाल। एक तरफ केंद्र और राज्य सरकार शहरों के घरों से लेकर गांवों के खेतों तक सोलर प्लांट को बढ़ावा दे रही है। इसके लिए सब्सिडी भी दी जा रही है। दूसरी तरफ सरकार के ऊर्जा विभाग ने ही गांव-मोहल्लों में सोलर लाइट लगाने से तौबा कर ली है। अब किसी भी पंचायत के गांवों अथवा शहरों के वार्डों में कहीं भी सोलर लाइट नहीं लगाई जाएंगी। विभाग ने सभी कलेक्टरों को साफ मना कर दिया है कि भविष्य में इन उपकरणों पर पैसा कतई खर्च न किया जाए। ये केवल सरकारी पैसों की बर्बादी हैं। असल में ऊर्जा विभाग द्वारा सभी जिला कलेक्टरों को एक पत्र जारी किया गया है। इस पत्र के जरिए प्रदेश में पंचायतों और शहरों के वार्डों में अब सोलर लाइट, सोलर ट्री, हाईमास्ट और सोलर स्टड लगाने से कलेक्टरों को मना किया गया है। पत्र में विभाग की ओर से स्पष्ट कहा गया है कि शहर और गांवों में कहीं भी अब सोलर लाइट से चलने वाले उपकरण न लगाए जाएं। ऐसे सारे उपकरणों के नाम पर केवल सरकारी पैसों की बर्बादी हो रही है। भविष्य में इन पर रोक लगाते हुए शासन के नुकसान को तत्काल रोका जाए। इन उपकरणों पर रोक लगाते हुए विभाग ने उच्च स्तरीय बैठक के फैसले का हवाला भी दिया गया है। यह बैठक मुख्य सचिव की मौजूदगी में आयोजित

की गई थी। इसमें आई रिपोर्ट के आधार पर माना गया था कि गांव-मोहल्लों में लगाए जा रहे ये सारे उपकरण थोड़े ही दिन में कचरे में तब्दील हो रहे हैं। इससे कोई फायदा नहीं हो रहा, बल्कि शासन की राशि का नुकसान ही हो रहा है। इसलिए अब ऐसे उपकरण सरकार के खर्च पर भी न लगवाने का निर्णय लिया गया है।

इसलिए फेल हो रही पहल

शासन द्वारा ग्राम पंचायतों और शहरों के वार्डों में अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देते हुए चौराहों, सार्वजनिक स्थानों, पंचायत भवनों, सरकारी कार्यालय परिसर व स्थानों में सोलर लाइट, सोलर ट्री, हाईमास्ट और सोलर स्टड नहीं लगवाए जा रहे थे। इसका खर्च शासन द्वारा ही दिया जाता है। मगर अधिकांश जिलों में देखा गया कि ये सारे उपकरण लगवाए जाने के बाद इनकी देख रेख नहीं होती। कर्मचारियों द्वारा इनकी सफाई भी नहीं की जाती। इन पर धूल और कचरा जम जाता है। इन उपकरणों की नियमित सफाई की न कोई व्यवस्था है और न किसी को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके चलते ये सारे उपकरण कुछ समय बाद ही बेकार हो जाते हैं।

दो साल से चल रहा था विचार

राज्य शासन द्वारा अक्षय ऊर्जा को बढ़ावा देते हुए गांवों से लेकर शहरों के वार्डों तक सोलर लाइट लगवाई जा रही थीं। सड़कों के किनारे व सरकारी उद्यानों में सोलर ट्री भी लगाए गए हैं। शासन द्वारा या सीएसआर फंड से राशि उपलब्ध कराई जा रही थी। मगर बीते कई सालों से इनके दुरुपयोग की सूचना ऊर्जा विभाग को मिल रही थीं। इन्हें देखते हुए सितंबर 2024 में सोलर लाइट न लगवाने का फैसला लिया गया था। मगर एक दम से रोक लगाने की बजाय उस समय एक उच्च स्तरीय कमेटी गठन कर रिपोर्ट मांगी गई थी। पंचायत और ग्रामीण विकास, नगरीय विकास और आवास तथा नवीन और नवकरणीय ऊर्जा समेत सभी विभागों को इस संबंध में जिम्मेदारी सौंपी गई थी। जिलों से आई रिपोर्ट भी नकारात्मक रही हैं। सभी ने माना है कि ये उपकरण जल्द ही खराब हो जाते हैं। कुछ समय बाद ये काम करना बंद कर देते हैं। देखते हुए राज्य स्तरीय समन्वय समिति ने भविष्य में कहीं भी सोलर लाइन न लगाने का निर्णय लिया है। बैठक में मुख्य सचिव के अलावा अपर मुख्य सचिव नगरीय विकास और आवास विभाग, अपर मुख्य सचिव वित्त, अपर मुख्य सचिव पंचायत और ग्रामीण विकास, प्रबंध संचालक ऊर्जा विकास निगम, अध्यक्ष एमपी स्टेट लेवल बैंकर्स कमेटी शामिल थे।

महिला सशक्तीकरण के लिए सरकार कर रही काम: भूरिया

विसं भोपाल। महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने कहा कि मप्र में महिला सशक्तिकरण की यात्रा नारों तक सीमित न रहकर आर्थिक स्वावलंबन के ठोस धरातल पर टिकी है। सरकार द्वारा इस दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। इसका प्रत्यक्ष उदाहरण लाड़ली बहना योजना भी है। मुख्यमंत्री के विजन ने मध्य प्रदेश को महिला केंद्रित विकास के मामले में देश के अग्रणी राज्यों की पंक्ति में खड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना बदलाव का सबसे मुखर प्रतीक बनकर उभरी है, जहाँ प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण के माध्यम से जून 2023 से अब तक लगभग 55,926 करोड़ रुपये की विशाल राशि 1.26 करोड़ बहनों के बैंक खातों में पहुंचाई जा चुकी है। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 62 लाख ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने और लखपति दीदी अभियान के तहत 12 लाख से अधिक महिलाओं की आय को एक लाख रुपये के पार ले जाना यह सिद्ध करता है कि प्रदेश की नारी अब परिवार की आर्थिक रीढ़ बन चुकी है। केंद्र सरकार की सेफ सिटी परियोजना के तहत धार जिले का चयन होना और वहाँ 10 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक सुरक्षा ढांचा विकसित करना, राज्य सरकार की उस प्रतिबद्धता को दर्शाता है जहां भयमुक्त वातावरण को विकास की पहली शर्त माना गया है।

पीएससी: इंदौर में सबसे कम उपस्थिति, केंद्रों से चोरों ने उड़ाए जेवर

72 फीसदी अभ्यर्थियों ने दी परीक्षा भोपाल में 71 फीसदी हुए शामिल

जागरण, भोपाल। एमपीपीएससी द्वारा त्रि स्तरीय जांच के बाद ली गई प्रारंभिक परीक्षा में इंदौर के आधे से ज्यादा अभ्यर्थी दूर हो गए। इंदौर के महज 45 फीसदी अभ्यर्थी ही परीक्षा देने पहुंचे। जबकि प्रदेश भर में 72 फीसदी से अधिक अभ्यर्थियों ने कुल 155 पदों के लिए ताकत लगाई। कई परीक्षार्थियों की पीएससी की त्रि स्तरीय जांच का खामियाजा भुगतना पड़ा। गुना में पायल, सोने की नथ व बाली उतारकर परीक्षा देने बैठी अभ्यर्थी के सारे जेवर चोर कार का कांच तोड़कर ले उड़े। वहीं रायसेन में एक कार तेज स्पीड कार अभ्यर्थियों की भीड़ में घुस गई, इससे कई परिजन

राजधानी में एमपी पीएससी की परीक्षा के दौरान अभ्यर्थियों की सघन जांच हुई।

बुरी तरह घायल हो गए। एमपीपीएससी की प्रारंभिक परीक्षा प्रदेश के 365 केंद्रों में रविवार को दो शिफ्ट में आयोजित की गई। इस परीक्षा के लिए प्रदेश भर से 1 लाख 35 हजार अभ्यर्थियों ने फार्म भरे थे, लेकिन पहली सुबह 10 बजे से शुरू हुई पहली शिफ्ट में 97 हजार उम्मीदवार ही परीक्षा देने पहुंचे। इस परीक्षा के लिए सर्वाधिक 18 हजार 500 अभ्यर्थी इंदौर के 46 केंद्रों में शामिल होने थे, लेकिन सबसे कम उपस्थिति वहीं रही। इंदौर में मात्र 8 हजार 300 उम्मीदवार ही परीक्षा देने पहुंचे। जबकि भोपाल में 7600 अभ्यर्थियों के लिए 21 केंद्र बनाए गए थे। यहां कुल 72 फीसदी उपस्थिति रही। सबसे ज्यादा 82 फीसदी उपस्थिति गुना में रही।

उतारना पड़े जेवर और जूते: पीएससी ने केंद्रों में थ्री लेयर सिक्योरिटी चेकिंग की व्यवस्था की थी। इसमें पहले फिजिकल चेकिंग, फिर बायोमेट्रिक ऑथेंटिकेशन और आखिरी में हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर से जांच की गई। इसके लिए रिपोर्टिंग टाइम 90 मिनट पहले रखा था और परीक्षा शुरू होने से 30 मिनट पहले ही केंद्रों के गेट बंद कर दिए गए। परीक्षा सेंटर्स पर अंगूठी, चैन, जूते, बेल्ट समेत अन्य धातु के सामान उतरवाकर ही प्रवेश दिया गया। जूते-मोजे तक बाहर रखवाए गए।

केंद्रों पर कार का कांच फोड़ जेवर ले उड़े चोर

केंद्रों पर सारे जेवर, चमड़े के बेल्ट से लेकर जूते-मोजे तक उतरवा दिए थे। गुना के बापू पार्क के पास बने केंद्र में आरोन से परीक्षा देने आई रश्मि धाकड़ ने अपनी सोने की अंगूठी, नथ, चांदी की पायल, बिछिया आदि उतारकर पति को दे दिए। पति ने कार परीक्षा केंद्र के पास ही पेड़ के नीचे खड़ी कर दी। थोड़ी देर बाद देखा तो कार का कांच फोड़कर बदमाश जेवर चुरा ले गए। वहीं रायसेन में केंद्र के बाहर कार रिवर्स कर रहे एक युवक ने एक्सीलेटर दबा दिया। इससे कार केंद्र में खड़े उम्मीदवारों की भीड़ में घुस गई। चपेट में आने से कई उम्मीदवारों के परिजन घायल हो गए।

आयोजन सीएम ने भोपाल में सुनी पीएम के मन की बात, खंडेलवाल बैतूल में हुए शामिल

पांच पीढ़ियों ने रोके महिलाओं के अधिकार: सीएम

विशेष संवाददाता, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि महिलाओं को बराबरी का अधिकार देने में कांग्रेस की पिछली 5 पीढ़ियों ने रोडे अटकाए हैं। कांग्रेस और उनके नेताओं ने कभी भी महिलाओं के अधिकारों को लेकर सकरात्मक भूमिका नहीं निभाई, जिससे हमारी बहनों को उनका अधिकार मिलने में देरी हुई। उन्होंने कहा कि हम विधानसभा के विशेष सत्र में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण के मुद्दे को मजबूती से उठाएंगे। मन की बात कार्यक्रम सुनने के बाद सीएम ने रविवार को भोपाल में पत्रकारों से कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी के अलावा सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने महिलाओं के अधिकारों को लेकर हमेशा से नकारात्मक रवैया अपनाया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण देने का ऐतिहासिक फैसला लिया, लेकिन विपक्षी दलों ने

इसका विरोध कर उसे पारित नहीं होने दिया। उनके इस कृत्य को पूरे देश की बहनों ने देखा है, जो कभी भी कांग्रेस को माफ नहीं करेगी। 27 अप्रैल को विस सत्र में इस मुद्दे को मजबूती से उठाकर विपक्ष के मंसूबों को बेनकाब करेंगे। सीएम ने कहा कि ये वर्ष प्रदेश में कृषि और किसान कल्याण वर्ष के तौर पर मनाया जा रहा है। हमारी सरकार किसानों के हितों के लिए लगातार काम कर रही है। सरकार ने गेहूं के साथ-साथ चना और मसूर की भी खरीदी कर रही है, जिससे किसानों को उनकी मेहनत के एक-एक दाने का पूरी कीमत मिल सके। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में लगातार तीसरे साल जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है और इसके सकारात्मक परिणाम भी देखने को मिल रहे है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसानों की आय बढ़ाने के लिए कृत संकल्पित है। तय किया है कि 50 प्रतिशत खराब चमक वाला गेहूं भी खरीदा जाएगा। पानी की कमी के कारण कम विकसित दाने की सीमा 6 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर दी है।

मन की बात से लोगों को मिलती है प्रेरणा

इससे पहले सीएम ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मन की बात कार्यक्रम को सुना। उनके साथ स्वास्थ्य राज्यमंत्री नरेन्द्र शिवाजी पटेल भी मौजूद रहे। इस मौके पर सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री अपने इस कार्यक्रम के जरिए समाज के विभिन्न वर्गों की प्रेरक कहानियां, नवाचारों और सकरात्मक प्रयासों को सामने लाते हैं, जिससे आमजन को नई दिशा और प्रेरणा मिलती है। ऐसे कार्यक्रम समाज में सकारात्मक सोच को बढ़ावा देते हैं और राष्ट्र के निर्माण जनभागीदारी को सशक्त करते हैं। प्रदेशाध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने अपने गृह क्षेत्र बैतूल में पीएम के मन की बात को सुना। इसके उपरांत उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में विज्ञान तकनीक और नवाचार की वजह से भारत नई ऊंचाइयों पर पहुंच गया है। जनगणना अभियान में आधुनिक नवाचारों और डिजिटल माध्यमों के प्रयोग से जनगणना प्रक्रिया अधिक पारदर्शी सटीक और सरल बन रही है।

दिल्ली, रीवा सहित 10 ट्रेनों में लगेंगे 3 एसी कोच, जून से बढ़ेगी सुविधा

भोपाल। यात्रियों की बढ़ती मांग और किफायती एसी यात्रा की जरूरत को देखते हुए पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल ने बड़ा फैसला लिया है। मंडल से संचालित 10 प्रमुख ट्रेनों में कोच संरचना में बदलाव करते हुए अब 3-टियर एसी कोच की जगह 3एसी इकॉनॉमी कोच लगाए जाएंगे। यह बदलाव जून 2026 से चरणबद्ध तरीके से लागू होगा। रेलवे का मानना है कि 3 एसी इकॉनॉमी कोच के जुड़ने से ज्यादा यात्रियों को कम किराए में एसी सुविधा मिल सकेगी। इससे वेटिंग लिस्ट का दबाव भी कम होगा और लंबी दूरी की ट्रेनों में सीट उपलब्धता बेहतर होगी। रेलवे अधिकारियों का मानना है कि नई व्यवस्था से यात्रियों को सस्ते किराए में एसी यात्रा का विकल्प मिलेगा। साथ ही कोचों की संख्या संतुलित होने से भीड़ नियंत्रण में मदद मिलेगी और सफर अधिक आरामदायक होगा।

कौन सी ट्रेन में कब से परिवर्तन

- 15 जून से रानी कमलापति-रीवा एक्सप्रेस
- 16 जून से रीवा-रानी कमलापति एक्सप्रेस
- 17 जून से कमलापति-हजरत निजामुद्दीन एक्सप्रेस
- 20 जून से निजामुद्दीन-रानी कमलापति व भोपाल-सिंगरौली एक्सप्रेस
- 21 से 24 जून के बीच चोपन और धनबाद रूट की ट्रेनों में भी बदलाव लागू होगा

आरकेएमपी से चलेगी बनारस-हडपसर ट्रेन

रेल प्रशासन ने बनारस-हडपसर अमृत भारत एक्सप्रेस के उद्घाटन विशेष फेरे का संचालन किया जा रहा है। गाड़ी संख्या 02531 बनारस-हडपसर उद्घाटन स्पेशल का शुभारंभ 28 अप्रैल को बनारस से शाम 4:45 बजे किया जाएगा। विशेष गाड़ी अत्याधुनिक अमृत भारत रेक (22 कोच) के साथ संचालित होगी। यह उद्घाटन विशेष ट्रेन पश्चिम मध्य रेलवे के बीना, रानी कमलापति, नर्मदापुरम, इटारसी एवं हरदा स्टेशनों से होकर संचालित होगी, जिससे भोपाल मंडल के यात्रियों को बेहतर एवं सुविधाजनक यात्रा विकल्प उपलब्ध होगा। यह नई अमृत भारत सेवा पूर्व एवं पश्चिम भारत के बीच यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए तेज, आरामदायक एवं आधुनिक यात्रा सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। **प्रमुख ठहराव एवं समय सारणी :** इस ट्रेन का बीना आगमन 5:15 बजे, प्रस्थान 5:20 बजे, रानी कमलापति आगमन 07:35 बजे, प्रस्थान 07:40 बजे, नर्मदापुरम आगमन 8:50 बजे, प्रस्थान 8:55 बजे, इटारसी आगमन 9:25 बजे, प्रस्थान 9:30 बजे, हरदा में आगमन 10:20 बजे, प्रस्थान 10:25 बजे होगा। ट्रेन खंडवा, भुसावल, जलगांव, मनमाड, अहिल्यानगर, दौंड कॉर्ड लाइन होते हुए अगले दिन 12:55 बजे हडपसर पहुंचेगी।

मैकेनिकल इंजीनियर, नासा फेलो व टीचर है व्हाइट हाउस डिनर शूटिंग का आरोपी

वॉशिंगटन, जेएनएन। व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर के दौरान हुई गोलीबारी मामले में गिरफ्तार संदिग्ध की पहचान 31 वर्षीय कोल थॉमस एलन के रूप में हुई है। जांच एजेंसियों के मुताबिक, एलन एक पढ़ा-लिखा और तकनीकी पृष्ठभूमि वाला व्यक्ति है, जिसने मैकेनिकल इंजीनियरिंग और कंप्यूटर साइंस जैसे क्षेत्रों में शिक्षा हासिल की है। कोल थॉमस एलन कैलिफोर्निया का रहने वाला बताया जा रहा है। उसके लिंक्डइन और अन्य ऑनलाइन प्रोफाइल के अनुसार, वह मैकेनिकल इंजीनियर, कंप्यूटर साइंटिस्ट, इंडी गेम डेवलपर और पार्ट-टाइम टीचर रह चुका है। उसने कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बैचलर ऑफ साइंस की डिग्री हासिल

की थी। इसके बाद उसने कैलिफोर्निया स्टेट यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस में मास्टर्स किया। उसकी प्रोफाइल के अनुसार, वह लॉस एंजिल्स क्षेत्र में तकनीकी और शैक्षणिक गतिविधियों से जुड़ा हुआ था। एलन ने 2014 में नासा जेट प्रोपल्शन लेबोरेटरी में समर अंडरग्रेजुएट रिसर्च प्रोग्राम में हिस्सा लिया था।

वैश्विक नेताओं ने की हिंसा की निंदा

- मेक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबॉम ने कहा, 'यह अच्छी बात है कि राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी पत्नी सुरक्षित हैं। हिंसा कभी भी कोई रास्ता नहीं हो सकती।'
- कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने भी राहत जताते हुए कहा कि किसी भी लोकतंत्र में राजनीतिक हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्होंने इस घटना से प्रभावित लोगों के प्रति संवेदना व्यक्त की।
- न्यूयॉर्क सिटी के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा कि राजनीतिक हिंसा बिल्कुल भी स्वीकार्य नहीं है।
- सीनेटर मार्क केली ने कानून प्रवर्तन एजेंसियों की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि वह इस बात के लिए आभारी हैं कि सभी लोग सुरक्षित हैं।

प्रेस सेक्रेटरी का बयान वायरल, कहा था- आज रात चलेंगी कुछ गोलियां

गोलीबारी के बाद एक बयान तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें व्हाइट हाउस की प्रेस सेक्रेटरी कैरोलीन लेविट कार्यक्रम से ठीक पहले कहती नजर आती हैं- 'आज रात कुछ गोलियां चलेंगी।' यह बयान अब सोशल मीडिया पर चर्चा का केंद्र बन गया है, क्योंकि यह कथित तौर पर हमले से कुछ ही समय पहले दिया गया था। कैरोलीन फॉक्स न्यूज के एक पत्रकार से बातचीत में कहा था कि राष्ट्रपति ट्रंप का भाषण 'क्लासिक ट्रंप स्टाइल' में होगा-तेज, आक्रामक और मनोरंजक। उन्होंने कहा, 'आज रात इस कमरे में कुछ 'शॉट्स विल बी फॉयर्ड' यानी कुद कड़ी बातें कही जाएंगी।'

राष्ट्रपति को मारने के लिए अपनी जान देने को भी तैयार: मस्क

एलन मस्क ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए इसे एक खतरनाक संकेत बताया है। मस्क ने एक्स पर लिखा कि यह घटना बेहद चिंताजनक है। उन्होंने कहा, 'कुछ लोग लोकतांत्रिक रूप से चुने गए राष्ट्रपति को मारने के लिए अपनी जान देने को भी तैयार हैं।'

30 दिन बाद फिर होगा डिनर कार्यक्रम

व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स डिनर एक प्रतिष्ठित वार्षिक कार्यक्रम है, जिसका आयोजन व्हाइट हाउस कॉरेस्पॉन्डेंट्स एसोसिएशन द्वारा किया जाता है। ट्रंप ने खुद जानकारी देते हुए कहा कि वह और सभी मेहमान पूरी तरह सुरक्षित हैं। उन्होंने यह भी बताया कि इस कार्यक्रम को अगले 30 दिनों के भीतर फिर से आयोजित किया जाएगा।

कैसे हुई सुरक्षा में चूक

इस आयोजन में सुरक्षा के कई स्तर थे। होटल के बाहर, लॉबी में और डिनर हॉल के भीतर अलग-अलग सुरक्षा घेरे बनाए गए थे। प्रवेश के लिए मेटल डिटेक्टर, टिकट जांच और पहचान सत्यापन जैसी प्रक्रियाएं भी थीं। इसके बावजूद हमलावर का होटल के अंदर तक पहुंच जाना सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

प्रधानमंत्री मोदी की प्रतिक्रिया: हिंसा की कड़ी निंदा

पीएम मोदी ने इस घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया पर लिखा कि राहत की बात है कि राष्ट्रपति ट्रंप, फर्स्ट लेडी और उपराष्ट्रपति सुरक्षित हैं। 'लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है और इसकी स्पष्ट शब्दों में निंदा की जानी चाहिए।'

संक्षिप्त समाचार

केदारनाथ धाम पहुंचे 1.24 लाख श्रद्धालु

रुद्रप्रयाग, जेएनएन। केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के साथ ही चारधाम यात्रा ने रफ्तार पकड़ ली है। धाम में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। अब तक करीब 1 लाख 24 हजार 782 श्रद्धालु बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं, जिससे यात्रा को लेकर उत्साह साफ दिखाई दे रहा है। यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक इंतजाम किए गए हैं। दर्शन को सुचारू बनाने के लिए टोकन व्यवस्था लागू की गई है, जिससे श्रद्धालुओं को बिना लंबी प्रतीक्षा के आसानी से दर्शन हो पा रहे हैं। धाम में ठहरने, भोजन और अन्य आवश्यक सुविधाओं की बेहतर व्यवस्था की गई है। साथ ही, श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि वे सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक खबरों पर ध्यान न दें।

कोलंबिया बस विस्फोट 13 की मौत, 28 घायल

नई दिल्ली, जेएनएन। कोलंबिया में शनिवार को बस में हुए विस्फोट में 13 लोगों की मौत हो गई और 38 अन्य घायल हो गए। सेना प्रमुख ने हमले को आतंकी कृत्य करार दिया है। काउका क्षेत्र के गवर्नर आक्टेवियो गुजमैन ने एक्स पोस्ट में बताया कि यह घटना तब हुई जब बस पैनअमेरिकन हाईवे पर चल रही थी। कोलंबिया के सशस्त्र बलों के कमांडर जनरल ह्यूगो लोपेज ने इसके लिए कोलंबिया के सबसे वांछित अपराधियों में से एक इवान मोर्डिस्को के नेटवर्क और जैमे मार्टिनेज गुट को जिम्मेदार ठहराया। ये दोनों ही कोलंबिया के अब निष्क्रिय हो चुके क्रांतिकारी सशस्त्र बलों के असंतुष्ट हैं, जो इस क्षेत्र में सक्रिय हैं। घायलों में पांच बच्चे भी शामिल हैं। इवान मोर्डिस्को और जैमे मार्टिनेज गुट में से कोई भी 2016 में राज्य के साथ हस्ताक्षरित शांति समझौते का पालन नहीं करता है।

आप में टूट के बाद उद्धव गुट में बढ़ी हलचल

मुंबई, जेएनएएन। राजनीति में कब क्या हो जाए, इसका कोई भी भरोसा नहीं रहता है। एक तरफ आम आदमी पार्टी तो दूसरी तरफ महाराष्ट्र में उद्धव गुट को लेकर सियासी माहौल गरम है। इन दिनों उद्धव गुट में सबकुछ ठीक नहीं है, कयास लगाए जा रहे हैं कई नेता पार्टी का साथ छोड़ सकते हैं। चर्चा है कि हाल में ही उद्धव के तीन सांसदों ने दूसरी पार्टियों के नेताओं के साथ कर्टेसी मीटिंग्स की हैं। ये चर्चा ऐसे समय पर शुरू हुई है जब मुंबई में उद्धव ठाकरे के घर मातोश्री में एक जरूरी मीटिंग में तीन बार के सांसद और मराठवाड़ा इलाके में की शान संजय जाधव शामिल नहीं हुए जिसके बाद से शिवसेना में फूट की अटकलें तेज हो गई। जाधव की गैरमौजूदगी से पार्टी के हलकों में चिंता बढ़ गई। यहां तक कहा जाने लगा है कि उसके बाद से उनसे संपर्क नहीं हो पा रहा है।

अब एक ही पासवर्ड से खुलेंगे फेसबुक, इंस्टाग्राम

नई दिल्ली, जेएनएन। सोशल मीडिया की दुनिया में मेटा बड़ा बदलाव करने जा रहा है, जो आपके डिजिटल एक्सपीरियंस को पूरी तरह से बदल देगा। अभी तक आपको फेसबुक-इंस्टाग्राम और मेटा के दूसरे प्लेटफॉर्म पर लॉगिन के लिए अलग-अलग पासवर्ड बनाना पड़ता है, जिससे लॉगिन के दौरान यूजर्स अक्सर पासवर्ड भूल जाते हैं। यूजर्स की इसी परेशानी को दूर करने के लिए मार्क जुकरबर्ग की कंपनी ने एक ऐसा यूनिफाइड लॉगिन सिस्टम लाने की तैयारी में है, जिससे फेसबुक, इंस्टाग्राम और आपके दूसरे मेटा ऐप्स एक ही धागे में पिरो दिए जाएंगे। मेटा के नए अकाउंट सिस्टम के आने के बाद यूजर्स को एक ही लॉगिन के जरिए सभी ऐप्स और सर्विसेज एक्सेस करने की सुविधा मिल जाएगी, इससे उनको अलग-अलग पासवर्ड याद करने की टेंशन नहीं होगी।

अमेरिका से बातचीत को तैयार हुआ ईरान, वापस पाक जाएंगे अराघची

राष्ट्रपति ट्रम्प बोले- प्लेन में 18 घंटे बैठकर बेकार की बातें करने नहीं जाना

तेहरान, जेएनएन। ईरान और अमेरिका के बीच चल रही जंग को खत्म करने की कोशिशें एक फिर से तेज हो गई हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची एक के बाद एक देशों का दौरा कर रहे हैं। पाकिस्तान के बाद वो ओमान पहुंचे और अब एक फिर से वापस पाकिस्तान आएंगे और फिर रूस जाएंगे। इसी बीच खबर आई है कि ईरान की टीम का एक हिस्सा तेहरान वापस गया है ताकि अपने नेताओं से ताजा निर्देश ले सके और फिर से वार्ता में शामिल हो सके। दो हफ्ते पहले पहले दौर की बातचीत हुई थी लेकिन कोई समझौता नहीं हो पाया था। विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने शनिवार को इस्लामाबाद में पाकिस्तान के पीएम शरीफ से मुलाक़ात की थी और फिर ओमान चले गए. इसके बाद अमेरिका के ट्रंप ने ऐलान किया था कि अमेरिका से कोई प्रतिनिधित्व पाकिस्तान नहीं जाएगा।

पहली बातचीत में जंग पर नहीं हुआ समझौता: इस युद्धविराम के बाद दो हफ्ते पहले इस्लामाबाद यानी पाकिस्तान की राजधानी में पहले दौर की बातचीत हुई। ईरान और अमेरिका के बीच पाकिस्तान बिचौलिया बना। लेकिन ये बातचीत बिना किसी नतीजे के खत्म हुई यानी जंग रोकने का कोई पक्का समझौता नहीं बन पाया। ईरान और अमेरिका के बीच जारी जंग के बीच अब क्षेत्रीय स्तर पर कूटनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ओमान का दौरा पूरा करने के बाद फिर पाकिस्तान लौट सकते हैं और इसके बाद उनका अगला पड़ाव रूस होगा।

अमेरिकी अधिकारियों का पाक दौरा रद्द

अमेरिका और ईरान के बीच प्रस्तावित सीजफायर वार्ता ठप पड़ गई है क्योंकि ईरान से बातचीत के लिए पाकिस्तान जाने वाले अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ और ट्रम्प के दामाद जारेड कुशनर का दौरा रद्द हो गया है। यह दूसरी बार है जब दोनों देशों की मीटिंग टली। इससे पहले ईरान ने शांति वार्ता न करने का ऐलान किया था। उनका कहना था कि पहले अमेरिका अपनी होर्मुज स्ट्रेट से नाकेबंदी हटाए तब ही हम बातचीत के लिए इस्लामाबाद आएंगे। ट्रम्प ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि उन्होंने अपने दूतों को पाकिस्तान न जाने का निर्देश दिया है। उन्होंने लिखा, यात्रा में बहुत समय लगता है। 18 घंटे समय बर्बाद कर बेकार की बातें करने नहीं जाना। अगर ईरान बात करना चाहता है तो उन्हें बस एक फोन करना है। ट्रम्प ने यह भी साफ किया कि इस फैसले का मतलब यह नहीं है कि अमेरिका ईरान के साथ फिर से जंग शुरू करेगा। दूसरी तरफ ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची भी शनिवार को अमेरिकी अधिकारियों के पहुंचने से पहले ही पाकिस्तान से रवाना हो गए।

अमेरिकी नौसेना ने अरब सागर में ईरान का जहाज रोका

अमेरिकी नौसेना ने अरब सागर में ईरान के शैडो फ्लीट से जुड़े जहाज को रोक लिया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने इसकी पुष्टि की है। सेंटकाम ने एक्स पर बताया कि जहाज की पहचान एमबी सेवान के रूप में हुई है। ये उन 19 जहाजों में शामिल है, जिन पर अमेरिकी ट्रेजरी विभाग ने प्रतिबंध लगाए थे। इन जहाजों पर आरोप है कि ये ईरान के तेल, गैस, प्रोपेन और ब्यूटेन जैसी ऊर्जा उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में पहुंचाने में मदद कर रहे थे। अमेरिकी नौसेना के गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर से उड़ाए गए, हेलीकॉप्टर ने इस जहाज को रोका गया।

इजरायली एयरस्ट्राइक से दहला लेबनान, हमले में चार की मौत

उधर दक्षिणी लेबनान पर इजरायली हमलों में चार लोग मारे गए। वहीं, इजरायली सेना ने दावा किया है कि हिजबुल्ला ने इजरायल पर राकेट दागे थे। इजरायल और लेबनान के बीच युद्धविराम समझौते से शत्रुता में कमी आई है, लेकिन इजरायल और हिजबुल्ला के बीच दक्षिणी लेबनान में झड़पें जारी हैं, जहां इजरायल ने स्व-घोषित बफर जोन में सैनिकों को तैनात रखा है। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने लेबनान में हिजबुल्ला के ठिकानों पर हमले तेज करने के आदेश दिए हैं। उनके इस आदेश से युद्धविराम खटाई में पड़ने की आशंका बढ़ गई है।

आप ने की सात बागी सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग

उपराष्ट्रपति को सौंपी याचिका, कहा- दलबदल कानून हो लागू

नई दिल्ली, जेएनएन। आप के सांसद संजय सिंह ने रविवार को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को याचिका सौंपकर भाजपा में शामिल हुए 7 सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग की है। सिंह ने कहा कि इन सदस्यों का पार्टी छोड़ना दलबदल विरोधी कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। संजय सिंह के मुताबिक, आम आदमी पार्टी ने अधिवक्ता कपिल सिब्बल और लोकसभा के पूर्व महासचिव पीडीटी अचारी सहित कई विशेषज्ञों से सलाह ली है। संजय सिंह ने कहा कि उन्होंने राज्यसभा के सभापति और देश के उपराष्ट्रति को एक पेटिशन भेजी है जिसमें संविधान 10वीं अनुसूची के मुताबिक इस सातों की सदस्यों की सदस्यता पूरी तरह से खत्म करने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा, 'कई संविधान के ज्ञाताओं ने साफ कर दिया है कि जिन सात लोगों ने आम आदमी पार्टी को तोड़कर भाजपा में विलय करने का फैसला लिया है, उनकी सबकी सदस्यता खत्म होगी, रद्द होगी, समाप्त होगी।' उन्होंने कहा, कई बार विलंब होने से निराशा जरूर होती है लेकिन कानूनी लड़ाई लड़ेंगे।

राघव के 19 लाख फॉलोअर्स घटे

इस बीच राघव चड्ढा के इंस्टाग्राम पर करीब 19 लाख फॉलोअर्स कम हो गए हैं। 48 घंटे पहले उनके फॉलोअर 14.6 मिलियन (1 करोड़ 46 लाख) थे। रविवार दोपहर तक यह 12.7 मिलियन (1 करोड़ 32 लाख) बचे हैं।

चड्ढा के न रहने से आप को होगा नुकसान

साल 2022 में आप की सरकार बनने के बाद राघव चड्ढा पंजाब में पार्टी के सबसे ताकतवर चेहरा रहे हैं। टिकट बंटवारा व कैंपेन ही नहीं बल्कि मंत्रिमंडल से लेकर सरकार चलाने तक में उनकी प्रभावी भूमिका रही। इस दौरान किस आप नेता ने क्या किया, सरकार में दिल्ली का कितना दखल रहता है, आप ने फंड वगैरह कैसे जुटाए, ये तमाम बातें बाहर आईं तो सीधे तौर पर आप को नुकसान पहुंचाएंगी।

भाजपा की पंजाब में चुनाव की तैयारी

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन कह चुके हैं कि वे पंजाब में अकेले चुनाव लड़ेंगे। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डेरा सचखंड में जा चुके हैं। डेरा ब्यास वालों से भी कई मंत्री मिल चुके हैं। दूसरे डेरों से भी भाजपा की नजदीकियां जगजाहिर हैं।

पंजाब सरकार ने हरभजन की जेड प्लस सिक्योरिटी छीनी तो केंद्र ने तुरंत दी

पंजाब की राजनीति में उठापटक के बीच मान सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए पूर्व क्रिकेटर और आम आदमी पार्टी (आप) के राज्यसभा सदस्य हरभजन सिंह की जेड प्लस सुरक्षा वापस ले ली है। रविवार सुबह जालंधर स्थित उनके आवास से सुरक्षाकर्मियों को हटा लिया गया। हालांकि हरभजन सिंह को तुरंत ही केंद्र की ओर से जेड प्लस श्रेणी की सुरक्षा वापस मिल गई है।

लंदन में होगा नीलाम 'सुपरकंप्यूटर': जयपुर के शाही संग्रह की सबसे बेशकीमती वैज्ञानिक विरासतों में से एक 17वीं शताब्दी का एक विशाल 'एस्ट्रोलेब' आगामी 29 अप्रैल को लंदन के सोथबी नीलामी घर में वैश्विक बोली के लिए तैयार है। पीतल से बने इस अद्भुत यंत्र को विशेषज्ञ अपनी बहुमुखी क्षमताओं के कारण उस दौर का 'सुपरकंप्यूटर' और 'प्राचीन स्मार्टफोन' करार दे रहे हैं।

नौसेना ने लॉन्च किया शहंशाह, हिंद महासागर में भारत का बढ़ा दबदबा

नई दिल्ली, जेएनएन। बदलते भू-राजनीतिक माहौल में दुनिया का हर देश अपनी नौसैनिक शक्ति बढ़ा रहा है। एयरक्राफ्ट कैरियर हों या फिर पनडुब्बियां और विध्वंसक पोत, नौसेना की ताकत में इजाफा किया जा रहा है। भारत ने भी इस दिशा में ऐसा कदम बढ़ाया है, जिसने दुनिया भर में खलबली मचा दी है। उसने अपने बेड़े में एसएसबीएन यानी सबमर्सिबल शिप बैलिस्टिक न्यूक्लियर सबमरीन शामिल की है। इससे न केवल इंडियन नेवी की ताकत बढ़ी है बल्कि चीन और पाकिस्तान की बढ़ती चुनौतियों का सीधा जवाब भी है. भारत के लिए अपनी नौसेना को मजबूत करना इसलिए भी जरूर हो गया है क्योंकि हिंद महासागर में चीन लगातार अपनी नौसैनिक मौजूदगी बढ़ा रहा है।

श्रीलंका और पाकिस्तान के बंदरगाहों पर भी उसकी पकड़ मजबूत हो रही है। ऐसे में भारत की अरिहंत सीरीज की सबमरीन ने समंदर का समीकरण बदल दिया है।

भारत बनेगा समुंदर का बादशाह : इस परमाणु सबमरीन की वजह से भारत अपना न्यूक्लियर ट्रायड कंप्लीट करने में सफल हो गया है। यानी अब भारत जमीन, हवा और समुद्री तीनों जगह से परमाणु हमला कर सकता है। भारतीय नौसेना देश की समुद्री ताकत को मजबूत करने के लिए अभी दो और न्यूक्लियर सबमरीन को तैयार कर रही है, जो साल 2035-36 तक बनकर तैयार हो जाएगी। जिसके बाद हिंद महासागर में चीन के बढ़ती ताकत से भारत आसानी से रोक पाएगा। साथ ही वह समंदर का बादशाह भी बन जाएगा।

भारतीय नौसेना पहले से ज्यादा ताकतवर : भारतीय नौसेना का इतिहास गौरवशाली रहा है। अब हर नए दिन के साथ इंडियन नेवी, पहले से ज्यादा ताकतवर, सुदृढ़ और आक्रामक होती जा रही है। नौसेना के जंगी बेड़े में शामिल युद्धपोत-सबमरीन-एयरक्रॉफ्ट कैरियर पहले से ज्यादा एडवांस-हाइटेक और विध्वंसक हो चुके हैं। जैसे ही समंदर की लहरों में अरिदमन ने एंट्री ली। वैसे ही अरब सागर में शक्ति का समीकरण ही बदल गया है। ऐसा करके भारतीय नौसेना ने वह मील का पत्थर हासिल कर लिया है।

महिला को लगाए ब्रेन डेड शख्स के दोनों हाथ

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में एक ऐसी सर्जरी हुई है, जिसने एक महिला की जिंदगी बदल दी। दो बच्चों की मां जिसने एक हादसे में अपने दोनों हाथ खो दिए थे, अब फिर से सामान्य जीवन की ओर लौटने की उम्मीद कर रही है। अस्पताल के डॉक्टरों ने उसका सफलतापूर्वक दोनों हाथों का ट्रांसप्लांट किया है। जानकारी के मुताबिक, महिला के दोनों हाथ चारा काटने वाली मशीन में कट गए थे। इस हादसे के बाद वह अपने रोजमर्रा के छोटे-छोटे काम भी खुद नहीं कर पाती थी। खाना खाना, कपड़े पहनना, बच्चों की देखभाल करना, हर काम के लिए उसे दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था। ऐसे में हाथों का ट्रांसप्लांट उसके लिए नई जिंदगी जैसा साबित हुआ।

ब्रेन-डेड व्यक्ति था डोनर: यह सर्जरी तब संभव हो सकी जब एक ब्रेन-डेड व्यक्ति के परिवार ने उसके हाथ दान करने की सहमति दी। उनके इस फैसले ने एक जरूरतमंद महिला को फिर से जीने का मौका दिया। अस्पताल ने इस परिवार के प्रति आभार जताया।

12 घंटे तक चली सर्जरी: डॉक्टरों के अनुसार, यह सर्जरी करीब 12 घंटे तक चली। इसमें डोनर के दोनों हाथ महिला के शरीर से जोड़े गए। दाहिना हाथ कोहनी के ऊपर से और बायां हाथ कलाई के पास से जोड़ा गया। डॉक्टरों ने हड्डियां, नसें, मांसपेशियां, खून की नलियां और टेंडन बहुत सावधानी से जोड़े, ताकि हाथों में फिर से ब्लड सर्कुलेशन और हरकत आ सके।

मन की बात का 133वां एपीसोड

जनगणना दुनिया का सबसे बड़ा अभियान

नई दिल्ली, जेएनएन। पीएम मोदी ने रविवार को प्रसारित मन की बात के 133वें एपिसोड में जनगणना का जिक्र किया। पीएम ने कहा- हमारे देश में इस समय एक बहुत अहम अभियान चल रहा है, जिसके बारे में हर भारतीय को जानकारी होनी जरूरी है। ये है जनगणना का अभियान, यह दुनिया की सबसे बड़ी जनगणना है। जो साथी पहले से इस तरह की प्रक्रिया से गुजरे हैं, इस बार जनगणना का उनका अनुभव, अलग होने वाला है। पीएम ने कहा- जिन राज्यों में स्व-गणना का काम पूरा हो गया है, वहां घरों की लिस्टिंग का काम जारी है। अब तक लगभग 1 करोड़ 20 लाख परिवारों के मकान की लिस्टिंग का काम पूरा भी हो चुका है। जनगणना में आपकी भागीदारी आसान बनाई गई है। आप खुद भी अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। कर्मचारी के आने से 15 दिन पहले आपके लिए सुविधा शुरू होगी।

कोलकाता में रैली के दौरान बोले मोदी

ममता के राज में मां-माटी और मानुष का सम्मान नहीं

कोलकाता, जेएनएन। पीएम नरेंद्र मोदी ने प. बंगाल के नॉर्थ 24 परगना जिले के बनगांव और हुगली के हरिपाल में रैली की। उन्होंने बनगांव में कहा, 'पहले फेज के मतदान में टीएमसी का घमंड टूट चुका है। दूसरे चरण में भाजपा की जीत तय होती दिख रही है। उन्होंने कोलकाता में रोड शो भी किया किया। पीएम ने आरोप लगाया कि टीएमसी शासन में छोटे-छोटे नेता और गुंडे खुद को सरकार समझने लगे हैं। उन्होंने कहा, '15 साल पहले टीएमसी 'मां, माटी, मानुष' का नारा देकर सत्ता में आई थी, आज वे इन शब्दों को बोल भी नहीं पाते। अगर बोलेंगे, तो इनके पाप सामने आ जाएंगे। टीएमसी के राज में मां-माटी और मानुष का सम्मान नहीं है। हुगली में पीएम ने कहा, 'टीएमसी सरकार ने अपने कुकर्मों की वजह से बंगाल के लोगों का भरोसा खो दिया है। यही कारण है कि लोगों को बार-बार कोर्ट का दरवाजा खटखटाना पड़ता है।'

देश और लोकतंत्र बचाने का चुनाव: अरविंद केजरीवाल

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को पश्चिम बंगाल में एसआईआर को बीजेपी और केंद्र सरकार पर हमला बोला। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के समर्थन में बेलेघाटा एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए उन्होने कहा, वोटर लिस्ट बदलने के लिए षडयंत्र किया गया। 27 लाख नाम वोटर लिस्ट से काट दिए। कई देशों की जनसंख्या इतनी नहीं होती। आपका वोट नहीं, तो देश के नागरिक नहीं। कल पता नहीं क्या करेंगे आपके साथ। केजरीवाल ने बंगाल चुनाव को देश और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव करार दिया। उन्होंने कहा, पूरा देश की आपकी लड़ाई देख रहा है।

खुलासा

आईसीआईएमओडी की स्टडी में खुलासा, इस बार 28 प्रतिशत कम बर्फ गिरी

हिमालय में 20 सालों में सबसे कम बर्फ गिरी

नई दिल्ली, जेएनएन। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट ने 2026 की हिमालय बर्फ रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में खुलासा हुआ है कि हिंदूकुश हिमालय क्षेत्र में इस साल नवंबर 2025 से मार्च 2026 तक बर्फ की मात्रा औसत से 27.8 प्रतिशत कम रह गई। यह पिछले 20 सालों में सबसे कम बर्फ है। रिपोर्ट कहती है कि बर्फ की यह कमी रिकॉर्ड स्तर पर है। इससे पूरे एशिया में पानी की भारी कमी का खतरा पैदा हो गया है।

लगभग दो अरब लोगों की पानी, खेती और बिजली की जरूरत इस हिमालयी बर्फ पर निर्भर करती है। यह चौथा लगातार साल है जब हिंदू कुश हिमालय में बर्फ औसत से कम पड़ी है। 2003 से अब तक 14 सर्दियों में बर्फ कम रही है. वैज्ञानिकों का कहना है कि बर्फ की कमी अब एक लंबी अवधि की समस्या बनती जा रही है। हिंदूकुश हिमालय के ग्लेशियर 2000 के बाद से दोगुनी तेजी से पिघल रहे हैं। बर्फ और ग्लेशियर दोनों का तेजी से घटना क्षेत्र के लिए बहुत चिंताजनक है। सभी जगह बुरा हाल नहीं है। गंगा नदी घाटी में इस बार बर्फ औसत से 16.3 प्रतिशत ज्यादा रही। इससे दक्षिण एशिया के कुछ हिस्सों में पानी की उपलब्धता में थोड़ी राहत मिल सकती है। वैज्ञानिक कह रहे हैं कि सरकारों को तुरंत पानी प्रबंधन की नई रणनीति बनानी चाहिए। इसमें पानी की कमी का अलर्ट सिस्टम, खेती और बिजली विभागों के बीच बेहतर समन्वय, मौसमी पानी स्टोरेज और सूखे से निपटने की तैयारियां शामिल होनी चाहिए।

सालाना पानी का एक चौथाई हिस्सा देती हैं नदियां

हिमालय की मौसमी बर्फ 12 प्रमुख नदी घाटियों में सालाना पानी का करीब एक चौथाई हिस्सा देती है. यह पानी खेती, बिजली बनाने और पीने के लिए बहुत जरूरी है। अगर बर्फ कम होगी तो गर्मियों में नदियों में पानी कम बहने लगेगा। इससे सूखा पड़ सकता है। भूजल ज्यादा निकालना पड़ेगा और पहले से तनाव में चल रहे पानी के सिस्टम पर और दबाव बढ़ेगा। कुछ नदी घाटियों में बर्फ की कमी बहुत तेज बताई गई है। मेकांग नदी घाटी में बर्फ 59.5 प्रतिशत कम रही. तिब्बती पठार पर 47.4 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई। ग्रेलो रिवर और अमू दरिया घाटियों में भी भारी कमी आई है। इन इलाकों में पानी की कमी सबसे ज्यादा महसूस की जाएगी।

दो अरब लोगों की जिंदगी जुड़ी है हिमालय की बर्फ से

हिंदू कुश हिमालय की बर्फ एशिया के लगभग दो अरब लोगों की जिंदगी से जुड़ी हुई है। खेती, बिजली और पीने का पानी सब इसी बर्फ पर टिका है। हिमालयी बर्फ अब रिकॉर्ड निचले स्तर पर है। चार साल से लगातार गिरावट आ रही है। पानी की कमी का खतरा बढ़ रहा है। वैज्ञानिक तुरंत पानी की योजना बनाने की सलाह दे रहे हैं। यह रिपोर्ट सरकारों और लोगों को साफ चेतावनी दे रही है कि हिमालय की बर्फ बचाना और पानी का सही प्रबंधन करना अब बहुत जरूरी हो गया है। अगर समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो पूरे क्षेत्र में खाने, पानी और बिजली की सुरक्षा पर बड़ा खतरा मंडरा सकता है।

ग्राउंड हुई एयर इंडिया की मुंबई फ्लाइट, सांसें अटकी

हिरदाराम नगर प्रतिनिधि। मुंबई से आने वाली एयर इंडिया की नियमित फ्लाइट रविवार को नागपुर होते ही बमुश्किल भोपाल पहुंच सकी। मुंबई से नागपुर डायवर्ट होते ही फ्लाइट में बैठे यात्रियों की सांसें अटक गईं। जैसे-तैसे फ्लाइट भोपाल में लैंड हुई, राजा भोज विमानतल पर अफरातफरी मच गई। मुंबई से आए यात्री तो सुरक्षित लैंडिंग होने पर भगवान को धन्यवाद देते हुए बाहर निकल गए, लेकिन तकनीकी खराबी के कारण फ्लाइट को टेक्निकली ग्राउंड किए जाने की सूचना मिलते ही मुंबई जाने बैठे यात्री भड़क गए। उन्होंने बिना कोई वैकल्पिक व्यवस्था किए फ्लाइट कैंसिल करने पर जमकर हंगामा किया। इन्हें शांत करने के लिए कंपनी को खासी मशक्कत करना पड़ी।

जानकारी के अनुसार मुंबई से 11 बजे उड़कर दोपहर एक बजे भोपाल आने वाली एयर इंडिया की उड़ान एआई-633 ने जैसे ही मुम्बई से उड़ान भरी उसमें अचानक तकनीकी खराब आ गई। इसके चलते उसे नागपुर डायवर्ट कर दिया गया। बाद में किसी तरह वह नागपुर से अपरान्ह 4 बजे यह फ्लाइट भोपाल पहुंच सकी। मगर एयर ट्रैफिक कंट्रोल को इस फ्लाइट में तकनीकी समस्या की सूचना दी गई थी। सूचना मिलते ही सुरक्षा प्रोटोकॉल सक्रिय कर दिए गए। एटीसी, एयरलाइन ग्राउंड ऑपरेशंस, सीआईएसएफ और भोपाल हवाई अड्डे की एयरपोर्ट फायर एंड रेस्क्यू टीम के बीच निर्बाध समन्वय सुनिश्चित किया गया।

शाम 4.30 बजे इसे सुरक्षित उतार लिया गया। हालांकि एयरपोर्ट अथॉरिटी ने केवल तकनीकी समस्या के कारण विमान को अनुपयोगी घोषित कर देने की जानकारी दी गई है। एहतियात के तौर पर मानक सुरक्षा प्रक्रियाओं के अनुसार विस्तृत निरीक्षण और सुधार की सुविधा के लिए एयरलाइनों द्वारा वापसी उड़ान एआई-634 (भोपाल से मुंबई) को रद्द कर दिया गया था। रद्द होने से 3 शिशुओं सहित 178 यात्री प्रभावित हुए।

डीजल इंजन में आग से थमा रेल ट्रैफिक, प्लेटफॉर्म पर काटी रात

जागरण, ब्यावरा। राजगढ़ जिले के ब्यावरा स्टेशन पर रेल यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। दरअसल विजयपुर के पास एक डीजल इंजन में अचानक आग लगने की घटना के बाद रेल यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। सुरक्षा के चलते रेलवे प्रशासन ने तत्काल ट्रैक पर ट्रैफिक रोक दिया, जिससे आने-जाने वाली कई ट्रेनों को बीच रास्ते अलग-अलग स्टेशनों पर खड़ा करना पड़ा। इस अचानक हुई घटना ने यात्रियों की पूरी यात्रा योजना बिगाड़ दी और कई लोगों को घंटों तक इंतजार करना पड़ा। घटना के बाद मक्सी और रूठियाई की ओर से आने वाली ट्रेनों को विभिन्न स्टेशनों पर रोका गया। देर रात लगभग 2.30 बजे तक यही स्थिति बनी रही। ट्रैक क्लीयर होने के बाद ही ट्रेनों का संचालन फिर से शुरू किया जा सका। कई यात्रियों को पूरी रात प्लेटफार्म पर ही बितानी पड़ी। गर्मी और उमस के कारण लोग काफी परेशान रहे और बार-बार रेलवे अधिकारियों से ट्रेनों की जानकारी लेते नजर आए। प्रभावित ट्रेनों में इंदौर-अमृतसर रतलाम-भिंड इंटरसिटी, झांसी-बांद्रा एक्सप्रेस और देहरादून एक्सप्रेस सहित कई प्रमुख ट्रेनें शामिल रहीं, जो घंटों देरी से ब्यावरा पहुंचीं।

बारात में जा रहे युवकों की कार दीवार में घुसी, तीन युवकों की मौत

जागरण, खंडवा। प्रदेश के खंडवा जिले में बारात में शामिल होने जा रहे युवकों की तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे दीवार में जा घुसी। हादसे में तीन युवकों की मौके पर दर्दनाक मौत हो गई। वहीं दो युवक गंभीर घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने कार में फंसे घायलों को बाहर निकाला और अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए हैं और हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। दरअसल घटना पिपलोद के गुड़ी-लुनहार गांव के पास रविवार शाम 6 बजे की है। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के एयरबैग खुलकर फट गए। मृतकों की पहचान मोहित 22 वर्ष निवासी बलवाड़ा, पुष्पक 24 वर्ष निवासी बलवाड़ा और ऋतिक 24 वर्ष निवासी गरनगांव के रूप में हुई है। हादसे की खबर मिलते ही परिजन भी अस्पताल पहुंच गए, जहां माहौल गमगीन हो गया और चीख-पुकार मच गई। सूचना मिलने पर सीएसपी अभिनव कुमार बारंगे और थाना प्रभारी धीरेश धारवाल पुलिस टीम के साथ अस्पताल पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया।

खेत से घर लौट रहे परिवार को हाथी ने कुचला, महिला की मौत

जागरण, अनूपपुर। जिला मुख्यालय से 8 किलोमीटर दूर ग्राम पंचायत बरबसपुर के भोलगढ़ गांव के जंगल में रविवार की दोपहर चटुआ के खेत से भोलगढ़ गांव जंगल के रास्ते से एक परिवार जा रहा था, इसका सामना अचानक एक हाथी से हो गया। हाथी ने दौड़ाकर पहले एक महिला को पैर से कुचल दिया, जिससे महिला की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। इसके बाद हाथी ने महिला के पति एवं बेटे को भी घायल कर दिया है। दोनों को इलाज के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया है। रविवार दोपहर ग्राम पंचायत बरबसपुर के गांव भोलगढ़ निवासी समयलाल पाव जिसका खेत चटुआ गांव के पास जंगल में है। छह सदस्यों वाला यह परिवार दिन में खेत में रहा, दोपहर 3 बजे खेत से जंगल होकर भोलगढ़ गांव की तरफ आ रहा था। इसी दौरान रास्ते के पास खड़े एक हाथी ने हमला कर दिया। महिला प्रेमवती पाव भाग नहीं सकी।

रघु राय ने दुनिया को दिखाई आधुनिक भारत की तस्वीर

नई दिल्ली, जेएनएन। मशहूर फोटो जर्नलिस्ट रघु राय का 83 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। देश के मशहूर फोटोग्राफर रघु राय का 83 साल की उम्र में निधन हो गया है। वह दो साल से प्रोस्टेट कैंसर से जूझ रहे थे। उन्होंने अपने जीवन में ऐसी जीवंत तस्वीरें खींची हैं जिनकी वजह से दुनिया ने भारत की आधुनिक तस्वीर देखी। साथ ही भोपाल गैस त्रासदी से लेकर 1984 के दंगों तक की उनकी तस्वीरों की वजह से पूरी दुनिया में नई बहस भी छिड़ी थी।

1971 में उन्हें पद्मश्री सम्मान से नवाजा गया था। भोपाल त्रासदी के वक्त उनकी एक तस्वीर बहुत लोकप्रिय हुई थी। इसमें एक मासूम बच्चे का शव पड़ा हुआ था। इसके बाद पूरी दुनिया में बहस छिड़ गई थी कि आखिर कॉर्पोरेट की लोगों के जीवन के प्रति क्या जिम्मेदारी है। उन्होंने पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के जीवन के कई लम्हों को तस्वीरों में उतारा। मदर टेरेसा की तस्वीरें भी काफी लोकप्रिय हुईं।

रघु राय का जन्म 18 दिसंबर 1942 को झंग (अब पाकिस्तान) में हुआ था। उन्होंने अपने कॅरियर की शुरुआत 1960 के दशक में की। शुरुआत में वह सिविल इंजीनियरिंग से जुड़े थे, लेकिन बाद में फोटोग्राफी की ओर मुड़े उनके भाई एस. पॉल ने उन्हें इस क्षेत्र में प्रेरित किया। एक साधारण शुरुआत ने आगे चलकर उन्हें दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित फोटोग्राफरों में शामिल कर दिया।

1972 में पेरिस में उनकी प्रदर्शनी ने दिग्गज फोटोग्राफर हेनरी कार्टियर-ब्रेसन का ध्यान खींचा, जिन्होंने 1977 में उन्हें मैग्नम फोटोज के लिए नॉमिनेट किया। इससे उन्हें वैश्विक पहचान मिली। उनकी तस्वीरें टाइम, लाइफ, न्यूयॉर्क टाइम्स और नेशनल जियोग्राफिक जैसी अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित हुईं।

1966 में रघु राय ने 'द स्टेट्समैन' अखबार में चीफ फोटोग्राफर के रूप में काम शुरू किया। यहीं से उन्हें पहचान मिलने लगी। उनकी तस्वीरों में आम लोगों की जिंदगी और समाज की सच्चाई झलकती थी। इसके बाद उन्होंने 'संडे' मैगजीन और फिर 'इंडिया टुडे' में काम किया। 1980 के दशक में उन्होंने यहां कई यादगार फोटो स्टोरीज कीं। उनकी तस्वीरों ने भारतीय पत्रकारिता की विजुअल पहचान को मजबूत किया। उन्होंने इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, मदर टेरेसा, बाला साहेब ठाकरे और सत्यजीत रे जैसे बड़े व्यक्तित्वों की तस्वीरें खींचीं। उनकी खासियत थी कि वह इन हस्तियों के मानवीय पहलुओं को सामने लाते थे।

अलविदा रघु राय

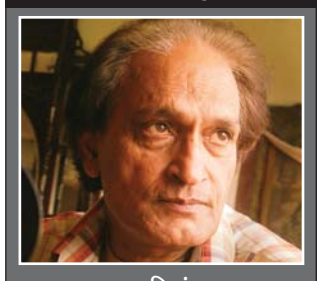

जन्म : 18 दिसंबर 1942
निधन: 26 अप्रैल 2026

ऐतिहासिक पलों को किया कैमरे में कैद

रघु राय ने भारत की कई बड़े ऐतिहासिक घटनाओं को कैमरे में कैद किया। 1984 की भोपाल गैस त्रासदी हो या 1971 का बांग्लादेश युद्ध, इमरजेंसी और ऐसे ही कई सामाजिक बदलाव, उन्होंने अपने कैमरे में दर्ज किए। उनकी तस्वीरें सिर्फ फोटो नहीं, बल्कि इतिहास का दस्तावेज हैं। राय ने पांच दशक लंबे करियर में बांग्लादेश युद्ध से लेकर भारत की सड़कों के आम जीवन तक हर पहलू को कैमरे में कैद किया। इंदिरा गांधी और मदर टेरेसा जैसे व्यक्तित्वों के उनके पोर्ट्रेट आज भी ऐतिहासिक दस्तावेज माने जाते हैं।

भोपाल गैस त्रासदी

राजीव गांधी की सभा

मदर टेरेसा

1984 के दंगे

43 डिग्री तापमान ने तोड़ा चार साल का रिकार्ड, आधे प्रदेश में चली लू

बादलों ने आकर दी गर्मी से राहत, हल्की बूंदाबांदी , 2022 में 30 अप्रैल को रिकार्ड हुआ था 43.3 डिग्री पारा

नगर संवाददाता, भोपाल। राजधानी भोपाल में रविवार को गर्मी ने बीते चार साल का रिकार्ड तोड़ा। दिन का अधिकतम तापमान 43 डिग्री रिकार्ड किया। यह बीते चार साल में सबसे अधिक है। मौसम केंद्र भोपाल से मिली जानकारी अनुसार इससे पहले 30 अप्रैल 2022 को शहर का अधिकतम पारा 43.3 डिग्री था। हालांकि ऑवर ऑल रिकार्ड देखें तो वर्ष 1996 में 29 अप्रैल को भोपाल का अधिकतम तापमान 44.4 डिग्री दर्ज किया है, जो अप्रैल का सबसे अधिक तापमान है। मौसम विभाग के अधिकारियों ने बताया कि रविवार को शहर में जहां एक तरफ गर्मी अधिक थी, वहीं दूसरी ओर लोकल नमी के कारण आसमान पर बादल छा गए और हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई। मौसम वैज्ञानिक वीरेन्द्र सिंह यादव के अनुसार अत्यधिक गर्मी बढ़ने से आसमान में आद्रता या नमी बढ़ जाती है, साथ में प्रदेश के ऊपर एक चक्रवात है, इन दोनों के कारण लोकल सिस्टम सक्रिय हो जाता है। रविवार को भोपाल में यही हुआ। शहर के कुछ क्षेत्रों में हल्की बारिश हुई। जबकि बादल सभी जगह छाए रहे।

खजुराहो में बरसी आग, पारा 45 डिग्री: मप्र में रविवार को सबसे ज्यादा गर्मी छतरपुर जिले के खजुराहो में रही। यहां दिन का अधिकतम तापमान 45 डिग्री दर्ज किया गया, जो कि प्रदेश में सबसे अधिक रहा।

रविवार को राजधानी के कई क्षेत्रों में बूंदाबांदी हुई।

22 जिलों में लू की स्थिति

मौसम बुलेटिन के मुताबिक शनिवार को रायसेन, धार, रतलाम, छिंदवाड़ा, मंडला, बालाघाट, टीकमगढ़ ओर श्योपुर जिले में लू रिकार्ड की गई। जबकि रविवार को प्रदेश के करीब 22 जिलों में लू जैसी स्थिति रही, यहां ओरेंज अलर्ट जारी किया गया। इन 22 जिलों में मुरैना, श्योपुरकलां, ग्वालियर, भिंड, दतिया, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, मंडला, बालाघाट, सिवनी, छिंदवाड़ा, विदिशा, रायसेन, नीमच, मंदसौर, रतलाम, उज्जैन, इंदौर व धार का नाम शामिल है।

कहां कितना पारा

खजुराहो	-	45.0
नौगांव	-	44.6
सागर	-	44. 4
नर्मदापुरम	-	44.4
दमोह	-	44.2
मंडला	-	44.0

कल से बदल जाएगा मौसम

मौसम विभाग भोपाल से मिली जानकारी अनुसार तेज गर्मी का सिलसिला सोमवार तक और रहेगा। इसके बाद मंगलवार से अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री तापमान की गिरावट होने का अनुमान है। इसका कारण मप्र के ऊपर उत्तर दिशा में एक पश्चिमी विक्षोभ का सक्रिय होना है। इसके सक्रिय होने से गर्मी में कमी आएगी। हालांकि यह बदलाव या तापमान में कमी अस्थाई होगी, मई के दूसरे सप्ताह में गर्मी फिर बढ़ेगी।

बुरहानपुर में कार्रवाई के दौरान मचा बवाल, तनाव के बाद फोर्स तैनात

अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम पर फेंके पत्थर, जेसीबी पलटी, चार घायल

जागरण, बुरहानपुर। प्रदेश के बुरहानपुर के झांझर गांव में अतिक्रमण हटाने पहुंची वन विभाग और पुलिस टीम पर करीब 150 लोगों ने पथराव कर दिया। इस घटना में चार लोग घायल हुए हैं। पथराव के दौरान जेसीबी भी पलट गई। घटना के बाद इलाके में तनाव के चलते भारी फोर्स तैनात कर दी गई है।

मालूम हो कि बुरहानपुर वनमंडल की नेपा रेंज के ग्राम झांझर में रविवार सुबह वन विभाग, पुलिस और प्रशासन की टीम अतिक्रमण हटाने पहुंची थी। टीम पर आक्रोशित अतिक्रमकारियों ने पथराव कर दिया, जिसमें वनकर्मियों सहित चार लोग घायल हो गए। घटना में घायल जेसीबी चालक को इलाज के लिए जिला अस्पताल भेजा। फिलहाल उसकी हालत में सुधार है। लंबे समय से वन विभाग बाहरी अतिक्रमणकारियों को हटाने की योजना बना रहा था, लेकिन तारीख तय नहीं हो पा रही थी। रविवार सुबह करीब 11 बजे कार्रवाई शुरू होने के साथ ही पथराव हो गया। अभियान में निमाड़ के 4 जिलों का वन अमला और पुलिस शामिल रही। इसके लिए शनिवार शाम बुरहानपुर पुलिस लाइन में फोर्स जमा की गई थी। अभियान के दौरान अतिक्रमणकारियों ने जेसीबी पर पत्थर मारा, जिससे स्टेयरिंग हिला और जेसीबी पलट गई। युवक के सिर में चोट आई और वह बचकर भागा। सीधी निवासी जेसीबी चालक कमल बंसल को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल ने बताया कि 150 से अधिक अतिक्रमणकारियों ने हमला किया, जिससे पुलिस और वनकर्मियों को जान बचाकर भागना पड़ा। घायल जेसीबी चालक के चौकी प्रभारी सलीम खान ने बयान दर्ज किए।

बाहरी अतिक्रमणकारियों कर रहे बेदखल: डीएफओ विद्याभूषण सिंह ने बताया कि नेपानगर रेंज में रविवार को बड़ी कार्रवाई की जा रही है। बाहरी अतिक्रमणकारियों को चिह्नित कर बेदखल किया जा रहा है। इसमें पुलिस, प्रशासन और बुरहानपुर के साथ खंडवा, खरगोन, बड़वाह के वनकर्मी शामिल हैं। करीब 500 से अधिक अफसर-कर्मचारी जेसीबी और अन्य संसाधनों के साथ फील्ड में हैं। बुरहानपुर वनमंडल के एसडीओ अजय सागर ने बताया कि वन विभाग की टीम झांझर में अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई करने पहुंची थी। इसी दौरान कुछ लोगों ने पथराव कर दिया।

अपात्र लोगों को हटाने बेदखली की योजना बनाई

बीते सालों में नेपानगर और नावरा रेंज में बड़े पैमाने पर वन कटाई हुई। बाद में विकास के लिए लाखों रूट-शूट और पौधे लगाए, जिन्हें पेड़ बनने में 15-20 साल लगेंगे। वन विभाग अब अतिक्रमण और कटाई रोकने के प्रयास तेज कर चुका है। ग्रामीणों को बैठकों के जरिए जागरूक किया और बेदखली की योजना बनाई गई। ढाई साल पहले जिले में वनों में बड़े पैमाने पर तबाही मची थी। बाहरी अतिक्रमणकारियों ने अधिकारियों के सामने पेड़ों की कटाई की थी। इसके बाद प्रशासन, पुलिस और वन विभाग ने नावरा रेंज में अभियान चलाकर 1000 से अधिक टपरियां तोड़ीं और अतिक्रमणकारियों को हटाया। बाद में पौधारोपण हुआ। अब फिर बेदखली का अभियान चल रहा है, क्योंकि पात्र के अलावा अपात्र लोग भी बस गए हैं।

दमोह हत्या: भतीजे ने चाचा को सब्बल से मारकर सिर कुचला, आंखें बाहर निकलीं

आरोपी भतीजा फरार जांच में जुटी पुलिस

जागरण, दमोह। प्रदेश के दमोह जिले में रविवार सुबह रिश्तों को झकझोरने वाला एक मामला सामने आया है। भतीजे ने चाचा पर सब्बल से कई वार किए और पत्थर से सिर कुचलकर हत्या कर दी। हत्या इतने नृशंस ढंग से की थी कि मृतक की आंखें तक बाहर निकल आईं। इसके बाद आरोपी फरार हो गया। सूचना मिलते ही नोहटा पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। नोहटा पुलिस के मुताबिक, मृतक की पहचान रोंड गांव निवासी चुन्नू रैकवार के रूप में हुई है। चुन्नू की पत्नी भगवती रैकवार की 4 साल पहले बीमारी से मौत हो चुकी है। परिवार में तीन बेटियां और एक बेटा है। बेटा शुभम महाराष्ट्र में नौकरी करता है। दो बेटियां घर पर ही रहती हैं। एक बेटी की शादी हो चुकी है। मृतक की बेटी सुषमा रैकवार ने बताया कि रविवार सुबह 7 बजे वह पिता को जगाने पहुंची तो उसने देखा कि पिता घर के पास बने बाड़े में खून से लथपथ पड़े थे। घायल अवस्था में चुन्नू रैकवार ने बताया कि उनके भतीजे रामजी रैकवार ने हमला किया। बेटी ने परिजनों को सूचना दी। इसके बाद चुन्नू रैकवार को दमोह जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। **बेटी बोली-पहले भी धमकी देता था आरोपी:** शुरुआती जांच में पारिवारिक विवाद की बात सामने आई है। बेटी के मुताबिक, आरोपी पहले भी विवाद करता था और धमकी देता था। आरोपी शराब के नशे में आए दिन विवाद करता था। कुछ दिन पहले भी दोनों के बीच झगड़ा हुआ था। घायल अवस्था में भी चुन्नू रैकवार ने हमलावर के रूप में रामजी रैकवार का नाम लिया। ग्रामीणों के अनुसार, परिवार में पहले कभी कोई बड़ा विवाद सामने नहीं आया था। घटना के समय मृतक और उसकी बेटी घर पर अकेले थे, जबकि आरोपी अपने माता-पिता के साथ घर में मौजूद था। परिवार के अन्य सदस्य आनू गांव में एक शादी समारोह में गए थे।

इंदौर में एस्ट्रोलॉजर्स का आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न

इंदौर। शहर में 26 अप्रैल को आयोजित एस्ट्रोलॉजर्स का भव्य, प्रोफेशनल एवं सुव्यवस्थित आयोजन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ज्योतिष के माध्यम से समाज सेवा को एक नई, सकारात्मक और प्रभावशाली दिशा देना था, जिसमें शहर के अनेक प्रतिष्ठित एवं अनुभवी एस्ट्रोलॉजर्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रमुख आयोजक ज्योतिषाचार्य रुचिका बी. भसीन ने अपने संबोधन में कहा, हमारा उद्देश्य ज्योतिष को केवल व्यक्तिगत लाभ तक सीमित रखना नहीं, बल्कि इसे समाज सेवा का एक मजबूत माध्यम बनाना है। आज के समय में जब युवा मानसिक तनाव और अस्थिरता का सामना कर रहे हैं, ऐसे में ज्योतिष और हीलिंग पद्धतियां उन्हें सही दिशा और सकारात्मक ऊर्जा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। कार्यक्रम में शामिल सभी एस्ट्रोलॉजर्स ने एकजुट होकर समाज सेवा, मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता और हीलिंग पहल को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। यह आयोजन इंदौर में ज्योतिष के क्षेत्र में एक नई शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है, जो समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

चिंताजनक मॉडर्न लाइफस्टाइल और देर से शादी बनी बड़ी दुश्मन, जांच में देरी बन रही खतरा

कम उम्र की महिलाओं में तेजी से बढ़ रहा है ब्रेस्ट कैंसर

नई दिल्ली, जेएनएन। पिछले कुछ सालों में स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने एक चौंकाने वाला बदलाव देखा है। कभी बढ़ती उम्र की बीमारी माना जाने वाला ब्रेस्ट कैंसर अब 20 और 30 साल की महिलाओं में तेजी से पैर पसार रहा है। हालिया रिपोर्ट्स और ग्लोबल डेटा बताते हैं कि कम उम्र की महिलाओं में इस बीमारी के मामले पहले की तुलना में कहीं ज्यादा दर्ज किए जा रहे हैं। डॉक्टर्स का मानना है कि इसके पीछे सिर्फ अनुवांशिक कारण ही नहीं, बल्कि हमारी मॉडर्न लाइफस्टाइल भी एक बड़ी वजह है। समय पर जांच की कमी और लक्षणों को सामान्य समझकर टाल देना इस खतरे को और भी गंभीर बना देता है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट्स

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि ब्रेस्ट कैंसर मुख्य रूप से दो तरीकों से फैलता है। पहला, लिम्फ नोड्स के जरिएए जो ब्रेस्ट

से होते हुए बगल, गर्दन और छाती तक संक्रमण फैलाते हैं। दूसरा, ब्लडस्ट्रीम के जरिए। ब्रेस्ट में ब्लड वेसल्स का बड़ा नेटवर्क होता है, जो कैंसर कोशिकाओं को हड्डियों, स्पाइन और पेल्विस तक पहुंचा देता है। उन्होंने आगे बताया कि कैंसर का फैलाव उसके प्रकार पर भी निर्भर करता है। हार्मोन सेंसिटिव कैंसर आमतौर पर हड्डियों में तेजी से फैलता है, जबकि ट्रिपल नेगेटिव ब्रेस्ट कैंसर ज्यादा आक्रामक होता है और अक्सर दिमाग और फेफड़ों तक फैल सकता है,साथ ही लीवर को भी प्रभावित कर सकता है। बता दें कि ब्रेस्ट कैंसर आज के समय में महिलाओं में होने वाली सबसे आम बीमारियों में से एक है। यह तब शुरू होता है जब स्तन की कुछ कोशिकाएं जरूरत से ज्यादा तेजी से बढ़ने लग जाती हैं और एक गांठ बना लेती हैं। अगर इसे शुरुआती समय में पहचान लिया जाए, तो इसका इलाज काफी हद तक संभव होता है। लेकिन समस्या तब गंभीर हो जाती है, जब यह कैंसर शरीर के दूसरे हिस्सों में फैलने लगता है। इस प्रक्रिया को मेटास्टेसिस कहा जाता है। इसमें कैंसर की कोशिकाएं खून के जरिए शरीर के अन्य अंगों जैसे हड्डियों, फेफड़ों या लिवर तक पहुंच सकती हैं।

इन लक्षणों पर रखें नजर

ब्रेस्ट कैंसर की शुरुआत हमेशा दर्द के साथ नहीं होती। अगर आपको ब्रेस्ट या बगल में कोई गांठ महसूस हो, त्वचा के रंग में बदलाव दिखे या निप्पल से असामान्य डिस्चार्ज हो तो इसे हल्के में न लें। अमेरिकन कैंसर सोसायटी के मुताबिक, अगर ब्रेस्ट के आकार में अचानक बदलाव आए या वहां की त्वचा संतरे के छिलके जैसी दिखने लगे तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए।

बचाव के लिए क्या करें

अपनी सेहत को प्राथमिकता देना ही सबसे बड़ा बचाव है। हर महीने 'सेल्फ ब्रेस्ट एग्जामिनेशन' (खुद से जांच) की आदत डालें। संतुलित आहार लें, वजन नियंत्रित रखें और शराब व धूम्रपान से दूरी बनाएं। विशेषज्ञों का कहना है कि अगर परिवार में कैंसर की हिस्ट्री रही है तो जेनेटिक टेस्टिंग और रेगुलर स्क्रीनिंग से इस खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है।

क्यों बढ़ रहे हैं मामले

ग्लोबल हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, देर से शादी करना, पहले बच्चे के जन्म में देरी और फिजिकल एक्टिविटी की कमी जैसे कारक इस रिस्क को बढ़ा रहे हैं। मायो क्लिनिक की एक रिपोर्ट बताती है कि कम उम्र की लड़कियों में होने वाला कैंसर अक्सर ज्यादा एग्रेसिव होता है।

छुट्टी के दिन सुनवाई, हाईकोर्ट ने 120 व्यापारियों को दी राहत

दुकानदारों के बेदखली के आदेश पर कोर्ट की रोक

जागरण, इंदौर। प्रदेश की आर्थिक राजधानी इंदौर में रविवार को हाई कोर्ट की पीठ ने सुनवाई कर शिवाजी मार्केट के करीब 120 व्यापारियों को बड़ी राहत दी है। लंबे समय से रिवर फ्रंट प्रोजेक्ट के तहत मार्केट को हटाने की कोशिशों के बीच प्रशासन द्वारा जारी बेदखली आदेश पर अब रोक लग गई है। रविवार को विशेष सुनवाई में हाई कोर्ट ने व्यापारियों के पक्ष में फैसला देते हुए उन्हें तत्काल बेदखल करने पर रोक लगा दी। दरअसल प्रशासन शिवाजी मार्केट को हटाकर व्यापारियों को नंदलालपुरा में विस्थापित करना चाहता है। इससे पहले भी हाई कोर्ट ने निर्देश दिए थे कि व्यापारियों को बेदखली से पहले उचित सुनवाई का अवसर देना जरूरी है। इसके बावजूद निगम ने व्यापारियों की लीज निरस्त कर दी और मामला एसडीएम, जूनी इंदौर के पास भेजा। एसडीएम ने 31 मार्च को नोटिस जारी कर 9 अप्रैल को सुनवाई तय की थी। व्यापारियों की ओर से सीनियर एडवोकेट मनीष यादव और मेहुल वर्मा ने जवाब पेश किया। 22 अप्रैल को बेदखली का आदेश जारी कर दिया। इसकी सूचना भी 24 अप्रैल को दी गई, जिससे अपील का समय भी सीमित हो गया। मामले में प्रशासन जल्द ही कार्रवाई कर व्यापारियों को हटाने की तैयारी में था। इस पर व्यापारियों ने तत्काल कानूनी रास्ता अपनाया। एडवोकेट के माध्यम से चीफ जस्टिस को पत्र लिखकर छुट्टी के दिन सुनवाई की मांग की गई, जिसे स्वीकार कर लिया गया।

भुलानिहा मंदिर के जीर्णोद्धार और तालाब सौंदर्यीकरण की बनी योजना

जल गंगा अभियान : सेंहुड़ा तालाब में जल संवाद व नागरिक श्रमदान

आंचलिक डेस्क। जन अभियान परिषद के संयोजन में जिले के ग्राम सेंहुड़ा स्थित भुलानिहा शासकीय तालाब में जल गंगा अभियान के अंतर्गत सामूहिक श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अधिकारियों, ग्रामीणों, जनप्रतिनिधियों एवं विभिन्न संस्थाओं के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए तालाब की सफाई एवं संरक्षण कार्य किया। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने जल संरक्षण के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वर्षा जल संचयन और जल स्रोतों के संरक्षण पर जोर दिया। साथ ही भुलानिया मंदिर के जीर्णोद्धार एवं तालाब के सौंदर्यीकरण की विस्तृत योजना बनाने पर सहमति बनी, जिससे क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान और पर्यावरण संरक्षण दोनों को बढ़ावा मिल सके।

इस अवसर पर संयुक्त आयुक्त सुदेश मालवीय, जन अभियान परिषद के संभागीय समन्वयक प्रवीण पाठक, जिला समन्वयक जागेश्वर ताम्रकार, अमित अभ्यादस, एपीओ जवा नागेंद्र सिंह, सीडीओ एवं उपयंत्री सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव एवं ग्राम रोजगार सहायक के साथ नवांकुर संस्था के प्रतिनिधि विनय बघेल, भूप नारायण मिश्रा, अरुण तिवारी तथा मेंटर सुधा पांडेय, वर्षा द्विवेदी, शिशिर तिवारी, नीरज कोरी एवं धीरज गुप्ता की सक्रिय भागीदारी रही। प्रस्फुटन समिति के सदस्य उदयराज सिंह, सुनील साहू, राधेश्याम गुप्ता एवं अर्जुन सिंह सहित बड़ी संख्या में

ग्रामीणों ने श्रमदान कर अभियान को सफल बनाया। इस पहल का उद्देश्य सामुदायिक सहयोग से प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण एवं ग्राम विकास को नई दिशा देना है, जिसमें ग्रामीणों का उत्साह सराहनीय रहा।

पहड़िया में मां बगलामुखी पीतांबरा शक्तिपीठ की हुई स्थापना, उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

जागरण, रीवा। विंध्य क्षेत्र का रीवा अब एक नई आध्यात्मिक पहचान के साथ उभरकर सामने आया है। यहां मां पीतांबरा (बगलामुखी) के नवीन मंदिर की स्थापना ने इसे आस्था के एक प्रमुख केंद्र के रूप में स्थापित कर दिया है। धार्मिक दृष्टि से यह स्थापना अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है, जिससे पूरे क्षेत्र में श्रद्धा और सकारात्मक ऊर्जा का वातावरण निर्मित हुआ है। रीवा के पहाड़िया क्षेत्र स्थित निजी महाविद्यालय प्रांगण में नव-निर्मित मंदिर में श्री श्री 1008 परमहंस हरिचेतनानंद ब्रह्मचारी महाराज टीकर माफी अमेठी के कर कमलों से वैदिक मंत्रोच्चार, हवन-पूजन और कलश स्थापना के साथ यह आयोजन भव्य एवं श्रद्धामय वातावरण मे मां बगलामुखी एवं शिव-पार्वती की विधिविधान के साथ स्थापना और प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। इस अवसर पर रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा, वरिष्ठ अधिवक्ता रावेन्द्र मिश्र, पूर्व सांसद राजमणि पटेल, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय के कुलपति राजेन्द्र कुड़रिया, पूर्व विधायक नीलम अभय मिश्रा, बृजभूषण शुक्ला, विमलेन्द्र तिवारी, भाजपा नेत्री विमलेश मिश्रा, सेवानिवृत्त चीफ इंजीनियर एच एल त्रिपाठी, पूर्व विधानसभा सचिव सत्य नारायण चतुर्वेदी, रीता बहुगुणा जोशी के निज सचिव शंत प्रसाद पाण्डेय, वरिष्ठ अधिवक्ता विद्याशंकर मिश्रा सहित नागा साधु संतो और समाजसेवियों की गरिमामई उपस्थिति रही। जब श्री श्री परमहंस हरिचेतनानंद ब्रह्मचारी महाराज द्वारा लोकार्पण किया गया। उसी दौरान बालेन्दु शुक्ला को शुभकामना देने के

लिए पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह राहुल का फोन आया उन्होंने महाराज जी से आशीर्वाद लिया। हरि चेतनानंद ब्रह्मचारी महाराज ने अजय सिंह राहुल को 2028 में मुख्यमंत्री बनने का फोन पर ही आशीर्वाद दिया। कार्यक्रम के आयोजक समाजसेवी बालेंदु शुक्ला ने कहा कि यह अद्भुत संयोग है कि मध्यप्रदेश में दतिया के बाद अब रीवा जिले के रायपुर कर्चुलियान तहसील अंतर्गत ग्राम पहाड़िया भी मां पीतांबरा धाम के नाम से प्रमुख आस्था केंद्र के रूप में स्थापित हो रहा है। अब विंध्य क्षेत्र के श्रद्धालुओं को मां पीतांबरा का दर्शन लाभ रीवा के पहाड़िया में ही प्राप्त होगा। कार्यक्रम सुबह 11.00 से प्रारंभ हुआ और 12.00 से भोजन प्रसाद शुरू हुआ जो देर रात 11.30 बजे तक चलता रहा इस दौरान हजारों की संख्या में लोगों ने मां पीतांबरा और भगवान शंकर पार्वती का दर्शन प्रसाद ग्रहण किया प्राण प्रतिष्ठा के दौरान आसपास के जिलों और गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे, जिससे पूरा क्षेत्र भक्ति में सराबोर नजर आया। मंदिर परिसर जय मां पीतांबरा के जयकारों से गूंज उठा और श्रद्धालु भक्ति भाव में झूमते दिखाई दिए। मंदिर में मां बगलामुखी देवी (पीतांबरा) विराजमान हैं, जिन्हें शत्रु विनाश, न्याय और राजसत्ता की अधिष्ठात्री देवी माना जाता है। मान्यता है कि उनकी उपासना से संकट दूर होते हैं और साधक को विजय प्राप्त होती है। भक्तों का विश्वास है कि इस नवीन शक्तिपीठ की स्थापना से रीवा एवं विंध्य क्षेत्र में आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होगा और मां पीतांबरा अपने भक्तों की मनोकामनाएं पूर्ण करेंगी। उल्लेखनीय है कि यह स्थापना पीतांबरा पीठ दतिया की तर्ज पर की गई है, जो देशभर में मां पीतांबरा के प्रमुख सिद्धपीठ के रूप में प्रसिद्ध है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए रीवा में यह नया धार्मिक केंद्र विकसित किया गया है, जो आने वाले समय में श्रद्धालुओं के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल के रूप में स्थापित होता नजर आ रहा है।

टीकर से फिर लौटा हाथियों का जोड़ा

हरदुआ क्षेत्र में दहशत का माहौल

गोविन्दगढ़ ब्यूरो। टीकर क्षेत्र के हरदुआ गांव में एक बार फिर हाथियों के जोड़े की दस्तक ने ग्रामीणों में दहशत का माहौल पैदा कर दिया है। ग्रामीणों के अनुसार, कल शाम से हाथियों का यह जोड़ा इलाके में देखा जा रहा है, जिससे लोग भयभीत हैं और सतर्कता बरत रहे हैं। बताया जा रहा है कि यह वही हाथियों का जोड़ा है, जो कुछ दिन पहले भी टीकर और आसपास के क्षेत्रों में नजर आया था। जंगल से निकलकर यह जोड़ा फिर से रिहायशी इलाके की ओर बढ़ता दिखा, जिससे ग्रामीणों की चिंता बढ़ गई है।

जैसे ही हाथियों के गांव के पास होने की खबर फैली, लोग अपने घरों

में सुरक्षित रहने लगे और बच्चों को बाहर न निकलने की हिदायत दी गई। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि रात के समय हाथियों की हलचल ज्यादा देखी गई, जिससे फसलों और संपत्ति को नुकसान होने की आशंका भी बनी हुई है। हालांकि अभी तक किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली है, लेकिन खतरा लगातार बना हुआ है।

वन विभाग की टीम भी सतर्क, लिया जायजा

सूचना मिलने के बाद वन विभाग की टीम भी सतर्क हो गई है। विभाग के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और ग्रामीणों को सावधानी बरतने की सलाह दी है। साथ ही, हाथियों को सुरक्षित तरीके से जंगल की ओर वापस भेजने के प्रयास किए जा रहे हैं। ग्रामीणों ने वन विभाग से मांग की है कि क्षेत्र में लगातार गश्त बढ़ाई जाए और हाथियों को जल्द से जल्द जंगल की ओर खदेड़ा जाए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना से बचा जा सके।

सावधानी ही सुरक्षा

वन विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे हाथियों के करीब न जाएं, न ही उन्हें उकसाने की कोशिश करें, और किसी भी गतिविधि की तुरंत सूचना प्रशासन को दें। इस घटना ने एक बार फिर क्षेत्र में मानव-वन्यजीव संघर्ष की गंभीरता को उजागर कर दिया है, जिस पर स्थायी समाधान की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

सुदामा जैसी निष्ठा हो तो बिना मांगे ही मिल जाती है ईश्वर कृपा

जीवन में संतोष होना परम आवश्यक: आचार्य विवेक महाराज

नईगढ़ी। मौहरिया गांव में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के सातवें दिन प्रयागराज से पधारे कथा व्यास आचार्य विवेक महाराज ने सुदामा चरित्र और परीक्षित मोक्ष आदि प्रसंगों का सुंदर वर्णन किया। सुदामा जी जितेंद्रिय एवं भगवान कृष्ण के परम मित्र थे। भिक्षा मांगकर अपने परिवार का पालन पोषण करते। गरीबी के बावजूद भी हमेशा भगवान के ध्यान में मग्न रहते। पत्नी सुशीला सुदामा जी से बार बार आग्रह करती कि आपके मित्र तो द्वारकाधीश है। उनसे जाकर मिलो शायद वह हमारी मदद कर दें। सुदामा पत्नी के कहने पर द्वारका पहुंचते हैं और जब द्वारपाल भगवान कृष्ण को बताते हैं कि सुदामा नाम का ब्राम्हण आया है। कृष्ण यह सुनकर नंगे पैर दौड़कर आते हैं और अपने मित्र को गले से लगा लेते । उनकी दीन दशा देखकर कृष्ण के आंखों से अश्रुओं की धारा प्रवाहित होने लगती है। सुदामा जी को सिंहासन पर बैठाकर कृष्ण जी सुदामा के चरण धोते हैं। सभी पटरानियां सुदामा जी से आशीर्वाद लेती हैं। सुदामा जी विदा लेकर अपने स्थान लौटते हैं तो भगवान कृष्ण की कृपा से अपने यहां महल बना पाते हैं लेकिन सुदामा जी अपनी फूंस की बनी कुटिया में रहकर भगवान का सुमिरन करते हैं। इस लिए कहा गया है कि जब जब भक्तों पर विपदा आई है प्रभु उनका तारण करने जरुर आए हैं। अगले प्रसंग में शुकदेव जी ने राजा परीक्षित को सात दिन तक श्रीमद्भागवत कथा सुनाई, जिससे उनके मन से मृत्यु का भय निकल गया। तक्षक नाग आता है और राजा परीक्षित को डस लेता है। राजा परीक्षित कथा श्रवण करने के कारण भगवान के परमधाम को पहुंचते है। ग्राम मौहरिया में आयोजित श्रीमद् भागवत महापुराण सप्ताह यज्ञ के यज्ञकर्ता दीपक द्विवेदी के यहां आयोजित श्रीमद् भागवत कथा में शशिकला द्विवेदी पत्नी स्व लवकुश प्रसाद द्विवेदी, शीला द्विवेदी पत्नी स्व शुशील कुमार द्विवेदी, परिवार के सदस्य,अनिल द्विवेदी, विजय द्विवेदी, दीपक द्विवेदी, प्रदीप द्विवेदी, संकल्प द्विवेदी, रोहित द्विवेदी, विश्वास द्विवेदी, ओम द्विवेदी एवं समस्त द्विवेदी परिवार के आयोजकत्व में कथा संपन्न हुई।

मनगवां को मिली विकास कार्यों की सौगात

विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यों का भूमिपूजन और लोकार्पण

मनगवां। भारतीय जनता पार्टी सरकार के अंत्योदय से राष्ट्रोदय की परिकल्पना को साकार करने एवं ग्रामीण क्षेत्रों के सम्यक विकास के उद्देश्य को पूरा करने के संकल्प के साथ मनगवां विधानसभा की जनपद पंचायत गंगेव के ग्राम पंचायत मौहरिया में लगभग 38.00 लाख रुपए की लागत से निर्मित ग्राम पंचायत को सुचारु रूप से संचालित करने के उद्देश्य से अटल सुशासन भवन, तकरीबन 25.00 लाख की लागत से बनने वाले सामुदायिक भवन, अरौहा नाले में लगभग 18.00 लाख रुपए की लागत से बने उन्नत पुल के लोकार्पण एवं लगभग 24.00 लाख रुपए की लागत से बनने वाली माध्यमिक विद्यालय का भी भूमिपूजन किया गया। इसके साथ ही हरदी में तकरीबन 11.00 लाख रुपए की लागत से बनने जा रही पीसीसी सड़क निर्माण सहित विभिन्न जनकल्याणकारी

योजनाओं जैसे व्यक्तिगत नाली निर्माण एवं छोटी सड़कों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन कर क्षेत्रीय जनों को विकास कार्यों की विभिन्न सौगातें प्रदान की। ग्राम पंचायत मौहरिया में भव्य पंचायत भवन में बने देवी मंदिर में देवी आराधना के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मनगवां विधायक इंजीनियर नरेंद्र प्रजापति, जनपद सदस्य रमेश प्रताप सिंह, जनपद सदस्य अशोक सिंह, कन्हैयालाल तिवारी, सरपंच मौहरिया कृष्णचंद्र तिवारी केसी, सरपंच पिपरहा महेंद्र प्रसाद त्रिपाठी, सरपंच सहेबा जगत नारायण मिश्रा, खरहरी सरपंच अजय कुशवाहा, इन्द्रमणि कुशवाहा पूर्व जिला पंचायत सदस्य, विधायक प्रतिनिधि वैभव सिंह, मण्डल अध्यक्ष सूरा मुकेश पटेल, सिसवा सरपंच उपेन्द्र रामभाई पाण्डेय, भाजपा नेता श्रवण मिश्रा सहित वरिष्ठ क्षेत्रीय जन एवं आम जनमानस उपस्थित रहा। संचालन राजकुमार शर्मा द्वारा किया गया।

ट्रैक्टर एजेंसी संचालक ने लगाया ब्लैकमेलिंग का आरोप, 7 लाख की डिमांड से परेशान

मनगवां। रीवा जिले के मनगवां में संचालित आलोक ट्रैक्टर एजेंसी के संचालक राघवेंद्र सिंह ने एक किसान पर ब्लैकमेलिंग का गंभीर आरोप लगाया है। इस संबंध में उन्होंने मऊगंज एसपी और कलेक्टर से शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है। मामला ट्रैक्टर और मल्टीक्रॉप थ्रेशर की खरीद-बिक्री से जुड़ा है। जानकारी के अनुसार, दो महीने पहले घुचियारी निवासी प्रशांत सिंह ने एसबीआई बैंक मऊगंज से लगभग 26 लाख रुपये का लोन लेकर ट्रैक्टर और मशीनरी खरीदी थी। बाद में असंतुष्टि जताते हुए किसान ने पूरा सामान एजेंसी को वापस कर दिया और लोन निरस्त कराने की मांग की। एजेंसी संचालक के अनुसार, उन्होंने ट्रैक्टर व अन्य मशीनरी वापस लेकर बैंक का पूरा बकाया, यहां तक कि ब्याज राशि भी जमा कर दी। इसके बावजूद अब किसान द्वारा झूठी शिकायतें कर दबाव बनाया जा रहा है और 7 लाख रुपये की मांग की जा रही है। मार्जिन मनी 07 लाख रु भी ट्रैक्टर फर्म के संचालक ने दिए थे। राघवेंद्र सिंह का कहना है कि उन्होंने पूर्व में

मदद के तौर पर किसान के खाते में 7 लाख रुपये की मार्जिन मनी भी जमा कराई थी, जो लोन चुकता होने पर वापस मिल गई थी। अब वही राशि दोबारा मांगी जा रही है, जिसे वे ब्लैकमेलिंग कर रहे हैं। एजेंसी संचालक ने आरोप लगाया कि इस पूरे मामले से उनकी प्रतिष्ठित फर्म की छवि खराब की जा रही है। उन्होंने प्रशांत सिंह के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की मांग की है। साथ ही 2 करोड़ रुपये की मानहानि का नोटिस भेजने की भी बात कही है।

वरिष्ठ अधिकारी मुख्यालय में निवास नहीं करते

त्योंथर ब्यूरो। रीवा जिले के उत्तरी छोर में यूपी की सीमा से जुड़ा त्योंथर तहसील है, जहां विगत कई वर्षों से त्योंथर में संचालित कई विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मुख्यालय में निवास नहीं करते हुए जिला प्रशासन को चुनौती देते हुए रीवा को मुख्यालय बनाकर रहते हैं। यही वजह है की सभी विभागों के कार्यालय में अधिकारियों के अलावा पदस्थ कर्मचारी भी स्वेच्छा पूर्वक कार्यालय में अपनी सुविधा अनुसार उपस्थित देते रहते हैं और कार्यालय समय से पूर्व कार्यालय छोड़ कर अपने घर की ओर प्रस्थान कर जाते हैं। जिला कलेक्टर का ध्यान आकर्षित कराया गया है कि जिस तरह विगत दिनों उन्होंने डभौरा क्षेत्र की ओर प्रस्थान कर स्थिति का जायजा लिया है वैसा ही आकस्मिक निरीक्षण त्योंथर तहसील का भी करें, जिससे यहां की वस्तुस्थिति का आकलन हो जाए।

अनियमितता बरतने पर वाटर प्लांट यूनिट को किया गया सील

मऊगंज। मऊगंज जिले में राजस्व एवं खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा विभिन्न वाटर प्लांट एवं कैन आरो वाटर सप्लाई प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान खटखरी स्थित केके इंडस्ट्रीज पैकेज ड्रिंकिंग वॉटर हिमालय ब्रांड पानी बोतल यूनिट में अनियमितता पाए जाने पर उसे सील कर दिया गया है। यह कार्रवाई कलेक्टर संजय कुमार जैन निर्देश पर डिप्टी कलेक्टर पवन गोरैया के नेतृत्व में गठित राजस्व एवं खाद्य सुरक्षा टीम द्वारा की गई। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि यूनिट के संचालक द्वारा यूनिट में फर्म का बोर्ड नहीं लगाया था। लाइसेंस, वॉटर टेस्टिंग लैब, वाटर टेस्टिंग रिपोर्ट एवं अन्य सुसंगत दस्तावेज भी नहीं पाए गए। जिसके कारण तत्काल प्रभाव से वाटर प्लांट चलाने के लिए आवश्यक दस्तावेज पूर्ण होने तक प्लांट में प्रोडक्शन बंद कराया गया। राजस्व एवं खाद्य सुरक्षा की टीम ने तनु आरो कैन वॉटर सप्लाई एवं नव्या मिनरल्स का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संचालक को मेडिकल फिटनेस बनवाने एवं स्वच्छ परिस्थितियों में कैन वॉटर फीलिंग पानी का टीडीएस जांच करने के उपरांत सप्लाई करने के निर्देश दिए गए। पूर्व में संयुक्त दल द्वारा किए गए निरीक्षण के आधार पर खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित कुमार तिवारी द्वारा नव्या मिनरल्स एवं संजीवनी जल के संचालक के विरुद्ध बिना पंजीयन एवं खाद्य सुरक्षा विनिमय के उल्लंघन का प्रकरण तैयार कर सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है।

अमवा में चल रही श्रीमद् भागवत कथा की पूर्णाहुति, भण्डारा आज

आंचलिक डेस्क। जिला मुख्यालय से लगे अमवा गांव में त्रिदंडी मठ गोविंदगढ़ के स्वामी शेषमणिदासाचार्य जी महाराज के सानिध्य में चल रही संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा की हवन पूजन के साि रविवार को पूर्णाहुति हो गई। संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के आखिरी दिन कृष्ण सुदामा की मित्रता पर रोचक कथा सुनाई गई। 27 अप्रैल को संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा के समापन के पश्चात भण्डारे का आयोजन किया गया है। श्रीमद् भागवत कथा के मुख्य यजमान कृष्ण बिहारी शुक्ला एवं उनके कनिष्ठ पुत्र रवींद्र शुक्ला निर्मित मंदिर में भगवान शिवजी की प्राण प्रतिष्ठा कराई गई है। इसी के उपलक्ष में श्रीमद् भागवत कथा का अनुष्ठान कराया गया है। इस अवसर पर मंगल प्रसाद शुक्ला, राम मनोहर शुक्ला, गणेश प्रसाद शुक्ला, भुवनेश्वर प्रसाद शुक्ला, अतुल शुक्ला, रामानुज तिवारी, विनय शुक्ला, सुनील शुक्ला, दिनेश शुक्ला आदि भर संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

प्रेक्षक ने पीएससी परीक्षा केन्द्रों में परीक्षा संचालन का लिया जायजा

मऊगंज। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा मऊगंज जिले में राज्य सेवा एवं राज्य वन सेवा प्रारंभिक परीक्षा का आयोजन किया गया। जिले में परीक्षा दो केन्द्रों पीएमशासकीय केदारनाथ महाविद्यालय एवं शासकीय कन्या उमावि में आयोजित की गई। प्रेक्षक सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी राजकुमार पाठक ने दोनों परीक्षा केन्द्रों का निरीक्षण कर परीक्षा संचालन का जायजा लिया। प्रेक्षक ने परीक्षार्थियों के प्रवेश, रोल नंबर व्यवस्था, बैठक व्यवस्था और पेयजल सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान प्रेक्षक ने केंद्राध्यक्षों और ड्यूटी पर तैनात अधिकारियों को निर्देश दिए कि परीक्षा की गोपनीयता बनाए रखने के लिए सख्त निगरानी रखी जाए। किसी भी प्रकार के इलेक्ट्रॉनिक उपकरण या अनुचित सामग्री के प्रवेश को पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाए। उन्होंने सुरक्षा में तैनात पुलिस बल को भी केंद्रों के बाहर भीड़ एकत्रित न होने देने के निर्देश दिए।

चौरसिया समाज विवाह सम्मेलन : वैवाहिक बंधन में बंधे 18 जोड़े

गुढ़ विधायक ने नवदम्पतियों को प्रदान किया आशिर्वाद

आंचलिक डेस्क। चौरसिया यूनिटी भवन महसांव में चौरसिया समाज का 23वां विंध्य प्रदेशीय युवक-युवती एवं सामूहिक विवाह सम्पन्न हुआ। विवाह सम्मेलन में 18 जोड़े विवाह बंधन में बंधे। इस अवसर पर समाज के गणमान्य नागरिकों, पदाधिकारियों एवं दूरदराज से आये समाज के लोगों की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। विवाह समारोह के मुख्य अतिथि स्थानीय विधायक नागेन्द्र सिंह रहे। श्री सिंह ने नवदम्पतियों को अपना आशिर्वाद प्रदान करते हुए कहा कि चौरसिया समाज के द्वारा आयोजित सामूहिक विवाह प्रत्येक समाज के लिए मिसाल है। प्रत्येक समाज के लोगों को इसी तरह से विवाह सम्मेलन में धन की हो रही मितव्ययिता को रोकने का प्रयास करें। उन्होने कहा कि चौरसिया समाज जब जहां मेरी आवश्यकता पड़े बुलाये, मैं उसके साथ खड़ा रहूंगा। उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण चौरसिया की प्रशंसा करते हुए कहा कि अध्यक्ष जब कभी हमसे कुछ मांगते हैं तो हम मना नहीं कर

पाते। उन्होंने नवदंपतियों को आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद और समृद्ध वैवाहिक जीवन की कामना की। कार्यक्रम में दोनों महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष की गरिमामयी उपस्थिति से समाज के लोगों में अति उत्साह देखा गया। कोलकाता महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रदीप चौरसिया का चौरसिया यूनिटी भवन रीवा द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उन्होंने अपने उद्बोधन में सामूहिक विवाह सम्मेलन के आयोजक समिति और अध्यक्ष की प्रसंशा करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से समाज में एकता का भाव जागृत होता है मन प्रसन्न होता है समाज को जागरूक होने के लिए शिक्षित होना बहुत जरूरी है। उन्होने बालक-बालिकाओं को खूब पढ़ाई करने और आगे बढ़ने का संदेश दिया, नव विवाहित जोड़ो को अपना आशीर्वाद देते हुए उनके सुखद वैवाहिक जीवन की कामना की। दिल्ली महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष गौरव चौरसिया (विक्की) ने चौरसिया यूनिटी भवन बनाने वाली टीम और प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण चौरसिया की प्रसंशा की। इस पूरे कार्यक्रम की अध्यक्षता समाज के प्रदेश अध्यक्ष रामकृष्ण चौरसिया ने किया। प्रदेश अध्यक्ष ने कार्यक्रम में उपस्थित मुख्य अतिथि एवं दोनों राष्ट्रीय अध्यक्षों के साथ उपस्थित जनसमूह का आभार ज्ञापित करते हुए नवदंपति जोड़ों को समाज द्वारा 11-11 हजार रु.एवं सामूहिक विवाह के आयोजन में सहयोग राशि 2.50 लाख देने वाले ए.बी.सी.हार्डवेयर रेस्टोरेन्ट संचालक अवध बिहारी चौरसिया एवं आयोजन को सफल बनाने वाले सहयोगियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। इस सामाजिक आयोजन में डॉ. एन.सी.चौरसिया, इन्जी.भरतलाल चौरसिया, नीलम चौरसिया, रामानुज चौरसिया, अजय चौरसिया ने भी नवदंपत्ति जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए अपने विचार व्यक्त किये। मंच का संचालन रामदयाल चौरसिया, रामसुशील चौरसिया, अभय चौरसिया ने किया। कार्यक्रम में राधेलाल चौरसिया, रामसुख, संतोष चौरसिया कोटेदार, डिगनलाल, अयोध्या प्रसाद, विश्वजीत, हेमलाल, शंकरदास, सुनील, नारेन्द्र, आकाश, देवकुमार, दशरथ, विनोद, पुष्पेन्द्र, शोभनाथ, श्रीधर, राजेन्द्र, डॉ.उषा चौरसिया, सविता, संगीता, शांती, ऊषा, अन्नू, आशा, गीता, विनोद, कोमल, समयलाल, अजय, विष्णू, भागवत, लक्ष्मी, सुनील, रामवरण, कमलेश, परमसुख, रमाशंकर, बृजेश, रामकरण, यज्ञनारायण, नरेन्द्र, अरुण, सौम्या चौरसिया, रत्नेश, रवीश, शिवम, प्रीतमलाल, नारायणदास, महेश, खुशीलाल, उमालाल, विराग, जगतदेव, मोतीलाल, पुरुषोत्तमदास, भगवानदास, राजकुमार, रजनीश उर्फ गोलू, उपकार, जगन्नाथ, राजेश, नारेन्द्र के साथ ही विवाह समिति के सभी अध्यक्ष एवं सहयोगी सदस्य उपस्थित रहे।

राज्यसभा सांसद से मिला गुढ़ अधिवक्ता संघ

पूर्व विधायक राजेन्द्र मिश्र की पहल पर सौंपा ज्ञापन

गुढ़ (नि. प्र। गुढ़ तहसील के अधिवक्ता संघ ने पूर्व विधायक राजेन्द्र मिश्र के नेतृत्व एवं विशेष पहल पर राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा से मुलाकात कर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं को प्रमुखता से उनके समक्ष रखा। यह मुलाकात पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत समदरिया गोल्ड में आयोजित कार्यक्रम के दौरान संपन्न हुई, जिसमें पूर्व विधायक राजेन्द्र मिश्र की सक्रिय भूमिका विशेष रूप से रही। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष दिलीप मिश्र ने चर्चा के दौरान बताया कि वर्ष 1984 में स्थापित गुढ़ तहसील आज भी विकास की राह देख रही है। उन्होंने कहा कि बाद में स्थापित हुई तहसीलों—मनगवां और चुरहट—में सिविल न्यायालय की स्थापना हो चुकी है, जबकि गुढ़ अब भी इससे वंचित है, जो क्षेत्रीय उपेक्षा को दर्शाता है। पूर्व विधायक राजेन्द्र मिश्र ने अधिवक्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से उठाते हुए उन्हें प्राथमिकता से हल कराने की आवश्यकता पर जोर दिया। उनके नेतृत्व

में प्रतिनिधि मंडल ने अधिवक्ताओं के लिए बैठने की समुचित व्यवस्था न होने की समस्या भी प्रमुखता से रखी। अधिवक्ताओं की बढ़ती संख्या के कारण उत्पन्न कठिनाइयों के समाधान हेतु अधिवक्ता भवन एवं शेड निर्माण की मांग की गई। राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए अपने सांसद निधि से अधिवक्ता शेड निर्माण शीघ्र कराने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि वे केवल शिलान्यास नहीं, बल्कि कार्य पूर्ण कराने में विश्वास रखते हैं और अधिवक्ताओं की मांग को हर हाल में पूरा किया जाएगा। साथ ही सिविल न्यायालय की स्थापना के संबंध में भी सकारात्मक पहल करने की बात कही। इस अवसर पर अधिवक्ता संघ के सचिव अभय मिश्रा, जे.डी. सिंह (नोटरी), गोपाल शरण तिवारी, बृजेश चतुर्वेदी, निर्भय तिवारी, अनिल सिंह, रमेश उपाध्याय, सुशील पयासी, सुनील शुक्ला, राजेश मिश्र, पुष्पेंद्र तिवारी, अनिल तिवारी, भीमसेन पटेल, अशोक तिवारी, प्रमोद गौतम, अभिषेक तिवारी, सीमा तिवारी सहित अनेक अधिवक्ता उपस्थित रहे।

प्रशासनिक आदेशों को ठेंगा दिखा रहे तहसीलदार

गढ़। एक ओर जहाँ सरकार सुशासन और जनसुनवाई के दावों के साथ जनता को त्वरित न्याय दिलाने की बात करती है, वहीं दूसरी ओर राजस्व विभाग के अधिकारी इन दावों की हवा निकालते नजर आ रहे हैं। मामला वृत्त गढ़ तहसील मनगवां का है, जहाँ नायब तहसीलदार पर न्यायालयीन आदेशों की अवहेलना और फरियादी के साथ अभद्र व्यवहार करने के गंभीर आरोप लगे हैं।

ऑरेंज कैप (बल्लेबाज)

अभिषेक (हैदराबाद)	380
वैभव (राजस्थान)	357
केएल राहुल (दिल्ली)	357

पर्पल कैप (गेंदबाज)

अंशुल कंबोज(चेन्नई)	14
इशान मलिंगा (हैदराबाद)	14
प्रिंस यादव (लखनऊ)	13

बाउंड्री मीटर

683 छक्के

1194 चौके

73 अर्धशतक

संजू सैमसन ने आईपीएल में 5000 रन पूरे किए। कम गेंद पर पांच हजार रन बनाने वाले खिलाड़ियों में डिविलियर्स (3288), वॉर्नर (3554), सैमसन (3555), रैना (3620), राहुल (3688) और धोनी (3691) शामिल हैं।

अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक	रन रेट
पंजाब	7	6	0	13	1.333
बेंगलुरु	7	5	2	10	1.101
हैदराबाद	8	5	3	10	0.815
राजस्थान	8	5	3	10	0.602
गुजरात	8	4	4	8	-0.475
चेन्नई	8	3	5	6	-0.121
दिल्ली	7	3	4	6	-0.184
कोलकाता	8	2	5	5	-0.751
मुंबई	7	2	5	4	0.736
लखनऊ	8	2	6	4	-1.106

खेल एक नजर

अभ्यास मैच में धोनी की पिंडली में फिर खिंचाव, वापसी में देरी: फ्लेमिंग

चेन्नई, जेएनएन। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के मुख्य कोच स्टीफन फ्लेमिंग ने रविवार को कहा कि आईपीएल में महेंद्र सिंह धोनी की वापसी में और देरी होगी, क्योंकि इस दिग्गज खिलाड़ी को एक अभ्यास मैच के दौरान पिंडली में फिर से चोट लग गई है। सीएसके ने इस सत्र में अपने पूर्व कप्तान के बिना आठ मैच खेले हैं और फ्लेमिंग ने कहा कि शुरू में उम्मीद थी कि धोनी कुछ हफ्तों में ठीक हो जाएंगे, लेकिन पिंडली की चोट के बढ़ने के कारण अब ज्यादा सावधानी से रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया अपनानी पड़ रही है। फ्लेमिंग ने कहा कि हां, वह वापसी के लिए काफी उत्सुक हैं। लेकिन पिंडली की चोट काफी मुश्किल होती है। अगर वह जोर लगाते हैं और पिंडली में फिर से खिंचाव आ जाता है तो वह पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो जाएंगे।

उबर कप: भारत की क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की उम्मीद

होर्सेंस (डेनमार्क), जेएनएन। भारतीय महिला टीम ने उबर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप-ए के अपने दूसरे मुकाबले में यूरोपीय चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता यूक्रेन पर 4-1 की शानदार जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। भारतीय टीम अपने पहले मुकाबले में मेजबान डेनमार्क से 2-3 से हार गई थी। यूक्रेन के खिलाफ भारत की युवा खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। उन्नति हुडा ने पोलिना बुहरोवा पर 21-19, 22-20 की रोमांचक जीत के साथ शुरुआत की, जिसके बाद जूनियर विश्व चैंपियनशिप की रजत पदक विजेता तन्वी शर्मा ने येवहेनिया कांटेमिर को 21-12, 17-21, 21-10 से हराकर भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। भारत ने पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू को एकल में आराम दिया था, जिससे 2026 थाईलैंड मास्टर्स चैंपियन देविका सिहाग को तीसरे एकल में मौका मिला और इस युवा खिलाड़ी ने मारिया स्टोलियारेन्को को 23-21, 21-13 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया।

मैच 38: इस सीजन के पहले सुपर ओवर में जीता कोलकाता, लखनऊ की घर में लगातार आठवीं और इस सीजन में 5वीं हार

सुपर ओवर का रोमांच चार गेंद में खत्म, रिंकू ने फिनिश किया मैच

प्लेयर ऑफ द मैच रिंकू सिंह

जेएनएन, लखनऊ

कोलकाता नाइट राइडर्स ने रिंकू सिंह के तूफानी अर्धशतक और वैभव अरोड़ा की अगुआई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन के बावजूद सुपर ओवर में खिंचे आईपीएल के 38वें मैच में रविवार को लखनऊ सुपर जाएंट्स को हरा दिया। सुपर ओवर में नाइटराइडर्स के सुनील नारायण ने पहली ही गेंद पर निकोलस पूरन को बोल्ड किया। अगली गेंद पर कप्तान रिषभ पंत ने एक रन बनाया, लेकिन तीसरी गेंद पर एडेन मार्क्रम को रिंकू ने लपक लिया। नाइट राइडर्स को दो रन का लक्ष्य मिला और रिंकू ने प्रिंस यादव की पहली गेंद पर चौके के साथ टीम को जीत दिला दी। लगातार दूसरी जीत के साथ नाइट राइडर्स की टीम पांच अंक के साथ आठवें स्थान पर पहुंच गई, जबकि सुपर जाइंट्स की टीम चार अंक के साथ 10वें और अंतिम स्थान पर खिसक गई। लखनऊ ने 156 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पंत (42) और सलामी बल्लेबाज मार्क्रम (31) की उम्दा पारियों से आठ विकेट पर 155 रन बनाए, जिससे मैच सुपर ओवर में खिंचा। रिंकू (नाबाद 83) के करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी और उनकी कैमरन ग्रीन (34) के साथ पांचवें विकेट के लिए 42 तथा सुनील नारायण (नाबाद 04) के साथ आठवें विकेट के लिए 30 गेंद में 62 रन की अटूट साझेदारी से नाइट राइडर्स ने सात विकेट पर 155 बनाए। मोहसिन खान ने अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी करते हुए 23 रन देकर पांच विकेट चटकाए।

■ मोहसिन खान पांच विकेट हॉल लेने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। यह आईपीएल इतिहास में किसी भी गेंदबाज द्वारा दूसरा सबसे तेज पांच विकेट हॉल है। इशांत शर्मा के नाम आईपीएल में सबसे तेज पांच विकेट लेने का रिकॉर्ड है। उन्होंने 2011 में कोची टस्कर्स केरला के खिलाफ पारी के पहले चार ओवर में ही अपना पांच विकेट हॉल पूरा कर लिया था।

■ चार कैच रिंकू ने पकड़े, जो आईपीएल के किसी एक मैच में एक फील्डर द्वारा सबसे अधिक कैच लेने का रिकॉर्ड है। इसमें से एक कैच सुपर ओवर का है, जो एक रिले कैच था, जिसे पॉवेल और रिंकू ने मिलकर पूरा किया था।

स्कोर बोर्ड

कोलकाता नाइट राइडर्सः 155/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
रहाणे का. माक्रम बो. मोहसिन	10	15	0	1
साइफर्ट का. मुकूल बो. मोहसिन	0	3	0	0
रघुवंशी फील्ड में बाधा (रनआउट)	9	8	1	0
कैमरन ग्रीन का. पंत बो. मोहसिन	34	21	0	3
रोवमन पॉवेल का. पंत बो. मोहसिन	1	4	0	0
रिंकू सिंह नाबाद	83	51	7	5
अनुकूल का. बदोनी बो. मोहसिन	0	1	0	0
रमनदीप का. मार्श बो. लिंडे	6	11	0	0
सुनील नारायण नाबाद	4	6	0	0

अतिरिक्तः 8, **कुलः** 20 ओवर में सात विकेट पर 15 रन, **विकेट पतनः** 1-3, 2-16, 3-27, 4-31, 5-73, 6-73, 7-93, **गेंदबाजीः** शमी 4-0-34-0, मोहसिन 4-1-23-5, प्रिंस 4-0-24-0, राठी 4-0-46-0, लिंडे 2-0-18-1, माक्रम 2-0-9-0

लखनऊ सुपर जाएंट्स : 155/8 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
एडन माक्रम का. रिंकू बो. ग्रीन	31	27	2	1
मिचेल मार्श का. पॉवेल बो. वैभव	2	3	0	0
पंत का. साइफर्ट बो. नारायण	42	38	4	1
पूरन का. नारायण बो. वरुण	9	12	0	1
बदोनी का. अनुकूल बो. वरुण	24	19	0	2
मुकुल का. रिंकू बो. अनुकूल	1	2	0	0
हिम्मत का. रिंकू बो. त्यागी	19	10	2	1
लिंडे का. रिंकू बो. वैभव	8	4	2	0
मोहम्मद शमी नाबाद	11	6	1	1
प्रिंस यादव नाबाद	0	1	0	0

अतिरिक्तः 8, **कुलः** 20 ओवर में 8 विकेट पर 155 रन, **विकेट पतनः** 1-8, 2-65, 3-78, 4-89, 5-93, 6-120, 7-129, 8-148, **गेंदबाजीः** अनुकूल 2-0-19-1, वैभव 4-0-24-1, ग्रीन 2-0-12-1, नारायण 4-0-23-1, वरुण 4-0-33-2, कार्तिक 4-0-41-1.

मैच 37: सुदर्शन का अर्धशतक, रबाडा के तीन विकेट, टाइटंस की आठ विकेट से जीत

गुजरात ने सीएसके को 5वीं बार हराया

जेएनएन, चेन्नई

गुजरात टाइटंस ने रविवार को चेन्नई सुपर किंग्स को आठ विकेट से शिकस्त दी। गुजरात के गेंदबाजों के दबदबे के बावजूद सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के नाबाद 74 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की, जिससे बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद टीम सात विकेट पर 158 रन ही बना सकी। गुजरात के लिए कागिसो रबाडा ने 25 रन देकर तीन विकेट चटकाए। सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (87 रन) और जोस बटलर (नाबाद 39 रन) की पारियों से गुजरात ने 16.4 ओवर में दो विकेट पर 162 रन बनाकर जीत हासिल की। गुजरात ने सीएसके को पांचवी बार हराया। सुदर्शन 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर आउट हुए और चौथी गेंद पर बटलर ने छक्का जड़कर आसान जीत दिलाई। सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल (33 रन) ने अच्छी शुरूआत की। गिल के आउट होने के बाद सुदर्शन और बटलर ने टीम को जीत तक पहुंचाया। गुजरात ने लगातार दो हार के बाद जीत दर्ज की। इस जीत से उसके आठ मैच में आठ अंक हो गए। वहीं सीएसके की आठ मैचों में यह पांचवीं हार है। सुदर्शन और गिल ने पावरप्ले में 55 रन बना लिए थे, जबकि सीएसके का स्कोर तीन विकेट पर 28 रन था। गिल सातवें ओवर में नूर अहमद की गेंद पर आउट हुए जब सतर्क विकेटकीपर संजू सैमसन ने उनके स्टंप उखाड़ दिए। गुजरात ने 10 ओवर में एक विकेट पर 82 रन बना लिए थे।

■ 10 ओवर के बाद सीएसके का स्कोर 4 विकेट के नुकसान पर महज 42 रन था। सीएसके की पारी की शुरुआत इतनी सुस्त थी कि 11.6 ओवर में जाकर टीम के 50 रन पूरे हुए, जो आईपीएल इतिहास में सीएसके का दूसरा सबसे धीमा 50 है। इससे पहले 2011 में उन्होंने आरसीबी के खिलाफ 12.1 ओवर में पचास का आंकड़ा छुआ था। 18वें ओवर तक चेन्नई के बल्लेबाजों ने कुल 63 डॉट गेंदें खेलीं, जो उनकी पारी की धीमी रफ्तार को बयां करता है।

■ 68 मैच के साथ राशिद खान आईपीएल में गुजरात टाइटंस के लिए सर्वाधिक मैच खेलने वाले खिलाड़ी बन गए। उन्होंने शुभमन गिल और राहुल तेवतिया को पीछ छोड़ दिया। दोनों ने 67-67 मैच गुजरात के लिए खेले हैं।

स्कोर बोर्ड

चेन्नई सुपर किंग्सः 158/7 (20 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
सैमसन का. बटलर बो. रबाडा	11	15	2	0
रुतुराज गायकवाड़ नाबाद	74	60	6	4
उर्विल का. होल्डर बो. रबाडा	4	3	1	0
सरफराज का. बटलर बो. सिराज	0	1	0	0
ब्रेविस का. गिल बो. सुथार	2	9	0	0
शिवम दुबे बो. अरशद	22	17	3	1
कार्तिक का. होल्डर बो. रबाडा	15	9	3	0
ओवर्टन का. शाहरुख बो. अरशद	18	6	3	1
अकील हुसैन नाबाद	0	0	0	0

अतिरिक्तः 12, **कुलः** 20 ओवर में सात विकेट पर 158 रन, **विकेट पतनः** 1-21, 2-25, 3-26, 4-37, 5-96, 6-122, 7-143, **गेंदबाजीः** सिराज 4-0-23-1, रबाडा 4-0-25-3, मानव सुथार 3-0-22-1, जेसन होल्डर 4-0-22-0, अरशद खान 4-0-43-2, राशिद खान 1-0-21-0.

गुजरात टाइटंसः 162/2 (16.4 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन का. ब्रेविस बो. हुसैन	87	46	4	7
गिल स्टं. सैमसन बो. नूर	33	23	1	3
जॉस बटलर नाबाद	39	30	4	1
वॉशिंगटन सुंदर नाबाद	1	1	0	0

अतिरिक्तः 2, **कुलः** 16.4 ओवर में दो विकेट पर 162 रन, **विकेट पतनः** 1-58, 2-155, **गेंदबाजीः** अकील हुसैन 3.4-0-46-1, कंबोज 3-0-16-0, ओवर्टन 2-0-28-0, गुरजपनीत सिंह 3-0-36-0, नूर 4-0-29-1, दुबे 1-0-7-0.

हार से आहत दिल्ली का सामना डिफेंडिंग चैंपियन आरसीबी से

नई दिल्ली, जेएनएन। पंजाब किंग्स के खिलाफ 264 रन बनाने के बावजूद हार से आहत दिल्ली कैपिटल्स की टीम को अगर सोमवार को आईपीएल के मैच में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की संतुलित टीम के खिलाफ वापसी करनी है, तो उसे अपने पिछले प्रदर्शन को भुलाकर नए सिरे से शुरुआत करनी होगी। पंजाब ने रिकार्ड लक्ष्य हासिल करके छह विकेट से जीत दर्ज की, जिससे दिल्ली कैपिटल्स की टीम बुरी तरह से हिल गई है। इस मैच में उसके गेंदबाजों की जमकर धुनाई हुई। दोनों के बीच अब तक 34 मुकाबले हुए हैं, जिसमें 20 में आरसीबी और 13 में दिल्ली को जीत मिली है। दिल्ली में भी हुए 11 मैचों आरसीबी 7-4 से आगे है। वहीं इस साल भी आरसीबी की टीम सात में से पांच मुकाबला जीत चुकी है, जबकि दिल्ली को इस दौरान सात में से तीन में ही जीत हासिल हुई है। कुल मिलाकर आरसीबी का पलड़ा, दिल्ली पर पूरी तरह से भारी है।

होमग्राउंड दिल्ली में विराट का शानदार रिकार्ड

विराट कोहली, आईपीएल 2026 में शानदार फॉर्म में हैं और सात पारियों में तीन अर्धशतकों की मदद से 54.7 की औसत और 163 के स्ट्राइक रेट के साथ 328 रन बना चुके हैं। दिल्ली के अपने होमग्राउंड में उन्होंने 11 आईपीएल मैचों में लगभग 67 की औसत और 141 के स्ट्राइक रेट से पांच अर्धशतकों के साथ 534 रन बनाए हैं, जो कि आईपीएल में किसी एक खिलाड़ी का किसी एक मैदान पर तीसरा सर्वश्रेष्ठ औसत है और उन्होंने यहां पांच पारियों में चार अर्धशतक लगाए हैं। वह आईपीएल में 9000 रन पूरा करने के भी करीब हैं और इस मैच में 11 रन बनाते ही वह आईपीएल में ऐसा करने वाले पहले बल्लेबाज बन जाएंगे।

दीप्ति शर्मा चमकीं, तीन हार के बाद जीता भारतीय महिला टीम

जोहानिसबर्ग, जेएनएन। भारतीय महिला टीम ने दीप्ति शर्मा (नाबाद 36 रन, 19 रन देकर पांच विकेट) के आल राउंड प्रदर्शन की बदौलत शनिवार को चौथे टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैच में दक्षिण अफ्रीका को 14 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में अपनी पहली जीत दर्ज की। दीप्ति ने टी-20 प्रारूप में पहली बार पांच विकेट चटकाए। भारतीय टीम इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की अनुशासित गेंदबाजी के सामने पांच विकेट पर 185 रन ही बना सकी। लेकिन दीप्ति ने बीच के ओवरों में अहम विकेट चटकाए, जिससे दक्षिण अफ्रीका की टीम 20 ओवर में नौ विकेट पर 171 रन ही बना सकी। इस मैच से पहले दक्षिण अफ्रीका ने 3-0 की अजेय बढ़त बनाई हुई थी। तेज गेंदबाज क्रांति गौड़ ने दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लौरा वोल्वार्ट (18 रन) का विकेट झटका। सुने लुस ने 40 रन और तजमिन ब्रिट्स ने 30 रन का योगदान दिया। इन दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 54 रन जोड़े, लेकिन दीप्ति ने लुस को आउट कर इस भागीदारी का अंत किया। दीप्ति ने लुस के अलावा एनेरी डर्कसेन, कायला रेनेके, तुमी सेखुखुने और अयाबोंगा खाका के विकेट झटके। इससे पहले जेमिमा रोड्रिग्स 43 रन बनाकर भारत के लिए शीर्ष स्कोरर रहीं।

मैनचेस्टर सिटी रिकॉर्ड चौथी बार एफए कप के फाइनल में

लंदन, जेएनएन। मैनचेस्टर सिटी एक बार फिर एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गया है, जबकि आर्सेनल प्रीमियर लीग में फिर से शीर्ष पर पहुंचने में सफल रहा। सिटी ने वेम्बली में खेले गए मैच में साउथेम्प्टन को 2-1 से हराकर रिकॉर्ड चौथी बार एफए कप के फाइनल में जगह बनाई। दूसरे हाफ में एक गोल से पिछड़ने के बाद निको गोंजालेज के 87वें मिनट में किए गए गोल से सिटी ने जीत दर्ज की। इस जीत ने सिटी की घरेलू स्तर पर तीन खिताब जीतने की उम्मीदों को बरकरार रखा है। वह पहले ही इंग्लिश लीग कप जीत चुका है और प्रीमियर लीग खिताब के लिए आर्सेनल के सामने कड़ी चुनौती पेश कर रहा है। प्रीमियर लीग में आर्सेनल ने एबेरेची एजे के गोल की मदद से न्यूकैसल के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल करके सिटी पर तीन अंक की बढ़त बना ली है। आर्सेनल के 34 मैच में 73 और सिटी के 33 मैच में 70 अंक हैं। इस बीच लिवरपूल की टीम क्रिस्टल पैलेस को 3-1 से हराकर गोल अंतर के आधार पर चौथे स्थान पर पहुंच गई। उसने एस्टन विला को पीछे छोड़ा, जिसे फुलहम से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा।

बार्सिलोना ला लीगा में लगातार दूसरे खिताब के करीब पहुंचा

बार्सिलोना, जेएनएन। बार्सिलोना शनिवार को गेटाफे पर मिली 2-0 की जीत से स्पेनिश फुटबॉल लीग ला लीगा में लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के करीब पहुंच गया है, जबकि एटलेटिको मैड्रिड चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में आर्सेनल का सामना करने से पहले आत्मविश्वास भरी जीत हासिल करने में सफल रहा। बार्सिलोना की तरफ से पहला गोल फर्मिन लोपेज ने 45वें मिनट में किया। उन्होंने अपना यह गोल चोटिल लामिन यामल को समर्पित किया। बार्सिलोना की तरफ से इस प्रतियोगिता में सर्वाधिक गोल करने वाले यामल मांसपेशियों में खिंचाव होने के कारण इस सत्र से बाहर हो गए हैं। मार्कस रैशफोर्ड स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे और उन्होंने 74वें मिनट में गोल करके बार्सिलोना की 2-0 से जीत सुनिश्चित की।

सिटी स्पोर्ट्स

मप्र की रंजना ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ जीता स्वर्ण, राधा भी चैंपियन

नेशनल जूनियर फेडरेशन एथलेटिक्स प्रतियोगिता में जीते पांच पदक

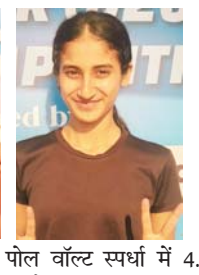

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश अकादमी के खिलाड़ियों ने 24वीं नेशनल जूनियर फेडरेशन एथलेटिक्स प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण सहित पांच पदक जीते। इसमें दो रजत और एक कांस्य शामिल है। यह प्रतियोगिता कनार्टक के तुमकुर में 24 से 26 अप्रैल तक आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में अकादमी की रंजना यादव ने जूनियर महिला 5000 मीटर रेस वॉक स्पर्धा में 23:21.12 सेंकड का समय निकालते हुए स्वर्ण पदक अर्जित किया। इसके साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय रिकॉर्ड बनाया। इससे पूर्व यह रिकॉर्ड राजस्थान की खिलाड़ी मनीषा के नाम 23:43.58 सेकंड था। राधा यादव ने जूनियर महिला 1500 मीटर दौड़ स्पर्धा में 4:32.64 मिनट का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। आशीष कुमार यादव ने जूनियर पुरुष पोल वॉल्ट स्पर्धा में 4.70 मीटर की ऊंचाई पार करते हुए रजत पदक अर्जित किया। संदीप यादव ने जूनियर पुरुष 3000 मीटर दौड़ स्पर्धा में 8:26.88 मिनट का शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक प्राप्त किया। दीपिका शर्मा ने जूनियर महिला 3000 मीटर दौड़ स्पर्धा में 9:45.57 मिनट का समय निकालते हुए कांस्य पदक जीता। उनका मुकाबला स्वर्ण एवं रजत पदक विजेताओं से बेहद करीबी रहा।

अंडर-15: अकीरा को हराकर मयंक अकादमी फाइनल में

भोपाल, खेप्र। मयंक चतुर्वेदी क्रिकेट अकदामी ने प्रथम शहीद भगत सिंह अंडर-15 क्रिकेट टूर्नामेंट में अकीरा अकादमी को चार विकेट से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। फाइनल में उसका सामना 27 अप्रैल को रेलवे युथ अकादमी से होगा। ओल्ड कैंपियन मैदान पर अकीरा क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 153 रन बनाए। अर्जुन ने 69 रन की अर्धशतकीय पारी खेली, जबकि उत्सव ने 15 रन बनाए। मयंक अकादमी के रिषभ पाण्डेय ने 5 विकेट हासिल किए, जबकि इशान को दो सफलता मिली। जवाब में मयंक अकादमी ने छह विकेट गंवाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। कनव मिश्रा ने 59 और गणेश ने 30 रन की पारी खेलीं। अकीरा के राघव ने 2 और अर्जुन ने 1 विकेट किया। रिषभ को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

अल-अहली ने चैंपियंस लीग एलीट का खिताब बरकरार रखा

जेद्दा, जेएनएन। सऊदी अरब के क्लब अल-अहली ने पहली बार फाइनल में खेल रहे जापान के क्लब माचिदा जेलविया को 1-0 से हराकर एएफसी चैंपियंस लीग एलीट फुटबॉल टूर्नामेंट में अपने खिताब सफलतापूर्वक बचाव किया। जेद्दा में 60,000 दर्शकों की मौजूदगी में सऊदी अरब के अंतरराष्ट्रीय स्ट्राइकर फिरास अल बुरिकन के अतिरिक्त समय में किए गए गोल से मैच का फैसला हुआ। अल-अहली की टीम लगभग एक घंटे तक 10 खिलाड़ियों के साथ खेली, लेकिन माचिदा इसका फायदा नहीं उठा पाया। खेल के 68वें मिनट में ही अल-अहली की टीम 10 खिलाड़ियों तक सिमट गई। तब रेफरी ने जकारिया हवसावी को लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया था।

कमिश्नर आज करेंगे स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा

रीवा। कमिश्नर बीएस जामोद 27 अप्रैल को सतना एवं सीधी जिले के स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करेंगे। समीक्षा बैठक कमिश्नर कार्यालय में दोपहर 12.30 बजे आरंभ होगी। क्षेत्रीय संचालक स्वास्थ्य तथा दोनों जिलों के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों को बैठक में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं।

संभागीय नजूल भूमि निर्वर्तन समिति की बैठक आज

रीवा। कमिश्नर बीएस जामोद की अध्यक्षता में संभाग स्तरीय नजूल भूमि निर्वर्तन समिति की बैठक 27 अप्रैल को सुबह 11.30 बजे कमिश्नर कार्यालय में आयोजित की गयी है। बैठक में रीवा एवं मऊगंज जिलों द्वारा प्रस्तुत प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा।

ट्रांसपोर्ट नगर के यार्ड में भड़की आग से आधा दर्जन दुकानें स्वाहा

सिविल लाइन थाना क्षेत्र में बीती रात सामने आई आगजनी की घटना

जागरण, रीवा

शहर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र अंतर्गत ट्रांसपोर्ट नगर में स्थित यार्ड में बीती रात हुई आगजनी से हड़कंप मच गया। छोटी बड़ी करीब आधा दर्जन दुकानें आगजनी की चपेट में आकर स्वाहा हो गईं। आशंका है कि शार्ट सर्किट से आगजनी की घटना हुई है। फिलहाल वास्तविक कारणों की जांच पुलिस द्वारा की जा रही है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक आग इतनी तेजी से फैली कि ऑटो पार्ट्स और बस रिपेयरिंग दुकानें देखते ही देखते जलकर खाक हो गईं। घटना में लाखों रुपये का सामान नष्ट होने की आशंका है। आगजनी की सूचना मिलते ही पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और घंटों की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। स्थानीय लोगों ने भी आग बुझाने में मदद की। प्रथम दृष्टया आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। स्थानीय दुकान संचालकों ने बताया कि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया, लेकिन व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है। गौरतलब है कि शहर के ट्रांसपोर्ट नगर में सैकड़ों की संख्या में छोटी बड़ी दुकानें संचालित हैं। ज्यादातर यहां बड़े वाहनों का कार्य होता है, अगर समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जाता तो कई अन्य दुकान भी आग की लपटों की चपेट में आ सकती थीं और बड़ा नुकसान हो सकता था।

रातभर छाया रहा अंधेरा

आगजनी के बाद ट्रांसपोर्ट नगर में बिजली सप्लाई भी बंद कर दी गई जिससे रातभर क्षेत्र में अंधेरा कायम रहा। बताया गया कि ट्रांसपोर्ट नगर में असमाजिक तत्वों की जमघट भी रहती है। नशेड़ी किस्म के लोग यहां सुबह से देर रात तक नशा करते नजर आते हैं। पुलिस गश्त भी यहां नहीं नजर आती। पिछले वर्ष भी यहां एक टायर की दुकान में भीषण आगजनी में लाखों का नुकसान हुआ था।

अस्पताल से लापता हुए युवक का रेलवे स्टेशन के पास पेड़ में लटकता मिला शव

एसजीएमएच में रिश्तेदार का उपचार कराने आया था युवक

जागरण, रीवा। संजय गांधी अस्पताल से लापता हुए युवक का शव रेलवे स्टेशन के पास धिरमा नाला के किनारे आम के पेड़ में फांसी के फंदे से लटकता मिला। युवक संजय गांधी अस्पताल में अपने रिश्तेदार का उपचार कराने आया हुआ था। जो गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात्रि से लापता था। परिजनों ने युवक की गुमशुदगी की शिकायत अमहिया थाना में दर्ज करवाई थी। रविवार की दोपहर चोरहटा पुलिस को ग्रामीणों ने सूचना दी कि एक युवक की लाश पेड़ में फांसी के फंदे से लटक रही है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को फांसी के फंदे से नीचे उतरवाया और उसकी शिनाख्तगी के प्रयास शुरू किए गए। पुलिस ने मृतक की पहचान नितीश साकेत पिता राममिलन साकेत 22 वर्ष निवासी बरौ थाना सेमरिया के रूप में की है। चोरहटा थाना प्रभारी पवन शुक्ला ने बताया कि शव को संजय गांधी अस्पताल की मर्चुरी में रखवाया गया है। डेड बॉडी डी-कम्पोज हो चुकी है, आशंका है कि शव 48 घंटे पुराना है। फिलहाल युवक अस्पताल से रेलवे स्टेशन कैसे पहुंचा और उसने यह आत्मघाती कदम किन कारणों से उठाया, इसका पता लगाने का प्रयास पुलिस द्वारा किया जा रहा है। पुलिस ने घटना की सूचना मृतक के परिजनों को दी जिसके बाद परिजन भी मौके पर पहुंचे। सोमवार को मृतक का पीएम किया जाएगा। पुलिस मर्ग कायम कर पूरी घटना की जांच कर रही है।

3 साल के मासूम के अपहरण की सूचना से हड़कंप, पुलिस ने खोजा

चंद घंटों में मिला बच्चा

जागरण, रीवा। अमहिया थाना में रविवार को उस वक्त हड़कंप मच गया जब सूचना मिली की तीन साल का मासूम बच्चा घर से लापता हो गया और उसका किसी ने अपहरण कर लिया। बच्चे के खोजबीन में परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल था। सूचना के बाद अमिहया पुलिस ने तत्काल बच्चे की तलाश शुरू की। सीसीटीवी फुटेज खंगालें गए। जिसके बाद बच्चा एक रास्ते में भटकता मिल गया। बताया गया कि बच्चा खेलते-खेलते घर से दूर दूसरे रास्ते में चला गया था, वहीं परिजन उसे खोज रहे थे लेकिन नजर नहीं आया। जिससे उन्होंने अपहरण की आशंका जताते हुए पुलिस को सूचना दी। अमहिया थाना प्रभारी शिवा अग्रवाल ने स्टाफ सहित मौके पर पहुंचकर सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर एवं आमजनमानस के सहयोग से बच्चे को खोजकर परिजनों से मिलाया।

कपड़े की दुकान में चोरी करने वाला गिरफ्तार

जागरण, रीवा। कपड़े की दुकान पर काम करने वाले कर्मचारी को पुलिस ने दुकान में चोरी के आरोप में गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार व्यापारी जितेन्द्र खुबानी की कपड़ों की दुकान में 6-7 कर्मचारी काम करते हैं, उन्हीं में से एक कर्मचारी आशीष सिंह दुकान में रखी रैक से शर्ट, पैंट, ब्लेजर सहित अन्य कपड़े चोरी कर अपने पैंट में छिपाकर ले जाता था, दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे की जांच से आशीष की करतूत सामने आई, मामला सामने आने पर आशीष मालिक को जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गया, जिसकी रिपोर्ट दुकान मालिक द्वारा पुलिस में की गई, पुलिस ने आरोपी आशीष सिंह को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया।

सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम के लिए पुलिस का विशेष अभियान, बिना हेलमेट चालान तय

10 मई तक चेकिंग और जागरुकता अभियान पर रहेगा फोकस

जागरण, रीवा। शहर सहित जिलेभर में बढ़ती सड़क दुर्घटनाओं को देखते हुए पुलिस मुख्यालय से आए निर्देश के बाद विभाग ने बाइक सवारों की सुरक्षा के लिए विशेष अभियान चलाने का निर्णय लिया है। इस अभियान के तहत बिना हेलमेट वाहन चलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और नियम तोड़ने पर चालान काटा जाएगा। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, अधिकांश हादसों में बाइक सवारों की मौत या गंभीर चोट का मुख्य कारण हेलमेट न पहनना है। इसी को ध्यान में रखते हुए अब शहरभर में चेकिंग अभियान चलाया जाएगा, जहां ट्रैफिक पुलिस प्रमुख चौराहों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में तैनात रहेगी। अभियान के दौरान न केवल चालान की कार्रवाई होगी, बल्कि लोगों को जागरूक करने पर भी विशेष जोर दिया जाएगा। स्कूल, कॉलेज और सार्वजनिक स्थानों पर जागरुकता कार्यक्रम आयोजित कर हेलमेट के महत्व के बारे में बताया जाएगा। पुलिस का कहना है कि यह अभियान लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर चलाया जा रहा है, न कि केवल जुर्माना वसूलने के लिए। पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें और अपनी तथा दूसरों की जान की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

घर से गुम हुई बच्ची को पुलिस ने खोजा

जागरण, रीवा। शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के नया तलाब के पास से रविवार की दोपहर करीब तीन बजे एक 6 साल की बच्ची के अचानक लापता होने की सूचना पुलिस को मिली। कोतवाली पुलिस ने जानकारी के बाद बच्ची की तलाश शुरू की जिसके बाद बच्ची को खोजकर परिजनों को सौंप दिया गया। बताया गया कि नया तलाब बसोर बस्ती से श्रेया बंसल 6 वर्ष दोपहर तीन बजे लापता हो गई थी, परिजन बच्ची की तलाश में परेशान थे। बच्ची के सुरक्षित मिलने के बाद परिजन खुश दिखे। इस दौरान सिटी कोतवाली थाना प्रभारी निशा मिश्रा ने रहवासियों को बच्चों का ध्यान रखने की नसीहत दी जिससे इस तरह की घटनाएं नहीं हो।

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- **मोबाइल नं रीवा**- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com